शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, बुधवार 22 अक्तूबर 2025 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 192 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.8	20.4
डालटनगंज	34.6	20.3
धनबाद	33.0	22.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

जहरीली हुई हवा; दिल्ली के नरेला में 550 के पार पहुंचा एक्यूआई

नयी दिल्ली । दिवाली के मौके पर जहां हर तरफ खुशियों का माहौल बना है, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली की हवा जहरीली होती जा रही है. राष्ट्रीय राजधानी गैस चैंबर में बदल चुकी है. सीपीसीबी के अनुसार, दिवाली पर दिल्ली में वायु गुणवत्ता बहुत खराब और गंभीर श्रेणी में पहुंच चुकी है. शहर के 38 निगरानी स्टेशनों में से 34 ने सोमवार को प्रदूषण के रेड लेवल को पार कर लिया. इस समय पूरी दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 531 है.

जापान : पहली महिला पीएम बनीं साने

टोक्यो : जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की नेता साने ताकाइची को देश का प्रधानमंत्री चुन लिया गया है. मंगलवार को ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद ताकाइची जापान की पहली महिला पीएम बन गई हैं. वहीं पीएम नरेन्द्र मोदी ने ताकाइची को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में दोनों देशों के रणनीतिक संबध और मजबूत होंगे. मीडिया खबरों के मुताबिक उन्होंने संसद के निचले सदन में पहले दौर के मतदान में 237 वोट हासिल किया.

अभिनेता असरानी का 84 साल की उम्र में निधन

मुंबई । बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और निर्देशक असरानी का सोमवार शाम निधन हो गया. 84 वर्षीय असरानी का निधन मुंबई के आरोग्य निधि अस्पताल में हुआ. सांताक्रूज के शास्त्री नगर श्मशान घाट पर परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया. यह खबर पूरे फिल्म उद्योग के लिए गहरा सदमा लेकर आई. असरानी ने निधन से कुछ ही घंटे पहले अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिवाली 2025 की शुभकामनाएं शेयर की थीं.

अन्नकूट पर्व पर होंगे गंगोत्री के कपाट बंद

उत्तरकाशी । उत्तराखंड चारधाम यात्रा की शीतकालीन कपाट बंद इस बार गंगोत्री धाम के कपाट अन्नकूट के मौके पर आज 11:36 मिनट पर बंद होगा. इस बार गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में पिछले वर्ष कुछ अपेक्षा में कम यात्री पहुंचे. अब तक दोनों धामों में 14,01,218 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं. यमुनोत्रीधाम के कपाट 12:30 मिनट केदारनाथ के कपाट 8:30 बजे भैया दूज के पावन पर्व पर 23 अक्टूबर को दोनों धाम के कपाट बंद होने हैं.

पंजाब में आतंकी हमले की साजिश नाकाम

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने अमृतसर में बड़ी अपराधिक वारदात की योजना को विफल बनाते हुए दो युवकों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे में एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड बरामद किया है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर खुफिया कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों महकदीप सिंह उर्फ महक और आदित्य उर्फ आधी को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है.

ई20 फ्यूल : 10 में से 8 लोगों ने कहा माइलेज घटा, मेंटनेंस बढ़ा!

एथेनॉल ब्लेंड पेट्रोल बना वाहन मालिकों के लिए सिरदर्द

शुभम संदेश डेस्क

देश भर में लागू किया गया ई20 पेट्रोल, जिसमें 20% एथेनॉल शामिल है, अब वाहन मालिकों के लिए सिरदर्द साबित हो रहा है. सरकार भले इसे ग्रीन एनर्जी की दिशा में ऐतिहासिक कदम बता रही हो, लेकिन आम लोगों के अनुभव कुछ और ही कहानी कह रहे हैं. देशभर में किए गए एक नए सर्वे के अनुसार, इस नए ब्लेंडेड फ्यूल ने जहां गाड़ियों की माइलेज घटा दी है, वहीं पुराने पेट्रोल वाहनों की मेंटेनेंस लागत भी बढ़ा दी है.

क्या कहते हैं लोकल सर्किल्स की ओर से किए गए सर्वे

लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए सर्वे में सामने आया कि 2022 या उससे पहले खरीदे गए वाहनों के 10 में से 8 मालिकों ने बताया कि 2025 में उनकी गाड़ियों की फ्यूल एफिशिएंसी घट गई है. अगस्त में यह आंकड़ा 67% था, जो अक्टूबर में बढ़कर 80% तक पहुंच गया. सर्वे में देशभर के 323 जिलों के 36,000 वाहन मालिकों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 69% पुरुष और 31% महिलाएं थीं. इनमें लगभग आधे लोग टियर-1 शहरों से थे, जबकि बाकी टियर-2 और छोटे कस्बों या ग्रामीण इलाकों से थे. कई यूज़र्स ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए हैं. किसी की कार सुबह स्टार्ट नहीं हो रही, तो कोई इंजन रिपेयर पर हजारों रुपये खर्च कर रहा है. चेन्नई के एक लक्ज़री कार मालिक ने बताया कि उनकी गाड़ी का इंजन ई20 की वजह से फेल हो गया और उन्हें करीब 4 लाख रुपये तक की मरम्मत करानी पड़ी. देश के कई शहरों के मेकैनिक्स का कहना है कि फ्यूल से जुड़ी शिकायतें अप्रैल के बाद से लगभग 40% तक बढ़ गई हैं. सिर्फ माइलेज की गिरावट ही नहीं, बल्कि पुराने वाहनों के लिए यह फ्यूल और भी नुकसानदेह साबित हो रहा है. लोकस सर्किल्स के अनुसार, 52% वाहन मालिकों ने बताया कि उनकी गाड़ियों में ज्यादा वियर एंड टियर और रिपेयर की जरूरतें महसूस हो रही हैं. अगस्त में यह आंकड़ा मात्र 28% था, जो अक्टूबर तक दोगुना हो गया.

किस तरह की समस्या हो रही है

अप्रैल 2025 से भारत में ई20 पेट्रोल को अनिवार्य किया गया, और तभी से वाहन प्रदर्शन और माइलेज को लेकर शिकायतों की बाढ़ आ गई है. खासकर 2023 से पहले बनी कारें और टू-व्हीलर इस ईंधन के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं.

- कई वाहन मालिकों ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए
- कारें स्टार्ट नहीं हो रहीं.
- इंजन रिपेयर पर हज़ारों–लाखों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं.
- कई टू-व्हीलर में मिसफायरिंग और इंजन झटके जैसे लक्षण दिख रहे हैं.

चेन्नई के एक लक्ज़री कार मालिक ने तो यह तक बताया कि ई20 की वजह से इंजन फेल होने के बाद उन्हें 4 लाख की मरम्मत लागत झेलनी पड़ी. मेकैनिक्स का कहना है कि अप्रैल से अब तक फ्यूल-रिलेटेड रिपेयर 40% बढ़ गए हैं. सरकार का कहना है कि ई20 की पहल का उद्देश्य है क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देना और किसानों को बेहतर आमदनी दिलाना, क्योंकि एथेनॉल गन्ने से बनता है. लेकिन जनता का कहना है कि यह बदलाव मध्यमवर्गीय वाहन मालिकों की जेब पर भारी पड़ रहा है. लोकल सर्किल्स के पिछले सर्वे में आधे से ज्यादा लोगों ने यह राय दी थी कि वे ई20 का समर्थन तभी करेंगे जब इसे वैकल्पिक बनाया जाए.

ग्लोबल मार्केट में एथेनॉल ब्लेंडिंग का चलन बढ़ा है

अगर ग्लोबल लेवल की बात करें, तो एथेनॉल ब्लेंडिंग का चलन पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रहा है. 2024 में ग्लोबल एथेनॉल मार्केट 98.5 बिलियन डॉलर का था, जो 2035 तक 205.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है. अमेरिका और ब्राजील इस सेक्टर में लीडर की भूमिका रहे हैं और दोनों मिलकर दुनिया का करीब 80% एथेनॉल उत्पादन करते हैं. मौजूदा समय में दुनिया के 30 से अधिक देशों में अलग-अलग लेवल पर एथेनॉल ब्लेंडिंग की नीतियां लागू हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों के नाम लिखा पत्र

रामजी ने अन्याय से लड़ना सिखाया ये हमने ऑपरेशन सिंदूर में देखा

- प्रधानमंत्री ने दीपावली पर अपने संदेश में स्वदेशी, स्वच्छता, स्वास्थ्य, राममंदिर का किया जिक्र
- पत्र में कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि धर्म और न्याय के मार्गदर्शक हैं

एजेंसी ।नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली के अवसर पर देशवासियों के नाम एक पत्र लिखा. इस पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले तो देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं. साथ ही एक नए, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देने का आह्वान किया. उन्होंने पत्र में भगवान श्रीराम को मर्यादा और अन्याय के खिलाफ लड़ाई का प्रतीक बताते हुए पत्र में कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि धर्म और न्याय के मार्गदर्शक हैं. उन्होंने कहा कि श्रीराम हमें सिखाते हैं कि कैसे धर्म का पालन करें और अन्याय के खिलाफ डटकर खड़े हों. प्रधानमंत्री ने हाल ही में संपन्न ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें भारत ने धर्म की रक्षा की और अन्याय का प्रतिशोध लिया.

उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की ताकत, नैतिकता और संकल्प का प्रतीक है. आज का भारत न सिर्फ सही के साथ खड़ा होता है, बल्कि अन्याय का जवाब भी देता है. प्रधानमंत्री का यह पत्र नवरात्रि और विजयदशमी के मौके पर जारी किया गया, जिसमें उन्होंने देशवासियों को धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने का संदेश दिया.

नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स पर भी बोले पीएम मोदी : पीएम मोदी ने पत्र में आगे कहा कि इन ऐतिहासिक उपलब्धियों के बीते कुछ दिनों पहले देश में नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स की भी शुरुआत हुई है.

नवरात्रि के पहले दिन जीएसटी की कम दरें लागू हुई हैं. जीएसटी बचत उत्सव में देशवासियों के हजारों करोड़ रुपये बच रहे हैं. उन्होने कहा कि अनेक संकटों से गुजर रहे विश्व में, हमारा भारत स्थिरता और संवेदनशीलता दोनों का प्रतीक बनकर उभरा है. आने वाले कुछ समय में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनने वाले हैं. विकसित और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा में एक नागरिक के तौर पर हमारा प्रमुख दायित्व है- हम देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाएं.

पीएम मोदी ने लोगों से की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के अवसर पर देशवासियों को लिखे एक पत्र में कहा कि इस बार की दीपावली खास है, क्योंकि कई ऐसे जिलों में भी दीप जलाए जाएंगे, जहां पहले नक्सलवाद था लेकिन अब वहां शांति और विकास की रोशनी फैल रही है. पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है. उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह समय नए संकल्पों का है और हर नागरिक का योगदान भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में लोगों से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पाद अपनाएं, स्वच्छता और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, भोजन में तेल और नमक की मात्रा 10% तक घटाएं और योग को जीवन का हिस्सा बनाएं.

राष्ट्रपति भवन में आग लगने से मचा हड़कंप बड़ा हादसा टल गया

नयी दिल्ली । राजधानी दिल्ली के सबसे सुरक्षित और हाईप्रोफाइल इलाकों में से एक, राष्ट्रपति भवन परिसर में सोमवार दोपहर अचानक आग लग गई. आग नर्मदा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 19 में लगी, जो इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है. जानकारी के मुताबिक, आग दोपहर करीब 1 बजकर 52 मिनट पर लगी थी. उसी वक्त दमकल विभाग को इसकी सूचना दी गई. आग लगते ही अपार्टमेंट के अंदर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन कुछ ही देर में सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग डोमेस्टिक आर्टिकल्स यानी घरेलू सामान में लगी थी. यानी किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किचन से जुड़ी चीज से आग फैलने की आशंका जताई जा रही है. हालांकि इसकी पक्की वजह का पता लगाने के लिए जांच जारी है.

15 मिनट में आग पर काबू : दमकल विभाग की टीम को सूचना मिलते ही एक फायर टेंडर मौके पर पहुंची. टीम ने तुरंत रेस्क्यू शुरू किया और सिर्फ 15 मिनट में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया. दोपहर 2 बजकर 2 मिनट तक आग बुझा दी गई थी. दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग ज्यादा बड़ी नहीं थी, इसलिए एक गाड़ी से ही स्थिति संभाल ली गई.

ट्रंप ने ट्रेड डील को लेकर चीन को दी धमकी, कहा-

चीन को 155% तक के टैरिफ का सामना करना पड़ेगा

एजेंसी ।वाशिंगटन

मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चीन को सख्त आर्थिक चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौता नहीं होता है तो चीन को 155 फीसदी तक के टैरिफ (शुल्क) का सामना करना पड़ेगा. ट्रंप ने यह बयान व्हाइट हाउस में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ बैठक के दौरान दिया, जहां दोनों नेताओं ने खनिज संसाधनों पर एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए.

ट्रंप ने कहा, "मुझे लगता है कि हम चीन के साथ एक शानदार व्यापार समझौता करने जा रहे हैं. यह सौदा दोनों देशों और पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद होगा." उन्होंने बताया कि वे जल्द ही चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने वाले हैं. संभवतः अगले कुछ हफ्तों में दक्षिण कोरिया में यह बैठक हो सकती है.

ट्रंप ने कहा, अगर समझौता नहीं हुआ तो : ट्रंप ने कहा, "मुझे लगता है कि चीन अब अमेरिका का बहुत सम्मान करता है. वे पहले ही हमें 55% टैरिफ के रूप में भारी रकम दे रहे हैं. लेकिन अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो 1 नवंबर से यह दर 155% तक बढ़ जाएगी. उन्होंने आगे कहा, पहले कई देशों ने अमेरिका का आर्थिक फायदा उठाया, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. हम अपने हितों की रक्षा कर रहे हैं. यह सौदा ऐसा होगा जो अमेरिका और चीन दोनों के लिए फायदेमंद रहेगा.

क्यों अहम है यह बयान

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब चीन ने स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहनों और रक्षा तकनीकों में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्त नियंत्रण लगाए हैं. ये खनिज अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से बेहद जरूरी हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप का यह टैरिफ वाला कदम चीन के इन निर्यात प्रतिबंधों का सीधा जवाब है. इससे अमेरिका-चीन के बीच पहले से चल रहे व्यापार युद्ध की आग और भड़क सकती है.

बिहार चुनाव : मोतिहारी का मामला

सुगौली सीट से वीआईपी उम्मीदवार का नामांकन रद्द

मोतिहारी । मोतिहारी जिले में वीआईपी के प्रत्याशी शशि भूषण सिंह का नामांकन तकनीकी कारणों से रद्द कर दिया गया है. निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार, नामांकन पत्रों की जांच के दौरान पाया गया कि शशि भूषण सिंह ने आवश्यक दस प्रस्तावकों के बजाय केवल एक प्रस्तावक का नामांकित किया था, जो नियमों के खिलाफ है. शशि भूषण सिंह के साथ ही सुगौली से निर्दलीय उम्मीदवार ओम प्रकाश चौधरी का भी नामांकन रद्द कर दिया गया है. इसके अलावा आम आदमी पार्टी के गयासुद्दीन सामनि, अपनी जनता पार्टी के सदरे आलम, निर्दलीय ओम प्रकाश चौधरी और निर्दलीय कृष्ण मोहन झा का भी नामांकन रद्द हो गया. पूर्वी चंपारण जिले में 12 विस सीटें हैं.

जन सुराज के दीर्घ नारायण प्रसाद का नामांकन रद्द

बेतिया। जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों वाल्मीकिनगर, लौरिया, बेतिया, नौतन, चपटिया, नरकटियागंज एवं सिकटा में मंगलवार को संबंधित प्रेक्षकों की मौजूदगी में नामांकन पत्रों की जांच की गई. जांच के दौरान वाल्मीकिनगर के जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार दीर्घ नारायण प्रसाद सहित 17 अभ्यर्थियों का नामांकन पत्र रद कर दिया गया.

बीएलएफ ने पाक जवानों के वाहनों पर किया हमला पांच जवानों की मौत

नयी दिल्ली । बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने सोमवार को दोपहर पाकिस्तानी अर्धसैनिक बल के एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया. यह हमला बलूचिस्तान के मंड इलाके में माहिर और रुदिग के बीच हुआ. हमले में पाकिस्तानी बल के पांच जवान मौके पर ही मारे गए. इस हमले में दो अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गए. हमले को बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने अंजाम दिया. यह हमला मंड क्षेत्र में माहिर और रुदिग के बीच किया गया. हमला घात लगाकर किया गया था. इस अचानक हुए हमले में पांच पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों की जान चली गई. हमला बलूचिस्तान प्रांत के मंड इलाके में हुआ. यह क्षेत्र माहिर और रुदिग नामक दो जगहों के बीच स्थित है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का चुनावी सभा के दौरान दिखा 'गजब अंदाज़'

महिला प्रत्याशी को पहना दी माला, मचा बवाल

- चुनावी मंच पर दिखी सहजता, वायरल वीडियो पर शुरू हुई सियासत
- तेजस्वी ने नीतीश पर तंज कसते हुए कहा कि सीएम अब पूरी तरह भाजपा के प्रचारक बन चुके हैं.

संवाददाता ।मुजफ्फरपुर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का प्रचार जोरों पर है. मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुजफ्फरपुर पहुंचे, जहां उन्होंने औराई विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रमा निषाद के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित किया. इसी दौरान एक दिलचस्प और चर्चित वाकया सामने आया. जब रमा निषाद मंच पर पहुंचीं, तो नीतीश कुमार ने उन्हें माला पहनाने की कोशिश की. जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें माला हाथ में देने का सुझाव दिया. इस पर नीतीश कुमार ने मुस्कुराते हुए कहा, हाथ में कह रहा है, गजब आदमी है भाई... और माला खुद पहनाई. उनका यह बयान सुनकर मंच पर मौजूद सभी लोग हंस पड़े. इस क्षण का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया.

इस वीडियो को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अब पूरी तरह भाजपा के प्रचारक बन चुके हैं. तेजस्वी का इशारा इस ओर था कि जेडीयू अब भाजपा की सहयोगी पार्टी से ज्यादा एक समर्थक की भूमिका निभा रही है. इस सभा में जेडीयू के अन्य नेता भी मंच पर मौजूद थे, जिनमें राज्यसभा सांसद, मीनापुर से अजय कुशवाहा और कांटी से अजीत कुमार शामिल थे. नीतीश ने जनसभा को संबोधित करते हुए रमा निषाद के लिए समर्थन मांगा और एनडीए को जिताने की अपील की.

उज्जैन : बिहार विस चुनाव में जीत की चाहत, श्मशान में तंत्र-मंत्र का सहारा !

श्मशान में तांत्रिकों का जुटान, प्रत्याशी करा रहे पूजा

एजेंसी ।उज्जैन

उज्जैन, जिसे महाकाल की नगरी कहा जाता है, भारत में तंत्र-साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है. यहां की धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा, विशेषकर अमावस्या की रातों में, साधकों और तांत्रिकों को विशेष रूप से आकर्षित करती है. दीपावली की रात यानी कार्तिक अमावस्या को यह ऊर्जा चरम पर होती है, और इसी कारण उज्जैन के श्मशान घाट, विशेष रूप से विक्रांत भैरव श्मशान, तंत्र क्रियाओं का प्रमुख स्थल बन जाता है.

इस वर्ष यह स्थान खास तौर पर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के संदर्भ में चर्चा में है. जानकारी के अनुसार, कई प्रत्याशियों ने अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए यहां विशेष तांत्रिक अनुष्ठान करवाए हैं. इन अनुष्ठानों की शुरुआत धनतेरस की रात से हो चुकी है और यह दीवाली की अमावस्या को पूर्ण होगी. तंत्र साधक जयवर्धन भारद्वाज ने बताया कि विक्रांत भैरव श्मशान भैरव साधना का सिद्ध स्थल रहा है और इसे भैरवगढ़ भी कहा जाता है. उनका दावा है कि यहां की गई साधना शत-प्रतिशत सिद्धि और विजय दिलाने वाली मानी जाती है. उन्होंने स्वीकार किया कि इस बार कुछ राजनैतिक उम्मीदवारों ने भी इस स्थल पर अनुष्ठान करवाए हैं ताकि वे आगामी चुनाव में सफलता प्राप्त कर सकें.

कार्तिक अमावस्या को तंत्र साधना के लिए विशेष माना गया है. मान्यता है कि इस दिन की गई तांत्रिक क्रियाएं यश, वैभव, शक्ति, धन और वर्चस्व प्रदान करती हैं. साधक इस रात मां काली, भैरव बाबा, लक्ष्मी, गणेश और कुबेर की विशेष पूजा करते हैं. कई तांत्रिक परंपराओं के अनुसार, उल्लू की बलि, कछुआ साधना, कोड़ी साधना, रत्ती साधना और गौरी-गणेश साधना जैसे गुप्त तांत्रिक अनुष्ठान किए जाते हैं.

उज्जैन का यह श्मशान घाट देश के उन पांच प्रमुख तंत्र स्थलों में गिना जाता है जिनमें कामाख्या (असम), तारापीठ (बंगाल), रजरप्पा (झारखंड), त्र्यंबकेश्वर (महाराष्ट्र) और उज्जैन (मध्यप्रदेश) शामिल हैं. दीपावली की रात जब पूरा शहर दीपों से जगमगाता है, तब ये साधक अंधकार में डूबकर शक्ति, सिद्धि और लक्ष्मी के आह्वान की साधना में लीन रहते हैं. राजनीति और आध्यात्म के इस अनोखे संगम ने एक बार फिर उज्जैन को देशभर में चर्चा का विषय बना दिया है. जहां आम जनता दीपावली की रौशनी में व्यस्त है, वहीं कुछ लोग अंधकार में विजय की लौ जलाने का प्रयास कर रहे हैं.

एनसीबी ने वाहन से 420 किलोग्राम अवैध गांजा किया बरामद

सिमडेगा। सिमडेगा-रांची हाईवे (एनएच-143) पर कोलेबिरा के छगरिबंधा साहू पेट्रोल पंप के समीप नारकोटिक्स विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 420 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है. जानकारी के अनुसार, एक ट्राली में केबिन के ऊपर बॉक्स बनाकर अवैध रूप से गांजा तस्करी की जा रही थी. साहू पेट्रोल पंप के पास पीछा करते हुए एनसीबी की टीम ने वाहन को रोका और जांच की. जांच में भारी मात्रा में अवैध गांजा मिलने की पुष्टि हुई. इस कार्रवाई में सिमडेगा पुलिस की भी सक्रिय भूमिका रही. गाड़ी नंबर एचआर73बी 4929 के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है. मामले के संबंध में आगे की अग्रसर जांच एवं कार्रवाई जारी है.

पप्पू यादव ने सीएम नीतीश को दिया ऑफर, बोले-

नीतीश को सम्मान सिर्फ कांग्रेस ही दे सकती है

संवाददाता ।पटना

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने दावा किया कि एनडीए नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी. उन्होंने कहा कि सिर्फ कांग्रेस ही उनको सम्मान देगी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस में वह (नीतीश कुमार) आना भी चाहते हैं. अगर वह कांग्रेस में आते हैं तो पार्टी उनका स्वागत करेगी. मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में पूर्णिया सांसद ने ये बयान दिया. उन्होंने दावा किया, अगर एनडीए जीती तो चुनाव के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बिल्कुल नहीं बनेंगे. बीजेपी उन्हें सम्मान नहीं देती. नीतीश कुमार को सम्मान सिर्फ कांग्रेस दे सकती है और कांग्रेस में वह आना भी चाहते हैं. अगर वह कांग्रेस में आते हैं तो पार्टी उनका स्वागत करेगी.

एनडीए पर अकेले पप्पू ही भारी पड़ेगा

क्या महागठबंधन में एकजुटता है, इस पर पप्पू यादव ने कहा, एनडीए पर तो अकेले पप्पू यादव ही भारी पड़ेगा. रही बात एकजुटता की तो महागठबंधन से यह सवाल नहीं पूछा जाए. बल्कि बीजेपी से पूछा जाए कि उन लोगों की एकजुटता कहां है. नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाह रहे हैं. सबसे बड़ा सवाल तो बिहार में अभी यही है.

लोक आस्था का महापर्व छठ नजदीक आते ही रांची से बिहार जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं

छठ में रांची से बिहार जाने वाली सभी ट्रेनें फुल, फ्लाइट का किराया आसमान पर

शुभम संदेश ।रांची

लोक आस्था का महापर्व छठ नजदीक आते ही रांची से बिहार जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. छठ के दौरान अपने घर पहुंचने की चाहत लिए हजारों लोग रेलवे और हवाई सेवा का सहारा ले रहे हैं, लेकिन दोनों ही विकल्प फिलहाल भारी दबाव में हैं. रांची से बिहार के प्रमुख शहरों के लिए चलने वाली सभी ट्रेनों में कंफर्म टिकट मिलना लगभग नामुमकिन हो गया है. हर ट्रेन में वेटिंग लिस्ट काफी लंबी है और स्थिति यह है कि अब लोगों को बसों या निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है.

रेलवे की ओर से यात्रियों की भीड़ को देखते हुए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन इनसे भी राहत नहीं मिल रही. 26 अक्टूबर को रांची रेल मंडल से पटना के लिए लगभग आधा दर्जन ट्रेनें चलाई जाएंगी, लेकिन इनमें भी सीटों की भारी किल्लत बनी हुई है.

विशेष ट्रेनों में सीटों की भारी कमी : 25 अक्टूबर को चलने वाली विशेष ट्रेनों में भी टिकट की भारी कमी है. स्लीपर क्लास में 47 और थर्ड एसी में 11 वेटिंग चल रही है, जो यह दर्शाता है कि अतिरिक्त ट्रेनें भी यात्रियों की मांग पूरी नहीं कर पा रहीं. ऐसे हालात में जो यात्री ट्रेन में सफर नहीं कर पा रहे, वे अब बस या प्राइवेट टैक्सी की ओर रुख कर रहे हैं. हालांकि बसों में भी एडवांस बुकिंग तेज़ी से बढ़ रही है और किराए में उछाल देखा जा रहा है.

ट्रेनों की स्थिति कुछ इस प्रकार है:

- हटिया-पटना ट्रेन के स्लीपर क्लास में 99, थर्ड एसी में 63 और टू एसी में 26 वेटिंग हैं.
- वंदे भारत ट्रेन के चेयरकार में 58 और एग्जीक्यूटिव क्लास में 13 वेटिंग टिकट हैं.
- जनशताब्दी एक्सप्रेस में टूएस क्लास में 200 और चेयरकार में 37 वेटिंग हैं.
- रांची-पाटलिपुत्रा एक्सप्रेस के स्लीपर में 71, थर्ड एसी में 30 और टू एसी में 15 वेटिंग टिकट हैं.
- रांची-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस में स्लीपर क्लास में 57, थर्ड एसी में 43 और टू एसी में 10 वेटिंग हैं.
- रांची-आरा ट्रेन में स्लीपर में 118 वेटिंग चल रही है, जबकि थर्ड एसी और टू एसी में वेटिंग टिकट भी उपलब्ध नहीं हैं.
- राउरकेला-जयनगर ट्रेन में स्लीपर क्लास की वेटिंग 142 और थर्ड एसी में 87 तक पहुंच चुकी है.

रांची से पटना की फ्लाइट का किराया दोगुना

इधर हवाई यात्रा पर नज़र डालें तो रांची से पटना की फ्लाइट का किराया भी सामान्य दिनों की तुलना में दोगुना हो चुका है. आमतौर पर 2500 से 3000 रुपये में मिलने वाला टिकट अब 6000 से 7000 रुपये तक पहुंच चुका है. इससे उन यात्रियों को परेशानी हो रही है जो जल्दी पहुंचने के लिए फ्लाइट को विकल्प मानते थे. छठ पर्व की बढ़ती भीड़ और सीमित संसाधनों के बीच यात्रियों को अपने घर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है. रेलवे और प्रशासन के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि लाखों लोगों की भावनाएं इस महापर्व से जुड़ी होती हैं.

पूर्व सांसद डॉ सूरज मंडल ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

जेपी सेनानियों को पेंशन, सम्मान और ओबीसी वर्ग के साथ न्याय करें

- ओबीसी, एससी, एसटी की 1912 बंगाल प्रेसीडेंसी जैसी जातिगत स्थिति बहाल की जाए

शुभम संदेश। रांची

अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. सूरज मंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि 1974 के लोकनायक जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन के सभी जीवित सेनानियों को पेंशन और उचित सम्मान तुरंत प्रदान किया जाए. कहा कि इस आंदोलन के दौरान देश के लोकतंत्र और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जिन क्रांतिकारियों ने संघर्ष किया, उनका सम्मान केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है.उन्होंने पत्र में यह भी याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं संपूर्ण क्रांति सेनानियों को पेंशन देने की बात कर चुके हैं, लेकिन अब तक उन्हें यह लाभ नहीं मिला है. डॉ. मंडल ने कहा कि वर्तमान में जहां भाजपा और एनडीए की सरकार है, वहां सेनानियों को सम्मान मिलता है, जबकि विपक्षी सरकारों वाले प्रदेशों में उनके साथ अनुचित व्यवहार हो रहा है, जिसके लिए प्रधानमंत्री को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए.

साथ ही डॉ. मंडल ने 1912 के पूर्व बंगाल प्रेसीडेंसी की जातिगत स्थिति के आधार पर झारखंड, बिहार और उड़ीसा के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओएबीसी) को समान दर्जा देने की भी मांग की. उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद जातिगत वर्गीकरण में बदलाव सामाजिक एवं संवैधानिक दृष्टि से उचित नहीं है और समानता के मूल सिद्धांत के तहत इसका पुनः समायोजन किया जाना चाहिए.डॉ. मंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया कि वे जल्द से जल्द इन दोनों महत्वपूर्ण मुद्दों पर उचित कार्रवाई कर प्रभावित लोगों को न्यायोचित लाभ दिलाएंगे.

हाईकोर्ट वकीलों के लॉयर्स क्लब के लिए मुख्य सचिव से दो एकड़ भूमि आवंटन का आग्रह

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के वकीलों को लॉयर्स क्लब की सौगात जल्द ही मिल सकती है. हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार (स्टैब्लिशमेंट) ने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वकीलों के उपयोग के लिए दो एकड़ भूमि आवंटित की जाए, ताकि वहां लॉयर्स क्लब का निर्माण किया जा सके. यह पहल हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार के अनुरोध पर की गई है, जिन्होंने अधिवक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को उठाया था. पत्र में यह भी उल्लेख है कि यह भूमि हाईकोर्ट भवन के दो किलोमीटर के दायरे में उपलब्ध करायी जाए. वकीलों के लिए लॉयर्स क्लब की मांग काफी समय से उठती रही है और अब इस दिशा में एक ठोस कदम उठता दिख रहा है. यदि सरकार शीघ्र भूमि आवंटित कर देती है, तो वकीलों के लिए लॉयर्स क्लब के निर्माण का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो जाएगा.

मनरेगा घोटाला: जांच में प्रखंड विकास पदाधिकारी से लेकर मुखिया तक दोषी पाए गए

गिरिडीह में 8 करोड़ की अनियमितता पर जल्द ही दर्ज होगी एफआईआर

शुभम संदेश। रांची/गिरिडीह

गिरिडीह जिले में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के तहत हुए लगभग आठ करोड़ रुपये के घोटाले में अब आपराधिक कार्रवाई की तैयारी अंतिम चरण में है. सरकार के शीर्ष स्तर से मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जा रही है. यह घोटाला वर्ष 2023 के मार्च माह में जिले के सदर प्रखंड में सामने आया था, जब वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने में आवंटित राशि से आठ गुना अधिक राशि की निकासी कर ली गई थी. जांच में यह पाया गया कि मनरेगा की नियमावली को दरकिनार कर योजनाओं में भारी मात्रा में कंक्रीट कार्य कराए गए, जिससे मैटेरियल (सीमेंट, बालू आदि) के आपूर्तिकर्ताओं को अनुचित लाभ पहुंचाया गया. इस दौरान मजदूरी और सामग्री पर खर्च की निर्धारित सीमा (40:60 अनुपात) की भी अवहेलना की गई.

तत्कालीन उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कराई. जांच में बीडीओ, बीपीओ, मुखिया, रोजगार सेवक, कंप्यूटर ऑपरेटर, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को दोषी पाया गया. हालांकि प्रारंभ में सभी पर केवल एक हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया, जिससे किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा.

मामले को दबाने की कोशिशें भी हुईं, लेकिन राशि की अधिकता और अनियमितता की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन को आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ी. वर्तमान में एफआईआर की तैयारी अंतिम चरण में है और जल्द ही दोषियों के विरुद्ध आपराधिक धाराओं में मामला दर्ज किया जाएगा.

जांच के बाद चार पंचायतों पर की गई थी कार्रवाई

जांच के बाद सदर प्रखंड के चार पंचायतों पर कार्रवाई की गयी थी. उनमें करहरबारी, गादी श्रीरामपुर, अगदोनी कला और बदगुंदा खुर्द शामिल था. इन पंचायतों के रोजगार सेवक और मुखिया पर अर्थ दंड लगाया गया. एसडीओ की रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों से अधिकाई निकासी के पैसे की वसूली के भी आदेश दिए गए. उपायुक्त के आदेश के बाद करहरबारी को 52 हजार 4 सौ 90 रुपए, अगदोनी कला को एक लाख 69 हजार 845 रुपए, गादी श्रीरामपुर को 18 हजार 140 रुपए तो बदगुन्दा खुर्द को 51 हजार 875 रुपए जमा करने का निर्देश दिया गया है. उपायुक्त ने गिरिडीह के सदर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी को आलोच्य वर्ष में 31 मई तक राशि की वसूली कर हर हाल में ट्रेजरी में जमा कराने का आदेश भी दिया. लेकिन घोटाले की पूरी राशि की अब तक वसूली नहीं हो सकी.

महागठबंधन में गांठ: प्रवक्ता मनोज पांडे बोले

एकतरफा प्यार कब तक चलेगा?

शुभम संदेश। रांची

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर इंडिया ब्लॉक में मचे घमासान के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने नाराजगी जाहिर की है. पार्टी के प्रवक्ता मनोज कुमार पांडे ने कहा कि हम गठबंधन से बाहर नहीं जाना चाहते थे, लेकिन हमारे साथ राजनीतिक छल हुआ. पांडे ने कहा, ₹कहीं न कहीं भ्रम की स्थिति पैदा कर दी गई थी, जिससे हम हतप्रभ हैं. हमने हरसंभव प्रयास किया कि गठबंधन बना रहे, लेकिन दुर्भाग्य से हम अपने प्रयासों में सफल नहीं हो सके. उन्होंने इसे दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया और कहा कि इस कदम का इंडिया ब्लॉक पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है. पांडे ने कहा कि झामुमो की शुरू से यही इच्छा थी कि वह गठबंधन के साथ रहे. उन्होंने कहा कि हमें गठबंधन में रहने का भरोसा दिलाया गया था. सीटें देने का वादा किया गया था, लेकिन आखिरी समय तक भ्रम की स्थिति बनी रही और किसी ने स्पष्टता नहीं दी.

झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि यह समीक्षा करने का समय है कि क्या गठबंधन इसी तरह आगे बढ़ सकता है. पांडे ने तंज कसते हुए कहा, ₹हमने कोई कसर नहीं छोड़ी गठबंधन साथियों को साथ लेकर चलने में, लेकिन एकतरफा प्यार कब तक चलेगा?₹ उन्होंने बताया कि झामुमो ने हमेशा गठबंधन धर्म निभाया है. पिछली बार जब राजद के विधायक जीते, हमने उन्हें मंत्री बनाया. इस बार भी हमने मंत्री पद दिया, लेकिन आज हमारे साथ जो व्यवहार हुआ है, वह अनुचित है. पांडे ने कहा कि झामुमो के स्टार प्रचारकों की बदौलत ही कई नेता विधानसभा तक पहुंचे और अब वही लोग हमें नजरअंदाज कर रहे हैं. उन्होंने गठबंधन टूटने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को सबसे ज्यादा जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने कहा कि इस पूरे विवाद में आरजेडी की भूमिका सबसे ज्यादा दोषपूर्ण रही है. कांग्रेस भी मूकदर्शक बनी रही. कांग्रेस नेताओं को इस पर बोलना चाहिए था, लेकिन उन्होंने चुप्पी साध ली.

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के खिलाफ होमगार्ड जवानों ने खोला मोर्चा

छठ पूजा के बाद दी आंदोलन की चेतावनी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के खिलाफ राज्य के होमगार्ड जवानों ने नाराजगी जाहिर करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है. झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन का आरोप है कि सरकारी अस्पतालों में प्रशिक्षित होमगार्ड जवानों की जगह निजी सुरक्षा एजेंसियों के गार्डों को तैनात किया जा रहा है, जिससे जवानों में गहरी असंतोष की भावना है.

एसोसिएशन के महामंत्री राजीव तिवारी ने कहा कि मंत्री इरफान अंसारी होमगार्डों के साथ वादाखिलाफी कर रहे हैं. उन्होंने याद दिलाया कि 2021 के आंदोलन के दौरान मंत्री ने खुद ड्यूटी देने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब निजी एजेंसियों को प्राथमिकता दी जा रही है.

स्वास्थ्य मंत्री कर रहे हैं नाइंसाफी : एसोसिएशन के महामंत्री राजीव तिवारी ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री होमगार्ड जवानों के साथ अन्याय कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड में बड़ी संख्या में प्रशिक्षित होमगार्ड उपलब्ध हैं, फिर भी रिम्स रांची और अन्य बड़े अस्पतालों में निजी सुरक्षा कर्मियों को प्राथमिकता दी जा रही है. उन्होंने इसे पूरी तरह अनुचित और दुर्भाग्यपूर्ण बताया.

2021 का वादा और वर्तमान स्थिति : राजीव तिवारी ने याद दिलाया कि 2021 के आंदोलन के दौरान खुद डॉ. इरफान अंसारी धरना स्थल पर आए थे और होमगार्ड जवानों को आश्वासन दिया था कि सभी को ड्यूटी मिलेगी. लेकिन मंत्री बनने के बाद, उन्होंने उलटा कदम उठाते हुए होमगार्ड कर्मियों को हटाना शुरू कर दिया. उन्होंने यह भी कहा कि रिम्स में पहले भी निजी सुरक्षा एजेंसियों के गार्ड तैनात थे, लेकिन उनकी लापरवाही और कार्य में अनियमितताओं के चलते ही उन्हें हटाकर होमगार्ड जवानों की नियुक्ति की गई थी. अब एक बार फिर वही पुरानी व्यवस्था लाकर जवानों के साथ नाइंसाफी की जा रही है.

छठ के बाद निर्णायक आंदोलन : होमगार्ड एसोसिएशन ने साफ कर दिया है कि यदि सरकार और स्वास्थ्य मंत्री ने जल्द समाधान नहीं किया, तो छठ पूजा के बाद राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा. प्रदर्शन की तारीखें जल्द घोषित की जाएंगी.

पुलिस स्मृति दिवस: डीजीपी सहित आला अधिकारियों ने दी शहीद जवानों को श्रद्धांजलि

रांची। डोरंडा स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप)-01 परिसर में मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया. इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों की पुलिस और अर्धसैनिक बलों के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई.राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता सहित पुलिस महानिदेशक प्रशांत सिंह, मनोज कौशिक, आईजी प्रभात कुमार, एवी होमकर, डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा और रांची एसएसपी राकेश रंजन ने परेड में हिस्सा लिया और शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर बलिदानियों को नमन किया. 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच देशभर में 191 पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों ने कर्तव्य पालन के दौरान शहादत दी. इनमें झारखंड पुलिस के आरक्षी सुनील धान भी शामिल थे, जो 12 अप्रैल को पश्चिमी सिंहभूम के रातामाटी जंगल में विशेष संयुक्त अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में शहीद हुए. आयोजन के माध्यम से न केवल शहीदों को सम्मानित किया गया, बल्कि झारखंड पुलिस ने यह संकल्प भी लिया कि वे शहीद परिवारों के साथ हर परिस्थिति में मजबूती से खड़े रहेंगे और हर संभव सहायता प्रदान करेंगे.

एस्टर डीएम हेल्थकेयर व एक्सएलआरआई में हुआ एमओयू

रांची/जमशेदपुर। जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट जमशेदपुर और दुबई की एस्टर डीएम हेल्थकेयर के बीच मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ. इस एमओयू पर एक्सएलआरआई की ओर से संस्थान के डायरेक्टर डॉ (फादर) सेबेस्टियन जॉर्ज, एसजे, जबकि एस्टर डीएम हेल्थकेयर की ओर से ग्रुप चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर जैकब ने हस्ताक्षर किए. मौके पर प्रो सुनील सरंगी, प्रो गिरिधर रामचंद्रन, रजनी रंजन और आशीष पाल उपस्थित थे. एस्टर डीएम हेल्थकेयर की टीम से शाहेद अब्दुल रहमान (हेड- मानव संसाधन कॉरपोरेट एवं डिजिटल हेल्थ), मनीष सिंह (सहायक महाप्रबंधक - प्रदर्शन और पुरस्कार) तथा फेबिना अब्दुल रहमान (उप प्रबंधक - प्रतिभा अधिग्रहण एवं मानव संसाधन) भी शामिल हुए. एस्टर की ओर से कहा गया कि कंपनी भावी मैनेजरों को उद्योग की वास्तविक चुनौतियों और अवसरों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है. मौके पर एक लीडरशिप टॉक का भी आयोजन किया गया.

झारखंड कंज्यूमर प्रोडक्ट डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन ने जताई चिंता

तीन पहिया मालवाहक वाहनों की नो-एंट्री के दौरान इंट्री की अनुमति देने में विलंब से आपूर्ति प्रभावित

शुभम संदेश। रांची

झारखंड कंज्यूमर प्रोडक्ट डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन ने शहर में नो एंट्री के दौरान आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में संलग्न तीन पहिया मालवाहक वाहनों को प्रवेश और परिचालन की अनुमति देने में हो रही देरी पर गहरी चिंता जताई है. एसोसिएशन ने कहा है कि इस विलंब के कारण वितरण व्यवस्था बाधित हो रही है और खुदरा दुकानों तक दैनिक उपयोग की वस्तुएं समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं.

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अखौरी ने बताया कि तीन पहिया मालवाहक वाहन शहर की आपूर्ति व्यवस्था की रीढ़ हैं. जब इन वाहनों के संचालन में रुकावट आती है, तो व्यापारियों को माल की आपूर्ति में गंभीर परेशानी होती है और आम उपभोक्ताओं को भी इसका सीधा नुकसान उठाना पड़ता है. वर्तमान में सुबह 9 से 11 बजे और शाम 5 से 7 बजे नो एंट्री लागू है, जिससे इन वाहनों को शहर में प्रवेश करने में बाधा आती है.

अखौरी ने बताया कि जिला प्रशासन ने पहले इस समस्या को समझते हुए तीन पहिया मालवाहक वाहनों को शहर में प्रवेश की अनुमति दी थी, जिससे आपूर्ति प्रणाली सुचारू रूप से चलती रही. लेकिन अब उस अनुमति की अवधि समाप्त हो चुकी है और कई बार प्रशासन से आग्रह करने के बावजूद अनुमति देने में देरी हो रही है.कहा कि त्योहारी सीजन भी लगभग समाप्त हो चुका है और शहर में तीन नए फ्लाईओवर भी चालू हो गए हैं, जिससे जाम की समस्या नहीं रहनी चाहिए.

अखौरी ने तहा कि ठंड के मौसम की शुरुआत के कारण रात्रि में माल की डिलीवरी और भुगतान लेकर लौटने वाले वाहन सुरक्षित रूप से काम कर सकते हैं. उन्होंने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि जल्द से जल्द इस मुद्दे पर विचार कर तीन पहिया मालवाहक वाहनों को बिना विलंब किए अनुमति दी जाए, ताकि आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके. साथ ही, मौजूदा समय सीमाओं को पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए, ताकि व्यापार और उपभोक्ता दोनों को राहत मिल सके.

बर्लिन में गूंजी झारखंड की बेटी की आवाज: मालती हेम्ब्रम ने रचा इतिहास, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी बधाई

मालती का संदेश : 'आदिवासी समाज सिर्फ इतिहास नहीं, भविष्य की दिशा भी तय कर सकता है'

- संवैधानिक मूल्य, प्रशासनिक पारदर्शिता और शिक्षा में सहयोग पर बात रखी, आदिवासी समाज को नई पहचान दिलाई

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की धरती से निकली एक और होनहार बेटी ने अपनी मेहनत, संघर्ष और संकल्प से न सिर्फ राज्य, बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है. पूर्वी सिंहभूम जिले के मुसाबनी प्रखंड अंतर्गत घाटशिला की रहने वाली मालती हेम्ब्रम ने बर्लिन सम्मेलन में भारत की ओर से युवाओं की आवाज़ बनकर हिस्सा लिया और झारखंड का परचम दुनिया के मंच पर लहराया.

सीमित संसाधनों और साधारण ग्रामीण परिवेश से निकलकर मालती ने यह साबित कर दिया कि अगर इरादे बुलंद हों, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं.

बर्लिन सम्मेलन में उन्होंने संवैधानिक मूल्य, प्रशासनिक पारदर्शिता और शिक्षा में सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर आत्मविश्वास से अपनी बात रखी. विशेष रूप से भारत के आदिवासी समुदाय को लेकर उनके विचारों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खूब सराहा गया. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज केवल परंपराओं का संवाहक नहीं, बल्कि आधुनिक सोच और नेतृत्व क्षमता से परिपूर्ण बौद्धिक भागीदार भी है.

दीपावली के शुभ अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, मुसाबनी प्रखंड अध्यक्ष प्रधान सोरेन समेत कई स्थानीय कार्यकर्ता मालती के घर पहुंचे और उन्हें सम्मानित किया. इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मालती से फोन पर बात कर उन्हें उनकी उपलब्धि पर बधाई दी. मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने अंतरराष्ट्रीय मंच पर झारखंड और भारत का नाम रोशन किया है, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है. राज्य सरकार आपके हर कदम पर साथ खड़ी रहेगी. मुख्यमंत्री ने उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं.

मालती का यह सफर सिर्फ व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज और ग्रामीण युवाओं के लिए एक नई रोशनी है. उन्होंने न सिर्फ अपने गांव और राज्य को गौरवान्वित किया, बल्कि यह भी साबित किया कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में है. परंपरा और प्रगति का सुंदर संगम मालती की सोच और प्रस्तुति में साफ दिखाई दिया.आज मालती हेम्ब्रम सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि उन लाखों बेटियों की उम्मीद बन चुकी हैं, जो छोटे गांवों से बड़े सपने लेकर निकलती हैं. उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि जज़्बा और मेहनत हो तो सीमाएं मायने नहीं रखतीं. मालती का संदेश स्पष्ट है: आदिवासी समाज सिर्फ इतिहास नहीं, भविष्य की दिशा भी तय कर सकता है."

झारखंड के आठ जिलों में 25-26 को गर्जन के साथ बारिश के आसार, अगले दो दिन छाए रहेंगे बादल

शुभम संदेश ।रांची

झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है. मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, 25 और 26 अक्तूबर को राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है. खासकर पूर्वी और उत्तर-पूर्वी जिलों में इसका असर अधिक दिख सकता है. इन जिलों में पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, देवघर, दुमका, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और जामताड़ा शामिल हैं. इन इलाकों में आसमान में घने बादल छाए रहने और कई जगहों पर बिजली कड़कने के साथ वर्षा होने के आसार हैं. वहीं, राज्य के अन्य हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा. मौसम विभाग ने लोगों को मौसम के इस बदलते मिजाज को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है.

तापमान में गिरावट के संकेत: बारिश के चलते राज्य के तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है. 24 अक्तूबर तक अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा, जबकि 25-26 अक्तूबर को बारिश के प्रभाव से अधिकतम तापमान घटकर 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है. इससे सुबह और रात के समय हल्की ठंडक महसूस हो सकती है.

रांची, खूंटी, गुमला, रामगढ़, हजारीबाग में मौसम खुशनुमा रहेगा

राज्य के मध्यवर्ती हिस्सों जैसे रांची, खूंटी, गुमला, हजारीबाग और रामगढ़ में मौसम सामान्य और खुशनुमा बना रहेगा. इन इलाकों में आसमान साफ रहेगा. अधिकतम तापमान लगभग 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20-21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है.

कम दबाव का असर भी संभव

मौसम विज्ञान केंद्र ने यह भी बताया है कि अगले 48 घंटों में बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के आसपास कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसका असर 26 अक्तूबर के बाद झारखंड के मौसम पर भी दिख सकता है. हालांकि फिलहाल, अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री अधिक बना रह सकता है. कुल मिलाकर, झारखंड में मौसम धीरे-धीरे करवट ले रहा है और आने वाले दिनों में ठंड की हल्की दस्तक महसूस की जा सकती है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 22 अक्तूबर 2025 I कार्तिक शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 192 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली में भर्ती

गढ़वा। गढ़वा से भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी की तबीयत बिगड़ गयी है. उनकी तबीयत खराब होने के बाद दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनके परिजन दिल्ली स्थित अस्पताल में उनकी देखभाल में जुटे हैं. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की है. साथ ही सत्येंद्र नाथ तिवारी के जल्द स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की है. पिछले महीने भी सत्येंद्र नाथ तिवारी की तबीयत बिगड़ गयी थी. उसके बाद उन्हें रांची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

पूर्व शिक्षा मंत्री टाईगर स्व जगरनाथ महतो के पिता नेम नारायण महतो का निधन

डुमरी। पूर्व शिक्षा मंत्री स्वर्गीय जगन्नाथ महतो के विता नेम नारायण महतो का मंगलवार की सुबह इलाज के दौरान बोकारो के एक अस्पताल में निधन हो गया. वे लगभग 85 वर्ष के थे. नेम नारायण महतो के निधन के बाद उनके शुभचिंतक और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. महतो भारतीय रेलवे के कर्मचारी रहे थे. 20 वर्ष पूर्व सेवानिवृत होने के बाद अपने आवास पर रह कर आम लोगों से तन्मयता से मिलते थे.

अगले सात दिन में सिर्फ एक दिन 24 को खुला रहेगा सचिवालय

रांची। अगले सात दिनों में सचिवालय एवं संलग्न कार्यालय सिर्फ एक दिन 24 अक्तूबर को खुलेंगे. क्षेत्रीय कार्यालयों में भी अगले सात दिनों में चार दिन छुट्टी रहेगी. राज्य सरकार द्वारा घोषित सरकारी छुट्टी के अनुसार 22 को गोवर्द्धन पूजा, 23 अक्तूबर को भाई दूज और चित्रगुप्त पूजा की छुट्टी है. 24 अक्तूबर को मात्र सचिवालय और संलग्न कार्यालय खुलेंगे. इसके बाद 25 -26 अक्तूबर को क्रमशः शनिवार और रविवार की छुट्टी रहेगी. फिर 27 व 28 अक्तूबर को छठ पर्व को लेकर क्रमशः शाम और सुबह के अर्ध्य के दिन छुट्टी रहेगी. 27 - 28 अक्तूबर को एनआई एक्ट के तहत छुट्टी रहने की वजह से राज्य में अवस्थित केंद्रीय कार्यालय और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान भी बंद रहेंगे.

बिहार विधानसभा चुनाव से झामुमो का किनारा, राजद-कांग्रेस पर फूटा गुस्सा, झारखंड की सियासत गरमाई

मंत्री सुदिव्य कुमार बोले- झामुमो के साथ हुआ विश्वासघात, गठबंधन को लेकर उठाए कड़े सवाल

गठबंधन धर्म निभाने का दिलाया हिसाब, कांग्रेस आखिर चुप क्यों है

शुभम संदेश। गिरिडीह/रां

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले झारखंड की सियासत गरमा गई है. झारखंड सरकार में मंत्री और गिरिडीह से विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने सोमवार को स्पष्ट घोषणा करते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) बिहार चुनाव नहीं लड़ेगा. पार्टी न तो किसी सीट पर उम्मीदवार उतारेगी और न ही महागठबंधन के लिए प्रचार में हिस्सा लेगी. मंत्री सुदिव्य कुमार ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सीट बंटवारे को लेकर झामुमो को जानबूझकर भ्रम में रखा गया और अंत तक कोई स्पष्ट प्रस्ताव नहीं दिया गया. इस स्थिति से आहत होकर झामुमो ने खुद को बिहार चुनावी मैदान से पूरी तरह अलग कर लिया है. उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में झामुमो की सक्रिय भागीदारी रही है, लेकिन अगर इसी तरह झारखंड और झारखंडियों के हितों की अनदेखी होती रही, तो पार्टी आगे कोई और बड़ा निर्णय लेने से भी पीछे नहीं हटेगी.

गठबंधन धर्म के बदले मिला 'धोखा' : मंत्री ने कहा कि झामुमो ने हमेशा गठबंधन धर्म का पालन किया है. 2015 और 2019 में झारखंड में राजद और कांग्रेस को भरपूर समर्थन दिया गया. 2019 के विधानसभा चुनाव में राजद को सिर्फ एक सीट मिली, फिर भी उस विधायक को मंत्री

बनाकर झामुमो ने अपनी प्रतिबद्धता दिखाई. 2024 में भी झामुमो ने गठबंधन में शामिल सभी दलों को यथोचित सम्मान दिया और उनके लिए सीटें छोड़ीं. लेकिन जब बात बिहार की आई, तो झामुमो को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया.

2020 में भी मिला था झटका : सुदिव्य कुमार ने याद दिलाया कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी झामुमो को तीन सीटों का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अंत में वो सीटें कांग्रेस और राजद ने आपस में बांट लीं. इस बार फिर वही दोहराया गया. मंत्री ने इसे 'राजनीतिक विश्वासघात' करार देते हुए कहा कि लगातार हो रहा अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए : मंत्री ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गठबंधन की प्रमुख पार्टी होते हुए भी कांग्रेस ने मध्यस्थता करने की जिम्मेदारी नहीं निभाई और न ही किसी ठोस रुख के साथ सामने आई. इससे झामुमो की नाराजगी और भी गहरी हो गई है. उन्होंने कहा कि

जनता देख रही है सबकुछ

मंत्री ने कहा कि जब झामुमो बिहार चुनाव में हिस्सा नहीं ले रहा, तो वहां के आदिवासी और वंचित तबके के मतदाता भी यह देख रहे हैं कि उन्हें राजनीतिक छल का शिकार बनाया गया है. आने वाले चुनाव में जनता इसका जवाब जरूर देगी. बिहार विधानसभा चुनाव के पहले झामुमो का यह बड़ा फैसला न सिर्फ महागठबंधन को झटका है, बल्कि आने वाले दिनों में झारखंड-बिहार की सियासत को भी प्रभावित कर सकता है. झामुमो के तेवरों से साफ है कि वह अब झारखंड के हितों को सर्वोपरि रखते हुए अपना रास्ता तय करेगा. गठबंधन राजनीति में भरोसे की जो डोर थी, वह फिलहाल कमजोर होती दिख रही है.

गठबंधन धर्म का मतलब है एक-दूसरे के हितों का ख्याल रखना, लेकिन यहां सिर्फ स्वार्थ की राजनीति हो रही है.

झारखंडी नहीं भूलते धोखा: सुदिव्य कुमार ने चेतावनी दी कि झारखंडियों के साथ राजनीतिक छल हुआ है और झारखंडी कभी धोखा नहीं भूलते. उन्होंने कहा कि झामुमो आदिवासियों की आवाज है और इस आवाज को दबाने की कोशिश की गई है, जिसका जवाब वक्त आने पर जरूर मिलेगा. उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी भविष्य में महागठबंधन की समीक्षा करेगी और जो भी फैसला लिया जाएगा, वह झारखंड के हितों के अनुरूप होगा.

बिहार चुनाव में सर्वाधिक 'यू' टर्न मारने के कारण अब जेएमएम बन गया जेएमएम (यू) : प्रतुल शाहदेव

शुभम संदेश। रांची

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार चुनाव में इतनी बार 'यू' टर्न मारा है कि अब उसे जेएमएम (यू) कहना चाहिए. शुरुआत में यह 16 सीट पर चुनाव लड़ना चाहते थे. फिर यू टर्न मारा और सीटों की संख्या 12 कर दी. उसके बाद महा गठबंधन के नेताओं से मिले. कहा सीटों पर फैसला हो गया. फिर यू टर्न मारा और सीटों की संख्या तीन तक घटा दी. प्रतुल ने कहा कि महागठबंधन ने जब ठेंगा दिखाया, तो रांची में प्रेस

कांफ्रेंस कर छह सीटों पर लड़ने की घोषणा की. 24 घंटे में फिर से यू टर्न मारा और एक भी सीट पर नामांकन नहीं किया.

प्रतुल ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में

झारखंड की जनता जेएमएम के समीक्षा की प्रतीक्षा में

झारखंडी अस्मिता बिहार के चौराहे पर तारतार हो गई. लंबे समय तक झारखंड मुक्ति मोर्चा याचना करता रहा, लेकिन गठबंधन में उसकी दाल नहीं गली. झामुमो के वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि राजद और कांग्रेस ने उनके पीठ में खंजर घोंपा है. इस पूरे प्रकरण को राजनीतिक धूर्तता करार दिया. प्रतुल ने कहा की झारखंड मुक्ति मोर्चा के मंत्री और महासचिव ने घोषणा की कि वह कांग्रेस और राजद के साथ गठबंधन की समीक्षा करेंगे. झारखंड की जनता को बेसब्री से इंतजार रहेगा. वोट गठबंधन को झारखंड की जनता ने दिया था. फिर समीक्षा से क्या निर्णय निकलेगा? क्या मुख्यमंत्री राजद को मंत्रिमंडल से बाहर निकलेंगे या कांग्रेस के मंत्रियों को भी? या फिर समीक्षा की घोषणा सिर्फ एक ढकोसला निकलेगा? शाहदेव ने कहा कि अब आने वाला समय बताएगा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी अपने पिता शिबू सोरेन के पद चिन्हों पर चलते हुए झारखंडी अस्मिता की रक्षा कर पाएंगे या एक बार फिर से सत्ता में बने रहने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा घुटने टेक कर इन दोनों दलों के सामने नतमस्तक रहेगा.

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का राजद नेताओं को 'धूर्त' कहना आपत्तिजनक और निंदनीय : कैलाश यादव

रांची। झारखंड के एक मंत्री द्वारा राजद नेताओं को 'धूर्त' कहे जाने पर बिहार-झारखंड की सियासत में हलचल मच गई है. झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इस बयान की कड़ी निंदा की है. पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने मंगलवार को विज्ञप्ति जारी कर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के बयान को ₹गंभीर रूप से आपत्तिजनक और अत्यंत पीड़ादायक₹ बताया. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल आज बिहार की सबसे मजबूत और

सबसे बड़ी राजनैतिक ताकत है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला राजद के नेतृत्व वाले गठबंधन और राजग (एनडीए) के बीच होने जा रहा है. यादव ने यह दावा भी किया कि परिवर्तन की लहर बिहार में चल रही है और इस बार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद गठबंधन की सरकार बनना लगभग तय है.

राजद प्रवक्ता ने कहा कि इंडी गठबंधन में तेजस्वी यादव की नेतृत्व भूमिका स्पष्ट है और उन्हें जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है. यादव ने मंत्री के बयान को गैरजिम्मेदाराना करार देते हुए कहा कि यह न केवल राजद के नेताओं का अपमान है, बल्कि गठबंधन धर्म के भी खिलाफ है. कैलाश यादव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जिक्र करते हुए कहा कि वे राजद के दिल में बसे हुए हैं. उन्होंने इस बात पर खेद जताया कि झामुमो को बिहार में सीट साझेदारी में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका, लेकिन इसके बावजूद गठबंधन की एकता और मजबूत होगी. राजद नेता ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव देश के सबसे बड़े सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक हैं और राजद किसी भी कीमत पर भाजपा को बिहार की सत्ता में वापसी नहीं करने देगी.

कांग्रेस कभी धोखा नहीं देती, गठबंधन को मजबूत करना ही उद्देश्यः राकेश सिन्हा

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता और मंत्री सुदिव्य कुमार द्वारा कांग्रेस पर लगाए गए आरोपों पर कांग्रेस महासचिव व मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी किसी को धोखा नहीं दिया है और न ही ऐसा करने की सोच रखती है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से गठबंधन को मजबूत करने में विश्वास करती रही है. हमने हमेशा त्याग की राजनीति की है, न कि अवसरवाद की. सिन्हा ने कहा कि झामुमो कांग्रेस का स्वाभाविक सहयोगी है और बिहार में उसे सीटें मिलनी चाहिए थीं. उन्होंने कहा कि किन परिस्थितियों में ऐसा नहीं हो पाया, यह केवल शीर्ष नेतृत्व, चाहे

वह राजद का हो या झामुमो का ही स्पष्ट कर सकता है. हालांकि, कांग्रेस ने हमेशा गठबंधन की भावना को प्राथमिकता दी है .उन्होंने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि गठबंधन पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़े, क्योंकि यह सिर्फ एक चुनावी लड़ाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है. कांग्रेस ने कभी बिहार में किसी सहयोगी को धोखा नहीं दिया है." राकेश सिन्हा ने यह भी कहा कि झारखंड में गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और एनडीए को राज्य में पैर जमाने नहीं दिया जाएगा. उन्होंने दावा किया कि बिहार में एनडीए बिखराव का शिकार है, जबकि महागठबंधन दलों में स्वाभाविक एकता है. अंत में उन्होंने सुझाव दिया कि पूरे मसले की समीक्षा होनी चाहिए ताकि गठबंधन और मजबूत हो सके और लोकतंत्र की रक्षा संभव हो.

राजद-कांग्रेस को सरकार से बाहर करे झामुमो : प्रवीण प्रभाकर

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-राजद ने झामुमो को औकात बता दी है. तेजस्वी यादव ने झारखंड के मंत्री संजय यादव के पुत्र को बिहार में टिकट दे दिया, लेकिन झामुमो को एक भी सीट के लायक नहीं समझा. झामुमो में जरा भी स्वाभिमान है तो उसे अविलंब झारखंड विरोधी ताकतों राजद-कांग्रेस से नाता तोड़ लेना चाहिए .प्रभाकर ने कहा कि बिहार चुनाव के कूचे से बेआबरू होकर निकलने के बाद झामुमो में नैतिक साहस और दम है, तो वह राजद-कांग्रेस के मंत्रियों को सरकार से निकाल बाहर करे, तभी झारखंड की

जनता और दिशुम गुरु दिवंगत शिबू सोरेन की गरिमा की रक्षा हो पाएगी. प्रभाकर ने कहा कि राजद-कांग्रेस के साथ झामुमो का गंठजोड़ स्वाभाविक नहीं बल्कि अवसरवादी गंठबंधन है. दोनों दल झारखंड विरोधी भूमिका में रहे हैं और जब भी मौका मिला झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की. लालू प्रसाद ने तो यहां तक बयान दे दिया था कि झारखंड मेरी लाश पर बनेगा. इसके बाद भी उनके एकमात्र विधायक को हेमंत सोरेन ने मंत्री बनाकर रखा था. प्रभाकर ने कहा कि कई दिनों से झामुमो इस आस में था कि उसे भी बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की सीटों के बंटवारे में हिस्सा मिलेगा. झामुमो नेता लगातार दावा कर रहे थे और झामुमो के मंत्री और महासचिव तेजस्वी के दरबार में हाजिरी भी लगा आए थे. लेकिन तेजस्वी यादव ने झामुमो को जरा भी तवज्जो नहीं दी. अब मंत्री सुदिव्य प्रसाद आरोप लगा रहे हैं कि राजद-कांग्रेस ने राजनीतिक धूर्तता की है. अगर झामुमो ऐसा मानता है, तो वह राजद-कांग्रेस को सबक सिखाए, ना कि सिर्फ बयानबाजी कर जनता की आंख में धूल झोंके.

जमशेदपुर के सोनारी में आतिशबाजी से स्क्रैप टाल में भीषण आग, लाखों का नुकसान

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर के सोनारी थाना क्षेत्र स्थित ग्वाला बस्ती में बीती देर रात एक स्क्रैप टाल में भयंकर आग लग गई. आग लगने की खबर मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचित किया. सूचना पाते ही टाटा स्टील और झारखंड अग्निशमन विभाग की कुल छह दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं. दमकलकर्मियों ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. सौभाग्य से इस घटना में कोई

जनहानि नहीं हुई, लेकिन भारी मात्रा में स्क्रैप जलकर राख हो गया. प्रारंभिक जांच में आग लगने का मुख्य कारण पटाखा बताया जा रहा है. दीपावली के आसपास होने के कारण माना जा रहा है कि जलते हुए पटाखे या चिंगारी की वजह से आग भड़क गई. स्थानीय लोगों ने बताया कि स्क्रैप टाल में काफी मात्रा में प्लास्टिक, कागज और अन्य ज्वलनशील सामग्री जमा थी, जिससे आग तेजी से फैल गई और विकराल रूप ले लिया. इस अग्निकांड में लगभग पांच लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है. प्रशासन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है और आग लगने के कारणों की जांच जारी है.

गुमला में स्कूल-कॉलेज के छात्रों को ब्राउन शुगर बेचते युवक-युवती गिरफ्तार

गुमला। नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में शामिल एक युवक और युवती को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से पुलिस ने 21.75 ग्राम ब्राउन शुगर, लगभग दो लाख रुपये नकद, नौ मोबाइल फोन और एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन बरामद की है. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि लक्ष्मण नगर इलाके में ब्राउन शुगर की तस्करी हो रही है. सूचना मिलने पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम लक्ष्मण नगर नदी पुल के पास पहुंची. वहां एक युवक पुलिस को देख कर भागने लगा, जिसे पकड़ लिया गया. युवक की पहचान रोहित सिंह (22 वर्ष), दुर्गा नगर, गुमला के रूप में हुई. तलाशी में उसके पास से 2 ग्राम ब्राउन शुगर की 13 पुड़िया बरामद हुई. पूछताछ में रोहित ने बताया कि उसने ये ड्रग्स अर्पित कुमार और उसकी बहन राखी कुमारी से खरीदी है. पुलिस ने रोहित के साथ अर्पित के घर छापा मारा, जहां राखी कुमारी भी मौजूद थी. तलाशी में प्लास्टिक पैकेट में रखी 19 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिसका वजन 19.75 ग्राम था. इसके अलावा छत के ऊपर रखे झोले से 1,93,290 रुपए नकद और अन्य सामान भी जब्त किए गए. राखी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे दोनों मिलकर स्कूल और कॉलेज के छात्रों को ब्राउन शुगर बेचते थे.

गढ़वा में बैंक डकैती के नामजद आरोपी राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह को झारखंड पुलिस ने नामांकन के बाद गिरफ्तार किया

शुभम संदेश। गढ़वा/सासाराम

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सासाराम सीट से राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह को सोमवार को नामांकन दाखिल करने के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया. यह गिरफ्तारी झारखंड के गढ़वा जिले की पुलिस ने सासाराम पुलिस की मदद से की. उन्हें 10 गाड़ियों के काफिले के साथ गढ़वा लाया गया, जहां सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई शुरू की.

20 से अधिक मामलों में आरोपी :

मिली जानकारी के अनुसार सत्येंद्र साह पर सत्येंद्र साह पर गढ़वा के चिरौंजिया मोड़ स्थित बैंक में डकैती का आरोप है. इस मामले में उनके खिलाफ 2018 में स्थायी वारंट (लाल वारंट) जारी हुआ था. रोहतास के एसडीपीओ टू कुमार वैभव ने बताया, "नामांकन के बाद सत्येंद्र साह को गिरफ्तार किया गया और गढ़वा भेजा गया." पुलिस रिकॉर्ड में उनके खिलाफ लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट और धमकी जैसे 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं.

नामांकन के बाद गिरफ्तारी : सत्येंद्र साहु जैसे ही सासाराम अनुमंडल कार्यालय में नामांकन कर बाहर निकले, मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. उनके साथ बड़ी संख्या में राजद समर्थक और कार्यकर्ता भी मौजूद थे.

बोकारो में अनक्लेम्ड डिपॉजिट पर विशेष शिविर 24 अक्टूबर को, उपायुक्त अजय नाथ झा करेंगे उद्घाटन

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो जिले में लंबे समय से बैंकों में निष्क्रिय पड़े खातों और जमा राशियों को लेकर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 24 अक्टूबर को एक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा हैय यह शिविर बोकारा स्टील सिमटी के कैंप टू स्थित जायका हैप्पेनिंग्स में सुबह 11 बजे शुरू होगा, जिसका उद्घाटन उपायुक्त अजय नाथ झा करेंगे. शिविर भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले के सभी प्रमुख बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे. वे लोगों को निष्क्रिय बैंक खाते, सावधि जमा (एफडी),

इस पहल का उद्देश्य लोगों को उनके पुराने या मृत परिजनों के खातों से संबंधित राशियों के प्रति जागरूक करना है

सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और अन्य योजनाओं से संबंधित जानकारी देंगे तथा यह भी बताएंगे कि पुरानी जमा राशियों को कैसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है.

अग्रणी जिला प्रबंधक आबिद हुसैन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य लोगों को उनके पुराने या मृत परिजनों के खातों से संबंधित राशियों के प्रति जागरूक करना है. उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने पुराने बैंक दस्तावेज, खाता संख्या और पहचान पत्र लेकर शिविर में शामिल हों और इस योजना का लाभ उठाएं.

यह शिविर न केवल निष्क्रिय धनराशियों को सिस्टम में वापस लाने में सहायक होगा, बल्कि बैंकिंग प्रणाली में पारदर्शिता को भी बढ़ावा देगा. जिन लोगों के पास निष्क्रिय खाते या परिजनों के पुराने बैंक दस्तावेज हैं, वे इस अवसर का लाभ जरूर उठाएं और अपनी जमा पूंजी को फिर से सक्रिय करें.

धनबाद में काली पूजा स्थल पर फायरिंग दो युवक घायल, पूर्व जिप सदस्य गिरफ्तार

गोविंदपुर के खड़काबाद के मेले में विवाद के बाद चली गोली, पुलिस ने हथियार जब्त किए

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना अंतर्गत खड़काबाद इलाके में काली पूजा के दौरान एक मेले में अचानक हुई फायरिंग से अफरा-तफरी मच गई. इस घटना में दो युवक घायल हो गए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बतायी जा रही है. सूचना मिलते ही गोविंदपुर पुलिस मौके पर पहुंची और पूर्व जिप सदस्य अब्दुल मन्नान को हिरासत में ले लिया. पुलिस ने घटनास्थल से हथियार भी बरामद किए हैं.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, खड़काबाद में काली पूजा के मौके पर आयोजित मेले में बड़ी

संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग मौजूद थे. इसी दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य अब्दुल मन्नान का बेटा अब्दुल रूमान और उसका साला मुशर्रफ आलम उर्फ शेरू हथियार के साथ मेला स्थल पर पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया. जब पूजा समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं ने इसका विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी शुरू हो गई. स्थिति नियंत्रण से बाहर होते देख शेरू ने तीन राउंड फायरिंग कर दी, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई.घटना में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें तत्काल शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में भर्ती कराया गया है.

सूचना मिलते ही गोविंदपुर पुलिस मौके पर पहुंची और पूर्व जिप सदस्य अब्दुल मन्नान को हिरासत में ले लिया. पुलिस ने घटनास्थल से हथियार भी बरामद किए हैं. डीएसपी मुख्यालय-1 शंकर कामती ने बताया कि घटनास्थल से कारतूस का खोखा बरामद नहीं हुआ है. पुलिस जांच कर रही है कि युवक गोली लगने से घायल हुए हैं या भगदड़ के दौरान चोटिल हुए. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि जब्त हथियार लाइसेंसी है या अवैध पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है.

दीपावली और काली पूजा की रौनक में नहाई रांची

लक्ष्मी-गणेश की आराधना के साथ-साथ हुई मां काली की पूजा-अर्चना

रांची महानगर काली पूजा समिति के तत्वावधान में राजधानी रांची में मां काली की पूजा के लिए जगह-जगह पंडाल बनाये गए हैं, जहां विभिन्न पूजा समितियों द्वारा पूजा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. पूजा समितियों द्वारा आकर्षक पंडाल बनाए गए हैं, जहां देर रात मां काली की निशा पूजा की गई.

डोरंडा बाजार में प्लैटिनम जुबली काली पूजा पंडाल का संजय सेठ ने किया उद्घाटन

शुभम संदेश। रांची

रांची। रांची के डोरंडा बाजार स्थित श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति द्वारा आयोजित प्लैटिनम जुबली काली पूजा पंडाल का भव्य उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया. इस अवसर पर कांग्रेस नेता एवं महानगर काली पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे तथा समिति के अध्यक्ष विनय कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. समिति के अध्यक्ष राजू चौरसिया और उनकी टीम द्वारा निर्मित यह पंडाल अमेरिका के प्रसिद्ध स्वामीनारायण मंदिर की थीम पर आधारित रहा, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना. जैसे ही मां काली की दिव्य प्रतिमा के पट खोले गए, पूरा परिसर "जय मां काली" के जयघोष से गूंज उठा.भव्य सजावट, श्रद्धालुओं की भीड़ और भक्तिमय वातावरण ने आयोजन को अत्यंत विशेष बना दिया. इस अवसर पर संजय सेठ ने कहा कि रांची की काली पूजा शांति और समृद्धि का संदेश देती है, वहीं आलोक कुमार दूबे ने इसे श्रद्धा, संगठन और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बताया.

जयपाल सिंह स्टेडियम कचहरी रोड के समक्ष रांची महानगर काली पूजा समिति द्वारा निर्मित भव्य एवं काल्पनिक काली पूजा पंडाल का उद्घाटन रविवार को विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने संयुक्त रूप से किया. इसके साथ ही मां काली के पट भी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए, जिससे पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण व्याप्त हो गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने पूजा समिति की भव्य तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता के भी प्रतीक हैं.

इस मौके पर पूर्व वित्त मंत्री सह विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि काली पूजा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश भी देती है. ऐसे भव्य आयोजन समाज में एकता और सद्भाव का माहौल बनाते हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहाः रांची महानगर काली पूजा समिति द्वारा बनाया गया यह पंडाल अद्भुत कलात्मकता का उदाहरण है. श्रद्धा और संस्कृति का यह संगम झारखंड की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करता है." कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. अजीत सहाय, रांची महानगर काली पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, अध्यक्ष विनय सिंह, संरक्षक लाल किशोर नाथ शाहदेव, वरिष्ठ समाजसेवी रवि कुमार पिंकू, राजन बर्मा, शंकर दुबे, अनिल केसरी, संजय कुमार, बबलू बर्मा, मेहुल दूबे, रोहन सिंह, नन्द किशोर सिंह चंदेल, विशाल सिंह, अनिकेत कुमार, अमर कुमार, अजीत कुमार एवं कुमार बंटी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे.

न्यू काली पूजा समिति डोरंडा बाजार पूजा पंडाल में पूजा-अर्चना

राजधानी रांची के न्यू काली पूजा डोरंडा बाजार में इस साल का काली पूजा भव्य और आकर्षक रूप में सजाया गया है. उद्घाटन समारोह में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे ,अजय नाथ शाहदेव,महानगर काली पूजा समिति के अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने राजस्थान की संस्कृति पर आधारित पूजा पंडाल का उद्घाटन किया. पंडाल की थीम राजस्थानी संस्कृति पर आधारित थी, जिसने श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। मां काली की प्रतिमा के पट खोलते ही पूरा परिसर "जय मां काली" के जयघोषों से गूंज उठा. संजय सेठ ने कहा कि काली पूजा भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक है. आलोक कुमार दूबे ने इसे समाज में सौहार्द और श्रद्धा बढ़ाने वाला आयोजन बताया. श्रद्धालुओं की भीड़ और उत्साह ने न्यू डोरंडा बाजार को भक्तिमय माहौल से भर दिया.

मां काली की पूजा के आयोजन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में दीपावली के साथ-साथ सोमवार को काली पूजा भी हर्षोल्लास से कीगई. दीपावली मनाने के बाद देर रात मां काली की निशाकाल में पूजा की गई. तांत्रिक और पारंपरिक विधि विधान से हुई मां काली की पूजा के दौरान बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. रांची के कोकर, हरमू, कडरू, कांके रोड, कचहरी चौक, डोरंडा सहित अन्य स्थानों पर पूजा पंडालों में श्रद्धालु देर रात तक जमे रहे.

रांची के मनिटोला में मां काली मनोकामना मंदिर, वर्धमान कंपाउंड कॉसमॉस क्लब, इंदपुरी काली पूजा, चुटिया स्थित नव जागृति संघ, एसएन यादव चौक स्थित तूफान क्लब, श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति सहित अन्य जगहों के पूजा पंडालों में मां काली की पूजा की गई. इसके अलावा भी देर रात तक अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही. लोगों ने मंदिरों में दीये जलाकर सुख समृद्धि की कामना की.

वहीं, राजधानी रांची में दीपावली पर्व को लेकर चारों और उत्साह और हर्ष का माहौल देखा गया. पूरी रांची रोशनी से नहा उठी थी. घरों में दीये जले, बाहर बच्चों ने फुलझड़ियां और पटाखे छोड़े. मंगलवार अहले सुबह तक लोगों ने जमकर पटाखे फोड़ दीपावली मनायी.

छिन्नमस्तिका मंदिर में तंत्र मंत्र की साधना, सिद्धि के लिए कई बड़े तांत्रिकों ने की पूजाः रामगढ़ जिले के रजरप्पा स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ छिन्नमस्तिका मंदिर को दीपावली और काली पूजा को लेकर आकर्षक रंग बिरंगी लाइट एवं फूल सहित बैलून से सजाया गया था. सोमवार देर रात मंत्र से सिद्धपीठ स्थल छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर गूंज रहा था.

पुजारी सुबोध पंडा ने बताया कि छिन्नमस्तिका मंदिर दीपावली की रात भक्तों के लिए खुला था.साधक और भक्त बड़ी संख्या में मां की आराधना के लिए पहुंचे थे.तंत्र मंत्र की साधना और सिद्धि के लिए कई बड़े तांत्रिक और साधक यहां पहुंचे थे और पूजा अर्चना की.

वही पुजारी लोकेश पंडा ने बताया कि कार्तिक अमावस्या के दिन जो भी भक्त मां से मांगते हैं, माता उनकी मनोकामना जरूर पूरा करती है. मंदिर प्रक्षेत्र के तीन स्थान तांत्रिक घाट, दामोदर-भैरवी नदी संगम स्थल, भंडारीदह यह तीन महत्वपूर्ण है, जहां साधक और तांत्रिक अपनी साधना को गुप्त रूप से करते हैं.

काली पूजा के मौके पर तांत्रिक, साधक और श्रद्धालुओं का रजरप्पा मंदिर में जुटान हुआ. दीपावली की रात छिनमस्तिका मंदिर श्रद्धालुओं के लिए खुला रहा और पूरी रात मां की पूजा अर्चना हुई.छिन्नमस्तिका मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की कोई परेशानी ना हो, इसके लिए सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे. रातभर बड़ी संख्या में अलग अलग जगहों से श्रद्धालु यहां पहुंचे और मां की आराधना की. श्रद्धालुओं ने 13 हवन कुंडों में यज्ञ, मंत्रोच्चारण, हवन, जाप और पाठ के साथ माता की आराधना हुई.

एक नजर

झारखंड आंदोलन के शहीदों की सूची में धनंजय व अजीत महतो को शामिल करे सरकारः देवेंद्रनाथ

रांची। झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने मंगलवार को तिरुलडीह गोलीकांड में शहीद हुए धनंजय महतो और अजीत महतो को श्रद्धांजलि अर्पित की. खरसावां स्थित घटनास्थल पर समर्थकों के साथ पहुंचकर उन्होंने दोनों आंदोलनकारियों की प्रतिमूर्ति पर माल्यार्पण किया और शहादत दिवस पर उन्हें नमन किया. महतो ने झारखंड सरकार से मांग की कि धनंजय और अजीत महतो के नाम को झारखंड आंदोलन के शहीदों की सूची में शामिल किया जाए. उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर 1982 को जब झारखंड अलग राज्य की मांग और कोल्हान में जंगल बचाओ आंदोलन जोरों पर था, उस समय चांडिल, नीमडीह और ईचागढ़ प्रखंड को अकालग्रस्त घोषित करने सहित अन्य मांगों को लेकर तिरुलडीह अंचल में छात्र और आम लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे. तभी पुलिस ने बिना किसी चेतावनी के आंदोलनकारियों पर गोली चला दी, जिसमें चांडिल कॉलेज के छात्र धनंजय महतो और अजीत महतो की मौके पर ही मौत हो गई थी. देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि हर वर्ष इन दोनों भाइयों की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से अब तक उन्हें शहीद का दर्जा नहीं मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है.

अपना घर आश्रम, पुंदाग में दिव्यांगों-निराश्रितों ने हर्षोल्लास के साथ मनाई दीपावली

रांची। श्रीकृष्ण प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग स्थित सदानंद सेवा धाम अपना घर में रह रहे 41 दिव्यांग और निराश्रितों ने मंगलवार हर्षोल्लास के साथ दीपावली मनाई. मौके पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी सेवाधाम मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी, सजावटी दीया, फूल से भव्य रूप से सजाया गया. ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि ट्रस्ट निरंतर सेवा और समर्पण के मूल मंत्र को लेकर समाज में वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है. अपना घर आश्रम इसी सेवा भावना का उदाहरण है, जहां प्रेम और सम्मान के साथ निराश्रितों को एक नया जीवन दिया जा रहा है.कार्यक्रम की शुरुआत विशेष पूजा-अर्चना से हुई, मंदिर के मुख्य पुजारी अरविंद पांडे ने विधिवत पूजा अर्चना कर भोग लगाया. इसमें सदगुरु की कृपा और राधा-कृष्ण की सामूहिक प्रार्थना की गई. इसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ. इसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया.

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी में चल रही तैयारियों का लिया जायजा

रांचीः राजधानी रांची आगामी दिनों में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन का केंद्र बनने जा रही है. चौथे सैफ सीनियर एथेलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 24 से 26 अक्तूबर तक तक बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी, रांची में प्रस्तावित है. इस प्रतियोगिता में दक्षिण एशियाई देशों भारत, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, भूटान और अफगानिस्तान के शीर्ष एथलीट हिस्सा लेंगे. अंतरराष्ट्रीय आयोजन को लेकर जिला प्रशासन एवं खेल विभाग की ओर से तैयारियां जोरशोर से की जा रही हैं. मंगलवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा स्टेडियम परिसर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया. साथ में निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य झारखंड शेखर जमुआर, वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक भी थे.

घाटशिला विस उपचुनाव : नामांकन के अंतिम दिन 10 प्रत्याशियों का नामांकन, अबतक कुल 17 उम्मीदवार

रांची। घाटशिला (अजजा) विधानसभा उपचुनाव के लिए आज, मंगलवार को नामांकन की आखिरी तारीख पर कुल 10 अभ्यर्थियों ने 19 नामांकन पत्र भरे. इस प्रकार अब तक कुल 17 अभ्यर्थियों द्वारा 30 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं.मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने जानकारी दी कि नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी बुधवार 22 अक्टूबर को की जाएगी. इसके बाद, अभ्यर्थियों के लिए अपने नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 24 अक्टूबर अपराह्न 3:00 बजे तक निर्धारित की गई है. यह उपचुनाव क्षेत्र के मतदाताओं के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, और आगामी दिनों में यह देखना होगा कि किस दल या उम्मीदवार को कितनी सफलता मिलती है.

बेड़ो में जुआ खेल रहे युवक की गोली मारकर हत्या

एक साल पहले जेल से बाहर आया था

शुभम संदेश। रांची

रांची के बेड़ो थाना क्षेत्र के मुडामु गांव में दीपावली की रात लगभग दो बजे जुआ खेल रहे 30 वर्षीय सोमा उरांव की गोली मारकर हत्या कर दी गई. एक अज्ञात बंदूकधारी ने सोमा के पास जाकर उसे सटाकर गोली मारी. गोली लगते ही सोमा वहीं गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. गोली मारने के बाद हमलावर फरार हो गया.

सूत्रों के अनुसार, सोमा उरांव का पुराना आपराधिक इतिहास था और वह हत्या के एक पुराने मामले में जेल भी जा चुका था. करीब एक साल पहले वह जेल से छूटकर गांव लौट आया था. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और और सर्किल इंस्पेक्टर उत्तम कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ की. कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हत्या का कारण पुराना विवाद या बदले की हिस्ट्रीशीटर है. घटना के बाद मुडामु गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है. ग्रामीण सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं. पुलिस ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है.

सैनिक कॉलोनी, बूटी मोड़ में सेवानिवृत्त फौजी कन्हैया सिंह की मौत से आक्रोश

- खेलगांव थाना पहुंचकर अखिल राजपुताना कल्याण न्यास ने की गिरफ्तारी की मांग, दिया अल्टीमेटम

शुभम संदेश। रांची

दिपावली के दिन सोमवार को अपराह्न 3:30 बजे, सैनिक कॉलोनी, बूटी मोड़ (रांची) के पास एक दुःखद सड़क दुर्घटना में बक्सर (बिहार) निवासी सेवानिवृत्त फौजी कन्हैया सिंह की मृत्यु हो गई. ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो (जेएस10ए-3366) वाहन को हिमालय साहू नामक व्यक्ति तेज़ रफ़्तार (लगभग 80 किमी/घं.) से चला रहा था, जिसमें तीन अन्य साथी भी सवार थे. टक्कर के बाद वाहन सवार सभी आरोपी मौके से फरार हो गए. स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, परंतु उसे रात में थाने से छोड़ दिए जाने से क्षेत्रीय लोगों और न्यास के सदस्यों में भारी आक्रोश व्याप्त है.

खेलगांव थाना पहुंचे न्यास के सदस्यःघटना के विरोध में मंगलवार को दोपहर 12:30 बजे अखिल राजपुताना कल्याण न्यास के सदस्य बड़ी संख्या में (लगभग 40 से 50 सदस्य) खेलगांव थाना पहुंचे और थाना प्रभारी अभिषेक राय से मुलाकात की. उन्होंने तीनों आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की. थाना प्रभारी के साथ बैठक के दौरान वातावरण अत्यंत तनावपूर्ण रहा.

भाई दूज कल : स्नेह, सुरक्षा और संस्कृति का प्रतीक पर्व

भाई-बहन के प्रेम का अनुपम उत्सव : संजय सर्राफ

शुभम संदेश। रांची

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि भारतवर्ष की संस्कृति में पारिवारिक संबंधों की मधुरता और सामाजिक मूल्यों को सहेजने वाले अनेक पर्व मनाए जाते हैं. इन्हीं में से एक है भैया दूज, जिसे यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है. यह पर्व दीपावली के दो दिन बाद, कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है.इस वर्ष भैया दूज 23 अक्तूबर दिन गुरुवार को मनाया जाएगा.

भैया दूज से जुड़ी एक पौराणिक कथा के अनुसार, मृत्यु के देवता भगवान यमराज अपनी बहन यमुनाजी से मिलने उनके घर पहुंचे. यमुनाजी ने उनका आदरपूर्वक स्वागत किया, उन्हें प्रेम पूर्वक भोजन कराया और अपने भाई की लंबी उम्र की कामना की. इस पर प्रसन्न होकर यमराज ने बहन को आशीर्वाद दिया कि इस दिन जो बहन अपने भाई को तिलक करके भोजन कराएगी और उसके दीर्घायु की कामना करेगी, उस भाई को यमराज का भय नहीं रहेगा. तभी से यह परंपरा चली आ रही है और भैया दूज भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और रक्षाबंधन के भाव का प्रतीक पर्व बन गया.

भैया दूज के दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक करती हैं, आरती उतारती हैं और उन्हें मिठाइयां व पकवान खिलाकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं. भाई भी बहनों को उपहार देकर उनके स्नेह का आदर करते हैं और जीवन भर उनकी रक्षा का वचन देते हैं. कई स्थानों पर बहनें यमुनाजी में स्नान कर पूजा करती हैं, जो इस पर्व की पवित्रता और महत्ता को और बढ़ा देती है. कुछ क्षेत्रों में इसे 'भाउ बीज' (महाराष्ट्र), 'भाई टीका' (नेपाल), 'भाई फोंटा' (बंगाल) के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन भावना हर जगह एक ही होती है, भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और एक-दूसरे के कल्याण की कामना.

भैया दूज केवल एक पारिवारिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उन जड़ों का प्रतीक है जो पारिवारिक संबंधों, प्रेम, त्याग और आत्मीयता को महत्व देती है. यह पर्व नारी सम्मान, पारिवारिक सौहार्द और सामाजिक एकता को भी बढ़ावा देता है. वर्तमान समय में जब पारिवारिक संबंधों में दूरी बढ़ रही है, ऐसे में भैया दूज जैसे पर्व यह याद दिलाते हैं कि संबंधों की गरिमा को बनाए रखना भारतीय जीवन मूल्य का अभिन्न हिस्सा है. भैया दूज एक ऐसा पर्व है जो भाई-बहन के शाश्वत प्रेम को उत्सव के रूप में मनाता है. यह पर्व केवल तिलक और मिठाइयों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें संवेदनाओं की गहराई, परंपराओं की गरिमा और संस्कृति की झलक समाहित है. जब बहन अपने भाई के माथे पर तिलक करती है, तो वह केवल एक परंपरा नहीं निभा रही होती, बल्कि उसके सुखद, स्वस्थ और दीर्घ जीवन की प्रार्थना भी कर रही होती है. भैया दूज हमें यह भी सिखाता है कि प्रेम और अपनत्व की डोर जितनी मजबूत हो, जीवन उतना ही मधुर और सुरक्षित बनता है.

दीयों की रौशनी, रंगोलियों और उल्लास के साथ लातेहार में पारंपरिक रूप से मनाई गई दीपावली

गाय-डांड़ और जुए की परंपरा ने दिया पर्व को सामाजिक रंग

शुभम संदेश । लातेहार

लातेहार जिला मुख्यालय समेत आस-पास के ग्रामीण इलाकों में प्रकाश उत्सव दीपावली को पारंपरिक और उल्लासपूर्ण तरीके से मनाया गया. 20 अक्टूबर की शाम से ही शहर रंग-बिरंगी रोशनी और सजावट से जगमगा उठा. घरों और प्रतिष्ठानों में भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई.

शहर के चौक-चौराहों पर प्रतिमा बेचने वालों की दुकानों में भीड़ उमड़ी रही. थाना चौक स्थित रंजीत ग्लास स्टोर में 50 से लेकर 3100 तक की मूर्तियां उपलब्ध थीं. बच्चों में पटाखों को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया, जो देर रात तक आतिशबाजी में जुटे रहे. घर-आंगनों में आकर्षक रंगोलियां और मिट्टी के दीयों से भी सजावट की गई.

विधुत सजावट ने पूरे शहर को नया रूप दे दिया. हर गली और मोहल्ला रौशनी से नहाया हुआ नजर आया. मिठाई की दुकानों पर भीड़ रही और खासकर लड्डूओं की कीमतें आसमान छूती दिखीं. मिष्ठान दुकानदारों ने बताया कि इस बार घी के लड्डू 350 से 600 प्रति किलो तक बिके, जबकि कुछ लोगों ने हलवाई बुलाकर घर पर लड्डू बनवाए.

दीवाली की पुरानी परंपरा – जुए का खेल भी जिले में जमकर खेला गया. जुबली चौक, दुगिला, जालिम, निंदिर और करकट गांवों में भारी संख्या में जुआ खेलने की सूचना मिली है. हालांकि थाना प्रभारी रामाकांत गुप्ता एवं पुलिस बल गश्त पर सक्रिय नजर आए.

दीपावली के दूसरे दिन 'गाय-डांड़' का आयोजन भी धूमधाम से किया गया. औरंगा नदी तट पर भारी संख्या में गौपालक जुटे और गौ वंशीय पशुओं की पूजा की. वहीं कुछ लोगों को नदी किनारे जुआ खेलते भी देखा गया.

पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम ने धोबी मोहल्ला स्थित अपने आवास पर मिट्टी के दीये जलाकर समर्थकों संग दीपावली मनाई और स्वदेशी दीयों के उपयोग की अपील की. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दीं.

इस तरह लातेहार में दीपावली पर्व धार्मिक आस्था, सामाजिक सहभागिता और परंपराओं के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया.

दिवाली पर "सेवा ही संस्कार" की मिसाल: गौ माता की सुरक्षा के लिए लातेहार में बांधे गए रिफ्लेक्टिव बेल्ट

अंधेरे में हादसों से बचाने के विद्यार्थी परिषद की पहल

शुभम संदेश । लातेहार

जहां एक ओर दिवाली की रात चारों तरफ रोशनी, उल्लास और पटाखों की गूंज थी, वहीं लातेहार जिले में कुछ युवाओं ने इस पर्व को सेवा और संवेदना का प्रतीक बना दिया. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के जिला संयोजक मुकेश यादव के नेतृत्व में एक टीम ने सड़क पर विचरती गौ माताओं की सुरक्षा के लिए रिफ्लेक्टिव बेल्ट बांधने का कार्य किया. इस पहल का उद्देश्य था कि रात के अंधेरे में वाहन चालकों को गायें स्पष्ट दिखें और दुर्घटनाओं से बचाया जा सके. टीम ने दर्जनों गायों को सड़क किनारे रोककर उनकी गर्दन में रिफ्लेक्टिव बेल्ट बांधे, जिससे वे दूर से ही चमककर वाहन चालकों को सावधान कर सकें.

इस नेक कार्य में सोनू राणा, अर्पित पांडे, नीतेश यादव, प्रिंस ठाकुर, विवेक कुमार, अनुज गुप्ता, नवनीत पांडे, श्रीकांत पासवान और हवन गुप्ता जैसे कई युवा शामिल हुए. इन सभी ने "सेवा ही संस्कार है" की भावना से इस कार्य को अंजाम दिया. मुकेश यादव ने बताया कि यह पहल सिर्फ दिवाली तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे एक अभियान की तरह आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे सड़क पर विचरते मवेशियों की जान की रक्षा हो सके और समाज में पशु सुरक्षा को लेकर जागरूकता भी फैले. दिवाली की इस रात, जब लोग अपने-अपने घरों में खुशियां मना रहे थे, तब इन युवाओं ने सड़कों पर उतरकर सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया.

न्यू पुलिस लाइन में मना पुलिस संस्मरण दिवस, दी गई श्रद्धांजलि

एसपी ने किया शहीदों को नमन, परिजन हुए सम्मानित

शुभम संदेश । लातेहार

न्यू पुलिस लाइन लातेहार में मंगलवार को पुलिस संस्मरण के अवसर पर एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने इस मौके पर कर्तव्य पालन के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की. कार्यक्रम की शुरुआत शहीद वेदी पर पुष्पचक्र अर्पण और दो मिनट के मौन के साथ हुई. पुलिस अधीक्षक ने कहा कि 21 अक्टूबर वह दिन है जब देशभर में उन वीर जवानों को याद किया जाता है, जिन्होंने देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया. यह दिन हमें उनके पराक्रम, समर्पण और सेवा भावना की याद दिलाता है. इस मौके पर शहीद जवानों के परिजनों को सम्मानित किया गया और उन्हें उपहार भेंट कर प्रशासन की ओर से कृतज्ञता प्रकट की गई. एसपी कुमार गौरव ने कहा कि, पुलिस विभाग सदैव शहीदों के परिवारों के साथ है. उनकी बहादुरी और कुर्बानी को कभी भुलाया नहीं जा सकता. उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है. उन्होंने आश्वासन दिया कि शहीदों के परिवारों की हर संभव सहायता की जाएगी और उनकी सुरक्षा तथा सम्मान प्रशासन की प्राथमिकता होगी. कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक, सार्जेंट मेजर, पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी, जिला बल, और आईआरबी-4 के अधिकारी एवं जवान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. सभी ने शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और संकल्प लिया कि उनके सपनों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी.

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर पुलिस स्टेडियम स्थित शहीद स्मारक पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. पलामू जोनल आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन और आईआरबी-10 के समादेष्टा ने शहीद जवानों को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. कार्यक्रम में आईजी और एसपी ने शहीदों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव सहायता का भरोसा दिया. इस अवसर पर शहीदों के अदम्य साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया गया. सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद, डीएसपी राजीव रंजन, पुलिस कर्मी सहित कई अधिकारी भी उपस्थित थे. यह दिन पुलिस जवानों के बलिदान को सम्मानित करने और उनकी याद को सजीव रखने का अवसर माना गया.

मेदिनीनगर में समादेष्टा ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि बोले-वर्दी है पहचान नहीं, जिम्मेदारी और धर्म

मेदिनीनगर । लेस्लीगंज जैप-8 बटालियन परिसर में पुलिस स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि सभा और भव्य परेड का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में वीर शहीदों को सम्मानित करते हुए उनके बलिदान को याद किया गया. मुख्य अतिथि समादेष्टा श्रीमती भूमल राजपुरोहित ने कहा कि जैप-8 और राज्य पुलिस ने हर परिस्थिति में साहस और समर्पण से जनता की सुरक्षा की है. उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्दी केवल पहचान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और धर्म है, जो पुलिसकर्मियों को जनता की सेवा का संकल्प दिलाती है. सभी अधिकारियों और जवानों ने शहीदों के आदर्शों पर चलते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया. इस कार्यक्रम में वरीय अधिकारी मनजरूल होदा, डीएसपी डेविड ए. दोडराय, पुलिस निरीक्षक बंधन उरांव सहित कई जवान मौजूद थे.

विधायक ने आरएन फैमिली रेस्टोरेंट का किया उद्घाटन

हुसैनाबाद । हुसैनाबाद शहर के जयप्रकाश चौक छठ पोखरा के पास आर.एन. फैमिली रेस्टोरेंट का विधिवत उद्घाटन हुसैनाबाद विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने फीता काटकर किया. इस मौके पर विधायक ने कहा कि हुसैनाबाद में नए रेस्टोरेंट खुलने से लोगों को बेहतर खान-पान की सुविधा मिलेगी. उद्घाटन समारोह में राजद के प्रदेश महासचिव रवि यादव, व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्ण बैठा, जमुआ पंचायत मुखिया ओम प्रकाश राम और रेस्टोरेंट के प्रोपराइटर निरंजन कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे. प्रोपराइटर निरंजन कुमार ने बताया कि उनका उद्देश्य स्थानीय लोगों को स्वच्छ, स्वादिष्ट भोजन और पारिवारिक माहौल प्रदान करना है. समारोह के अंत में अतिथियों ने रेस्टोरेंट की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं.

दीपावली पर स्वतंत्रता सेनानियों को दी गई श्रद्धांजलि

मेदिनीनगर । दीपावली के अवसर पर पुराने ब्लॉक परिसर स्थित स्वतंत्रता सेनानियों के शिलापट्ट के समक्ष उनके वंशजों और शहर के प्रबुद्ध जनों ने दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. कार्यक्रम में प्रथम उपमहापौर राकेश कुमार सिंह, डाल्टनगंज चेंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव विनोद उदयपुरी, वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष विजयनंदन सरस्वती सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे. इस अवसर पर 1942 में हुए स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं को याद किया गया. सभी ने वंदे मातरम गाकर और भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए शहीदों को नमन किया. साथ ही हाल ही में निधन हुए संविधान सभा सदस्य यदुवंश सहाय के पुत्र वृजनंदन सहाय के सम्मान में दो मिनट का मौन भी रखा गया.

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में 11वीं व 12वीं के लिए विशेष कैरियर काउंसलिंग आज

मेदिनीनगर । स्थानीय ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए 22 अक्टूबर को विशेष कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया है. इस काउंसलिंग में भौतिकी विशेषज्ञ संजय झा और रसायन विशेषज्ञ मार्कण्डेय उपाध्याय छात्रों को प्रेरित करेंगे. विद्यालय के प्राचार्य टी.आर. प्रसाद ने कहा कि छात्रों को भविष्य निर्माण के लिए अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए और संगति व मीडिया के दुष्प्रभाव से बचना आवश्यक है. उन्होंने बताया कि कैरियर काउंसलिंग छात्रों को विषय चयन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करती है. प्राचार्य ने कहा कि संजय झा और मार्कण्डेय उपाध्याय जैसे अनुभवी शिक्षक हजारों छात्रों का मार्गदर्शन कर चुके हैं और उनकी सेवा शिक्षा क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक है. इस काउंसलिंग से छात्रों को समय पर सही विषय चुनने में सहायता मिलेगी. इसके अलावा, जीव विज्ञान और गणित के विषयों के लिए भी विशेषज्ञों द्वारा कैरियर मार्गदर्शन दिया जाएगा. विद्यालय प्रबंधन बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए प्रतिबद्ध है.

बालूमाथ में सड़क हादसा: पेड़ से टकराई बाइक, तीन घायल

शुभम संदेश। लातेहार

लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम एक गंभीर सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसा बालूमाथ-लातेहार मुख्य पथ पर ओल्हेपाट गांव के समीप हुआ, जब एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल असंतुलित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई. घटना में घायल युवकों की पहचान सेरक गांव निवासी रंजीत गंझू (18 वर्ष) पिता बिनु गंझू, रविंद्र उरांव (16 वर्ष) पिता बचन उरांव और प्रदीप तुरी (17 वर्ष) पिता विनोद तुरी के रूप में हुई है. मिली जानकारी के अनुसार तीनों युवक पास के पकरी गांव में आयोजित जतरा मेला देखकर वापस अपने घर लौट रहे थे. लौटते समय ओल्हेपाट के पास अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और तेज गति में जाकर पेड़ से टकरा गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही चीख-पुकार मच गई. स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर सुरेंद्र कुमार की देखरेख में उनका प्राथमिक उपचार किया गया. चिकित्सकों ने रविंद्र उरांव की स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि उस स्थान पर सड़क काफी संकरी और खराब है.

समीक्षा

छठ पर्व से पूर्व लातेहार के छठ घाटों का डीसी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए दिए सख्त निर्देश

शुभम संदेश। लातेहार

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर उपायुक्त श. उत्कर्ष गुप्ता और पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित चटनाही और डुरुआ छठ घाटों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने घाटों पर चल रहे कार्यों का जायजा लिया और कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए. निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सुरक्षा प्रबंधन, और यातायात व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं. उन्होंने विशेष रूप से चेंजिंग रूम का निर्माण, डेंजर ज़ोन की पहचान और बेरिकेडिंग, विद्युत आपूर्ति, तथा घाट तक पहुंचने वाले रास्तों की मरम्मत पर जोर दिया. उपायुक्त ने सीसीटीवी कैमरे लगाने, अस्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने, और आपदा-प्रबंधन टीम को सक्रिय रखने के निर्देश भी दिए.

पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने घाटों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि प्रत्येक घाट पर विशेष गश्ती दल और निगरानी टीमें तैनात की जाएंगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके. साथ ही, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की बात कही. इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक, नगर प्रशासक राजीव रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, अंचल अधिकारी नंदकुमार राम, थाना प्रभारी रमाकांत गुप्ता समेत प्रशासनिक टीम के अन्य सदस्य उपस्थित थे. सामाजिक संगठनों की ओर से श्री सूर्यनारायण पूजा समिति अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, विष्णुदेव गुप्ता, राजू यादव, मनीष दास, कौशल कुमार आदि ने प्रशासन को आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया. उपायुक्त ने कहा कि छठ महापर्व जन आस्था का महाउत्सव है, जिसे शांति, सुरक्षा और श्रद्धा के साथ सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने आमजन से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करें और पर्व को सफल बनाएं.

छठ पर्व को लेकर अधिकारियों ने घाटों का किया निरीक्षण

बालूमाथ (लातेहार) । छठ महापर्व की तैयारी को लेकर मंगलवार को एसडीपीओ विनोद रवानी, अंचल अधिकारी बालेश्वर राम, बीडीओ सोमा उरांव और पुलिस निरीक्षक परमानंद बिरुआ ने बालूमाथ छठ तालाब समेत विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया. अधिकारियों ने घाटों की साफ-सफाई, रोशनी, सुरक्षा व्यवस्था और जलस्तर की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की. उन्होंने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी तैयारियाँ समय पर पूरी की जाएं. अंचल अधिकारी ने कहा कि प्रशासन लगातार निगरानी रखेगा, वहीं एसडीपीओ ने बताया कि शांति और सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा.

एक नजर

सीआरपीएफ जवानों ने शहीद जितेंद्र सिंह को दी श्रद्धांजलि, टूटी प्रतिमा पर ग्रामीणों ने जताया रोष

मेदिनीनगर । पुलिस स्मृति दिवस पर लेस्लीगंज प्रखंड क्षेत्र के बसौरा गांव में सीआरपीएफ जवानों और स्थानीय ग्रामीणों ने शहीद जितेंद्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. शहीद की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें नमन किया गया और उनकी वीरता को याद करते हुए सम्मान व्यक्त किया गया. यह कार्यक्रम शहीद के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक था, लेकिन इस दौरान एक गंभीर उपेक्षा भी उजागर हुई. शहीद जितेंद्र सिंह की प्रतिमा कई समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में है, बावजूद इसके श्रद्धांजलि कार्यक्रम उसी टूटी-फूटी प्रतिमा के सामने आयोजित किया गया. ग्रामीणों ने इस स्थिति पर गहरा रोष व्यक्त किया और कहा कि वर्षों से प्रतिमा की मरम्मत या सौंदर्यीकरण को लेकर कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है. उन्होंने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों से इस दिशा में पहल करने की अपील की गई, लेकिन अब तक कोई सार्थक कार्रवाई नहीं हुई. स्थानीय लोगों का कहना है कि यह न केवल शहीद के सम्मान का बल्कि समाज की संवेदनशीलता का भी सवाल है. ग्रामीणों ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग की ताकि शहीद की प्रतिमा का उचित संरक्षण और मरम्मत हो सके और उन्हें वह सम्मान मिल सके जिसकी वे हकदार हैं.

छतरपुर में टेंपो-बाइक हादसे में युवक की मौत बहनोई गंभीर रूप से घायल, एमएमसीएच रेफर

छतरपुर। थाना क्षेत्र के रामगढ़ शिव मंदिर के पास दिवाली की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार रितेश कुमार यादव (27) की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, उनका बहनोई सुरेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गया. दोनों रिश्तेदार बंधुडीह गांव से लौट रहे थे. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टेंपो ने रितेश को कुछ दूरी तक घसीटा, जिससे उनकी मौत हुई. हादसे के बाद टेंपो चालक वाहन लेकर फरार हो गया. स्थानीय लोगों ने घायल दोनों को छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर किया गया. एमएमसीएच में डॉक्टरों ने रितेश को मृत घोषित किया, जबकि सुरेंद्र का इलाज जारी है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

महापर्व को लेकर छठ घाटों की सफाई और खुले में मांस बिक्री पर प्रतिबंध की मांग : आशीष भारद्वाज

मेदिनीनगर । युवा समाजसेवी आशीष भारद्वाज ने छठ महापर्व को स्वच्छ एवं पावन बनाने के लिए नगर आयुक्त जावेद हुसैन से मिलकर ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में उन्होंने नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत कोयल नदी के शाहपुर तट, गिरवर स्कूल तट, अमानत नदी घाट सिंगरा, सूर्य मंदिर घाट, बिस्फुटा घाट, चौनपुर सहित सभी छठ घाटों की सफाई का आग्रह किया. आशीष ने कहा कि छठ पर्व हमारे आस्था का महापर्व है, जिसमें साफ-सफाई का विशेष महत्व है. माताएं-बहने बड़े श्रद्धा भाव से घाटों तक जाती हैं, इसलिए घाटों की सफाई समय रहते पूरी होनी चाहिए. उन्होंने त्योहार के दौरान खुले में मांस की बिक्री बंद करने की भी मांग की, ताकि त्योहार का माहौल पवित्र और शुद्ध बना रहे. उनका यह प्रयास छठ पर्व को स्वच्छता और सम्मान के साथ मनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.

महापर्व महाअभियान : छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण करेगी वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट

मेदिनीनगर । वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट इस साल भी छठ महापर्व महाअभियान के तहत 25, 26 व 27 अक्टूबर को जरूरतमंद छठव्रतियों के बीच पूजा सामग्री का वितरण करेगा. ट्रस्ट सदस्यों ने बताया कि इस तीन दिवसीय अभियान के दौरान सूती साड़ियां, फल, नारियल, अगरबत्ती, घी और अन्य आवश्यक पूजन सामग्री बांटी जाएगी. व्रत रखने वाली महिलाएं और परिवार बेलवाटिका चौक स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर पहुंचकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं. ट्रस्ट का उद्देश्य इस पुण्य पर्व को सभी तक पहुंचाना और जरूरतमंदों की सहायता करना है. इस पहल से छठ पर्व की गरिमा और भी बढ़ेगी तथा समाज में सहयोग की भावना प्रगट होगी.

सतबरवा व आसपास के क्षेत्रों में दीपावली का त्योहार पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया

सतबरवा । सतबरवा और आसपास के क्षेत्रों में इस वर्ष दीपावली का त्योहार भव्यता और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया. सोमवार शाम से ही गांवों, मोहल्लों और बाजारों में दीपों की रोशनी से वातावरण आलोकित हो उठा. लोगों ने अपने घरों, दुकानों और मंदिरों की सफाई कर दीपों, रंग-बिरंगी लाइटों और सजावटी सामान से सजाया. शाम को विधिपूर्वक लक्ष्मी-गणेश की पूजा की गई. महिलाओं ने रंगोलियों से घरों को सजाया, जबकि बच्चों ने पटाखों और आतिशबाजी से पर्व की रौनक बढ़ा दी. सतबरवा बाजार, पोलपोल, बकोरिया और लहलहे सहित तमाम इलाकों में दीपावली का उल्लास चरम पर रहा. मिठाई और सजावट की दुकानों पर खरीदारी के लिए भीड़ देखी गई. स्थानीय लोगों ने कहा कि दीपावली सिर्फ रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि यह बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है.

काली पूजा संपन्न, आज निकलेगी विसर्जन शोभायात्रा

बरवाडीह (लातेहार) । दीपावली की रात बरवाडीह के सुभाष चौक में युवा जागृति क्लब द्वारा काली पूजा का भव्य आयोजन किया गया. आकर्षक प्रतिमा, सजावटी पंडाल और रंगीन रोशनी ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया. रातभर भजन-कीर्तन और आरती के बीच श्रद्धालु मां काली की आराधना में लीन रहे. मंगलवार को भंडारे में सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया. उद्घाटन युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव विजय बहादुर सिंह, जिप सदस्य संतोषी शेखर समेत अन्य अतिथियों ने किया. पूजा समिति ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया. बुधवार को प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी

औरंगा नदी में डूबने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत

लातेहार । दिवाली के दिन लातेहार शहर में एक दर्दनाक हादसे ने पर्व की खुशियों को मातम में बदल दिया. शहर के चटनाही स्थित औरंगा नदी में 12 वर्षीय बिट्टू यादव की पानी में डूबने से मौत हो गई. बिट्टू बहेराटांड़ निवासी उपेन्द्र यादव का पुत्र था. बताया गया कि नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया. कुछ समय बाद स्थानीय लोगों ने उसे अचेत अवस्था में नदी किनारे देखा और सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया. दिवाली के दिन हुई इस मर्मांतक घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है.

दलित महिला कांग्रेस नेता के साथ एसपी कार्यालय में दुर्व्यवहार, त्रिपाठी ने किया विरोध

मेदिनीनगर । पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने पलामू की महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष विमला कुमारी के साथ एसपी कार्यालय में हुए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है. दलित महिला नेता विमला कुमारी जब एसपी से मिलने गईं, तो उनके मोबाइल फोन को एसपी के अंगरक्षक ने जबरन छीन लिया और हाथ लगाकर रोक दिया. विरोध करने पर एसपी ने इस कार्रवाई को अपने आदेश से उचित बताया.त्रिपाठी ने कहा कि दलित महिला के साथ ऐसा अपमानजनक व्यवहार किसी भी हालात में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने इसे गंभीर अपराध करार देते हुए पुलिस जवानों को शालीनता और कानून के तहत काम करने की हिदायत दी. उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की और पार्टी नेतृत्व को पूरी जानकारी देंगे. पूर्व मंत्री ने पलामू में जर्जर कानून व्यवस्था और पुलिस की अवैध गतिविधियों पर भी सवाल उठाए. उन्होंने चेतावनी दी कि दोषी अधिकारी-जवानों पर सख्त कार्रवाई न होने पर जन आंदोलन किया जाएगा.

ब्रीफ न्यूज

ऑटो अनियंत्रित होकर खेत में गिरा, बड़ा हादसा टला

जयनगर (कोडरमा)। थाना के पास जहांगीर वेल्डिंग दुकान के समीप सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. ऑटो संख्या जेएच 12 आर 6969, जिसमें गैस की टंकी थी, उपभोक्ताओं के घर जा रही थी. इसी दौरान सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में चालक का नियंत्रण खो गया और ऑटो सड़क किनारे से नीचे खेत में गिर गया. हालांकि ऑटो को हल्का नुकसान हुआ, लेकिन किसी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई. स्थानीय लोगों ने चालक की सूझबूझ की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी तत्परता से बड़ी दुर्घटना टल गई. हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर चालक की मदद करने लगे.

चरही:भारत इलेक्ट्रॉनिक में भीषण आग, लाखों का नुकसान

हजारीबाग। जिले के चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत आकाश गंगा मार्केट स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक दुकान में देर रात अचानक आग लग गई. घटना का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है. दुकान मालिक बदरूद्दीन अंसारी ने बताया कि उन्हें आग लगने की सूचना फोन पर मिली. वे तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. पुलिस द्वारा दमकल वाहन बुलाया गया, लेकिन तब तक आग ने दुकान में रखे लगभग छह लाख रुपये मूल्य के सामान को राख कर दिया था. दुकान संचालक पिछले छह वर्षों से इस व्यवसाय को चला रहे थे. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

चौपारण में जुए और नशे का तांडव

चौपारण (हजारीबाग)। दीपावली की रात जहां एक ओर लोग खुशियां मना रहे थे, वहीं चौपारण प्रखंड के कई गांवों में जुए और नशे का तांडव देखा गया. देर रात तक खुलेआम लाखों रुपये की बाजी लगी. कई लोग रातोंरात अमीर बन गए, तो कई जुआरी पूरी तरह कंगाल हो गए. ताश के पत्तों पर किस्मत आजमाने वालों में युवा बड़ी संख्या में शामिल थे, जिन्होंने नशे में अपनी मेहनत की कमाई तक हार दी. प्रशासनिक सख्ती के बावजूद यह गैरकानूनी गतिविधि बेधड़क चलती रही.

डीसी ने जनता दरबार में सुनी आम लोगों की समस्याएं

चतरा। उपायुक्त कीर्तिश्री ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आम लोगों की समस्याएं सुनीं. इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, शिक्षा विभाग से संबंधित विषय सहित अन्य मामलों को लोगों ने उपायुक्त के समक्ष रखा. उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष निपटारा करने का निर्देश दिया. मौके पर उपायुक्त ने कहा कि हर मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाता है.

पुलिस संस्मरण दिवस: शस्त्र झुकाकर और दो मिनट मौन रखकर किया नमन

शहीद पुलिस जवानों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

शुभम संदेश । रामगढ़

पुलिस केंद्र रामगढ़ में मंगलवार को पुलिस संस्मरण दिवस हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया. इस अवसर पर 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच कर्तव्यपालन के दौरान वीरगति को प्राप्त 191 शहीद पुलिस जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई.

कार्यक्रम की शुरुआत परेड से हुई, जिसमें शहीदों के सम्मान में शस्त्र झुकाकर और दो मिनट का मौन रखकर नमन किया गया. जवानों की वीरता को याद करते हुए उनके नामों का उल्लेख कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए. कार्यक्रम में देश सेवा के प्रति समर्पण और बलिदान की भावना को सभी ने स्मरण किया.

पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि "21 अक्टूबर का दिन हमें हमारे कर्तव्य, देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा देता है. शहीदों ने देश की रक्षा में जो सर्वोच्च बलिदान दिया, वह कभी भुलाया नहीं जा सकता." उन्होंने कहा कि शहीदों के परिजनों ने अपनों को खोकर देश की सेवा में अद्वितीय योगदान दिया है, जो हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है.

पुलिस अधीक्षक ने आगे कहा कि पुलिस बल की यह परंपरा है कि वह हर कठिन परिस्थिति में जन सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए अविचलित रूप से डटा रहता है.

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में सहायक पुलिस अधीक्षक-सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातू गौरव गोस्वामी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) चंदन वत्स, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ परमेश्वर प्रसाद, पुलिस उपाधीक्षक (प्रशिक्षु) फौजान अहमद, पुलिस उपाधीक्षक (सीसीआर) अजय कुमार, परिचारी प्रवर मंटू यादव सहित सभी अंचलों के पुलिस निरीक्षक, थाना और ओपी प्रभारी तथा अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे.

कार्यक्रम ने जनसेवा में जीवन बलिदान करने वाले वीर सपूतों की याद को चिरस्थायी बना दिया और उनके परिजनों के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता और सम्मान को भी दर्शाया.

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि

हजारीबाग । हजारीबाग पुलिस लाइन में पुलिस संस्मरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने शहीद जवानों को नमन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा कि शहीदों का त्याग समाज के लिए प्रेरणा है. कार्यक्रम में एसडीपीओ, डीएसपी, मेजर, सार्जेंट मेजर सहित कई पुलिस अधिकारी एवं जवान मौजूद थे जिन्होंने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए. पुलिस अधिकारियों ने शहीदों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और हर संभव सहयोग का भरोसा दिया. सभी ने शहीद जवानों की कर्तव्यनिष्ठा, साहस और राष्ट्रसेवा की भावना को सम्मानित करते हुए संकल्प लिया कि उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए हमेशा समर्पित रहेंगे. इस अवसर पर शहीदों की वीरता को याद करते हुए पुलिस बल में एकजुटता और समर्पण की भावना का संचार हुआ.

कोडरमा में शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कोडरमा । कोडरमा पुलिस लाइन में 21 अक्टूबर 2025 को पुलिस स्मृति दिवस बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया. पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कोडरमा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, जवान और शहीदों के परिजन इस अवसर पर उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस अधीक्षक द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर हुई. सभी ने दो मिनट का मौन रखकर देश की सेवा में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी. पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीन सेना से मुठभेड़ में शहीद हुए 10 जवानों की शहादत को याद किया और इसे पुलिस इतिहास का गौरव बताया. उन्होंने शहीदों के बलिदान को प्रेरणा मानकर पुलिस कर्मियों से समर्पण के साथ कर्तव्य निभाने का आह्वान किया. कार्यक्रम में शहीद एसआई उमाचरण पासवान एवं आरक्षी संतोष कुमार पासवान के परिवार को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया. इस वर्ष 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 तक भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्रीय बलों में कुल 191 पुलिसकर्मियों ने अपने प्राण न्योछावर किए हैं. समारोह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ.

उपायुक्त ऋतुराज ने की छठ पूजा की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक

सभी छठ घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा बैरिकेडिंग करने के सख्त निर्देश दिए

शुभम संदेश। कोडरमा

कोडरमा जिले में छठ महापर्व को लेकर उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, नगर निकायों के प्रशासक और छठ पूजा समिति के सदस्य शामिल हुए. बैठक का उद्देश्य छठ महापर्व के, सुरक्षित और श्रद्धालु-मैत्रीपूर्ण आयोजन की सुनिश्चितता थी.

उपायुक्त ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के सभी छठ घाटों का भौतिक निरीक्षण करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि घाटों पर समुचित साफ-सफाई, चेंजिंग रूम, बेरिकेडिंग, और प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए. खासतौर पर तालाबों के किनारे बैरिकेडिंग से किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सकेगा. सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए उपायुक्त ने सभी छठ घाटों पर साइनेज बोर्ड, सूचना बैनर, और जरूरत पड़ने पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि जहां मेले का आयोजन हो रहा है, वहां गोताखोरों की तैनाती, पुलिस बल की उपस्थिति और भीड़ प्रबंधन की ठोस व्यवस्था की जाए.

उपायुक्त ने यह भी कहा कि छोटे और बड़े सभी छठ घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए साफ पेयजल, अस्थायी शौचालय, ट्रैफिक कंट्रोल, और स्वास्थ्य सुविधा जैसे आवश्यक इंतजाम भी किए जाएं. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और छठ पूजा समितियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य को समयबद्ध रूप से पूरा करें. बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह समेत जिले के सभी संबंधित अधिकारी और छठ पूजा समिति के सदस्य उपस्थित रहे.

विधायक ने छठ महापर्व की तैयारियों का किया औचक निरीक्षण

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को हजारीबाग झील परिसर, हुरहुरू तालाब सहित जिले के कई प्रमुख जलाशयों का औचक निरीक्षण कर छठ महापर्व की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों और नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घाटों और तालाबों की नियमित सफाई, मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध और स्वच्छता कार्यों को प्राथमिकता दी जाए .विधायक ने साफ कहा कि तालाबों को पूरी तरह स्वच्छ और छठ व्रतियों के अनुकूल वातावरण में बनाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. उन्होंने अधिकारियों को आगामी दिनों में कार्य की गति तेज करने और श्रद्धालुओं को किसी भी असुविधा से बचाने का निर्देश दिया. प्रदीप प्रसाद ने कचरा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, सुरक्षा बलों की तैनाती और श्रद्धालुओं की सुविधा संबंधी सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने पर विशेष जोर दिया.

उपायुक्त ने अंत में कहा कि छठ पूजा सामाजिक आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी. उन्होंने सभी अधिकारियों को समर्पण भाव से कार्य करने और आमजन की सहूलियत का विशेष ध्या रखने का आग्रह किया. यह बैठक छठ पूजा की तैयारियों को अंतिम रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

नशीला पदार्थ बेचने वाले चार दुकानदारों से वसूला जुर्माना

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपचो एवं गोहाल में मंगलवार की देर शाम पुलिस ने कोटपा एक्ट के तहत अभियान चला कर कई दुकानों में छापेमारी की गई इस दौरान तंबाकू और तंबाकू उत्पाद संबंधी पदार्थ का बिक्री करते हुए पकड़ा गया इस दौरान चार दुकानदारों से लगभग दो हजार रूपये का जुर्माना लगाया है साथ ही उन्हें जानकारी दी गई कि शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य संस्थान, सार्वजनिक कार्यालय के 100 मीटर की दायरे में किसी भी प्रकार का तम्बाकू संबंधित प्रदार्थ का बिक्री एवं इस्तमाल पर पूर्णतः प्रतिबंधित है. इस दौरान थाना प्रभारी ने बताया कि सभी दुकानदारों को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देश दिया गया है कि कोटपा अधिनियम के सभी नियमों का अनुपालन करे. मौके पर एसआई प्रतीत टोपनो सहित अन्य पुलिस जवान मौजूद थे.

धूमधाम से मनाया दीपावली का त्यौहार

मरकच्चो (कोडरमा)। धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा अर्चना भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई. दीपावली के अवसर पर प्रखंड मुख्यालय और ग्रामीण इलाकों के घरों, मंदिरों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को मिट्टी के दीपकों, झालरों और लाइटों से सजाया गया. लोग सुबह से ही पूजा-अर्चना में जुटे रहे और देर रात तक सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते रहे. दीपावली की रौनक पूरे इलाके में देखने लायक थी.

पिपचो पंचायत बनी स्व. प्रयाग राम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट की चैंपियन, मधवाटांड़ की टीम उपविजेता

जयनगर (कोडरमा) । जय हिंद युवा क्लब पिपचो के तत्वावधान में आयोजित स्व. प्रयाग राम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-5 का फाइनल रविवार को मधवाटांड़ के पंडियाडीह मैदान में खेला गया. रोमांचक फाइनल में पिपचो पंचायत ने आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड़ को एक विकेट से हराकर खिताब जीता. पहले बल्लेबाजी करते हुए मधवाटांड़ ने 14 ओवर में 135 रन बनाए. शुभम कुमार ने 43 और रौशन कुमार ने 41 रन की उपयोगी पारी खेली. पिपचो के अमित रॉय और सकलैन ने 3-3 विकेट लिए. जवाब में उत्कर्ष यादव के 45 रनों की मदद से पिपचो ने लक्ष्य हासिल कर टूर्नामेंट अपने नाम किया. मुख्य अतिथि विधायक अमित यादव और जिप उपाध्यक्ष निर्मला देवी ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया. मैन ऑफ द मैच अमित रॉय, मैन ऑफ द सीरीज शुभम कुमार रहे. विजेता टीम को हेलमेट और उपविजेता को पौधे भेंट किए गए. टूर्नामेंट में जय हिंद युवा क्लब के सदस्यों ने आयोजन में सराहनीय भूमिका निभाई.

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ने चौपारण युवा मोर्चा की नई कमेटी की घोषणा की

चौपारण (हजारीबाग)। झारखण्डी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) के हजारीबाग जिला अध्यक्ष सरयू साव ने मंगलवार को चौपारण प्रखंड युवा मोर्चा की नई कमेटी की घोषणा की. कमेटी में दीपक यादव (ग्राम नावाडीह) को प्रखंड अध्यक्ष, दीपक भुइयां (ग्राम रानीक) को उपाध्यक्ष, दीपक कुमार भुइयां (ग्राम महानेटांड़, चोरदाहा) को सचिव तथा मो. मतीन (ग्राम महराजगंज) को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है.

जिला अध्यक्ष सरयू साव ने कहा कि संगठन झारखण्डी अस्मिता, भाषा और खतियान आधारित अधिकारों की लड़ाई को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है. उन्होंने नई कमेटी को बधाई देते हुए युवाओं की भूमिका को संगठन के मजबूती में अहम बताया. प्रखंड अध्यक्ष दीपक यादव ने जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने का वचन देते हुए कहा कि संगठन का विस्तार गांव-गांव तक करना और युवाओं को झारखण्डी पहचान की लड़ाई से जोड़ना उनकी प्राथमिकता होगी.

आर्यन सिंह ने खेलो झारखंड में जीता गोल्ड मेडल

चौपारण । सिंहपुर निवासी आर्यन सिंह ने खेलो झारखंड के राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में धनबाद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता. आर्यन ने अपनी बेहतरीन तकनीक और दमदार प्रदर्शन से प्रतियोगियों को परास्त किया. वे सीआरपीएफ में कार्यरत नितेश कुमार सिंह के पुत्र हैं. उनकी इस सफलता से गांव में खुशी का माहौल है. अब आर्यन 29 अक्टूबर को हरियाणा में राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे. उनके कोच ने बताया कि आर्यन एक अनुशासित खिलाड़ी हैं, जिनमें भविष्य में भारत के लिए पदक जीतने की क्षमता है. पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने आर्यन को हार्दिक बधाई दी और कहा कि छोटे गांव से राज्य स्तर पर गोल्ड जीतना गर्व की बात है. उन्होंने आर्यन को भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया.

गौरक्षा की विरासत | 1885 से 2025 तक हजारीबाग गौशाला में 'मां' की सेवा का इतिहास

120 वर्षों से निरंतर हो रहा गोपाष्टमी मेला का आयोजन

शुभम संदेश। हजारीबाग

ब्रिटिश काल में पशु चर्बी वाले कारतूसों के विरोध और गोरक्षा आंदोलन की लहर ने पूरे पूर्वी भारत में धार्मिक चेतना को जागृत किया. इसी आंदोलन के फलस्वरूप 1885 में कोलकाता में पिंजरापोल सोसाइटी की स्थापना हुई, जिसका उद्देश्य गायों की रक्षा करना था. इसी श्रृंखला में 1905 में हजारीबाग गौशाला की स्थापना हुई, जो आज लगभग 82 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है और 500 से अधिक गायों को सुरक्षित जीवन प्रदान कर रही है.

प्राकृतिक वादियों के बीच जुलजुल पहाड़ की तलहटी में बसी यह गौशाला माओवादियों की गतिविधियों के कारण पहले कटकमदाग के फतहा में संचालित होती थी, जिसे बाद में हजारीबाग स्थानांतरित किया गया.

यहाँ के अन्य स्थानों पर भी गौशालाएँ थीं, लेकिन जुलजुल सीतागढ़ा शाखा मुख्य केंद्र बन चुकी है. यहाँ तस्करों से बचाई गई और सड़क किनारे तिरस्कृत गायें सुरक्षित हैं.

गौशाला की 82 एकड़ भूमि में 70 एकड़ प्राकृतिक खेती, बगीचे और तालाब शामिल हैं. यहाँ 2000 से अधिक आम के पेड़ हैं और 16 एकड़ में नेपियर घास, 30 एकड़ में सब्जी खेती होती है. वर्मी कंपोस्ट (केचुआ खाद) का उत्पादन भी किया जाता है, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलता है. हजारीबाग गौशाला अपने सदस्यों को देशी नस्ल की गायें न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध कराती है. यहाँ रोजाना लगभग 220 लीटर देशी दूध का उत्पादन होता है, जो सदस्यों में वितरित किया जाता है. इसके अतिरिक्त, "मवेशी छात्रावास" की सुविधा भी है, जहाँ लोग अस्थायी रूप से अपने गोवंश को छोड़ सकते हैं. स्थापना के बाद से 120 वर्षों से निरंतर गोपाष्टमी मेला आयोजित किया जा रहा है. इस वर्ष 30 अक्टूबर 2025 को भव्य मेला होगा, जिसमें सांसद मनीष जायसवाल, उपायुक्त और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे. मेला परिसर में गायत्री परिवार, इस्कॉन, ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय, वनवासी कल्याण केंद्र समेत अनेक स्टॉल सजेंगे. बच्चों के लिए झूले, फायरिंग शूटिंग और नाटक जैसे कार्यक्रम भी होंगे. श्रद्धालु गोसेवा स्टॉल पर न्यूनतम राशि देकर गोसेवा कर पुण्य अर्जित कर सकेंगे.

हजारीबाग गौशाला अब सेवा के साथ-साथ आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी बन चुकी है. यहाँ गोबर से दीपक, धूपबत्ती एवं जैविक उत्पाद बनाए जाते हैं. खेतों में उगाए जाने वाले हरे चारे और जैविक खाद की मदद से गौशाला हर माह 12 लाख रुपये के खर्च के बावजूद आत्मनिर्भर बनी हुई है. सचिव श्रद्धानंद सिंह के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 40 क्विंटल हरा चारा और हर माह दो टन मक्का-सत्तू चोकर गायों को खिलाया जाता है. गौशाला का वार्षिक बजट लगभग 1.5 करोड़ रुपये है. यह गौरक्षा केंद्र न केवल गायों की सेवा करता है बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाते हुए क्षेत्र की पहचान भी बना हुआ है.

एक नजर

दीपावली, लक्ष्मी और काली पूजा धूमधाम से संपन्न

केरेडारी। केरेडारी में दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाई गई. सोमवार रात सभी घरों में मिट्टी के दीये और कैंडिल जलाए गए, साथ ही आतिशबाजी से त्योहार की खुशी व्यक्त की गई. चट्टी पेटो और बसरिया गांव में माता लक्ष्मी की विशेष पूजा हुई, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम और मेले का आयोजन भी किया गया. कराली गांव के काली मंदिर में काली पूजा का आयोजन भी भक्तिमय तरीके से सम्पन्न हुआ. केरेडारी प्रखंड के कई गांवों जैसे सलगा, कुटहान, जोको, सायल, बेला पेटो, पगार आदि में यह त्यौहार उल्लास के साथ मनाया गया. प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. दीपावली के दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, जिससे त्योहार सुरक्षित और सफल रहा.

हजारीबाग डेंटल कॉलेज और मिशन हॉस्पिटल ने ओल्ड एज होम व अनाथ आश्रम में मनाया दीपोत्सव

हजारीबाग। कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल एवं मिशन हॉस्पिटल ने दीपावली के पावन पर्व पर दीपुगढा स्थित ओल्ड एज होम और अनाथ आश्रम में मिठाई वितरित कर दीपोत्सव का उल्लासपूर्ण आयोजन किया. इस अवसर पर वृद्धाश्रम में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों और अनाथ आश्रम के बच्चों के चेहरे पर मिठाई पाकर खुशी और उत्साह साफ नजर आया. इस आयोजन के माध्यम से जरूरतमंदों में खुशियाँ बांटते हुए एक अनोखा संदेश दिया गया. मिठाई वितरण कार्य में हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सीनियर एकाउंटेंट पंकज कुमार पुरी ने सक्रियता एवं तत्परता दिखाई. इस मौके पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव एवं मिशन हॉस्पिटल के संचालन डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपोत्सव पर हर चेहरे पर खुशी और उत्साह हो, यही हमारा प्रयास है.

ब्रह्मऋषि समाज ने धूमधाम से मनाई बिहार केशरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 138 वीं जयंती

हजारीबाग । स्वामी सहजानन्द सेवा संस्थान (ब्रह्मऋषि समाज) हजारीबाग द्वारा स्थानीय पुलिस लाइन स्थित राजकीयकृत श्रीकृष्ण आरक्षी बाल उच्च विद्यालय के श्रीकृष्ण सभागार में बिहार केशरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 138वीं जयंती समारोह धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, प्रो. रामप्रिय बाबू, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित ब्रह्मऋषि समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे. सभी ने श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने श्रीकृष्ण सिंह की प्रतिमा स्थल के जर्जर भवन के पुनर्निर्माण में सहयोग का भरोसा दिया. प्रो. रामप्रिय बाबू ने श्रीकृष्ण सिंह के जीवन और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर प्रकाश डाला और समाज को उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया. सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने उनके कार्यों को देखते हुए भारत सरकार से उन्हें भारत रत्न पुरस्कार देने की मांग की. कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चला. ब्रह्मऋषि समाज के कई अन्य पदाधिकारी और गणमान्य लोग भी मौजूद थे.

भगवान चित्रगुप्त की पूजा आज, चौपारण में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का माहौल

चौपारण (हजारीबाग)। कायस्थ समाज के आराध्य भगवान चित्रगुप्त की पूजा गुरुवार को चौपारण प्रखंड में श्रद्धा और उल्लास के साथ की जाएगी. पूजा को लेकर चौपारण बाजार, दादपुर, बरवाडीह, टिटहीं सहित कई गांवों में तैयारियाँ पूरी हो चुकी हैं. कहीं भगवान की मूर्ति स्थापित की जाएगी तो कहीं चित्र रूप में विधिवत पूजन होगा. कायस्थ समाज के लोग कलम-दवात, लेखनी, कागज और बही-खातों की पूजा कर ज्ञान, न्याय और समृद्धि की कामना करेंगे. पूजा के उपरांत प्रसाद वितरण और पारिवारिक भोज का आयोजन होगा. मान्यता है कि भगवान चित्रगुप्त यमराज के सचिव रूप में मनुष्यों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं. इसी दिन उनका जन्म यम द्वितीया को हुआ था. स्थानीय पूजा समितियाँ सक्रिय हैं और युवाओं में उत्साह चरम पर है. श्रद्धालुओं ने इसे केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सत्य और कर्म की साधना का दिन बताया.

डेबो के वार्ड सदस्य के साथ मारपीट, घायलावस्था में चौपारण अस्पताल में भर्ती, हजारीबाग रेफर

चौपारण। प्रखंड के डेबो पंचायत के वार्ड सदस्य रामदेव यादव के साथ मारपीट की घटना हुई,जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका प्राथमिक उपचार किया गया. सूचना मिलते ही पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला अस्पताल पहुँचे और वार्ड सदस्य की स्थिति की जानकारी ली. उन्होंने चिकित्सकों से बातचीत कर उनके इलाज की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया तथा शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रामदेव यादव को हजारीबाग रेफर कर दिया है. फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है. घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है.

चरही में दीपोत्सव धूमधाम से मनाया गया, काली पूजा का भव्य आयोजन

चरही। कोयलांचल क्षेत्र में अमावस्या के दिन दीपोत्सव अर्थात दीपावली बड़े धूमधाम से मनाया गया. घर-घर में घी से बने मिट्टी के दिए जलाए गए और छतों तथा मंदिरों को बिजली सजावट से सजाया गया. रात्रि में भगवती लक्ष्मी एवं भगवान श्री गणेश की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई. कई स्थानों पर मां काली की भी मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से पूजा हुई. पूजा के बाद बच्चे व युवक फुलझड़ी व पटाखे जलाकर त्योहार की रौनक बढ़ाते रहे.

मांडू विधायक के प्रयास से उपरैली मुरगांव में नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित

विष्णुगढ़। प्रखंड के उपरैली मुरगागंव के आदिवासी टोला (डुमरसोंघा) में मांडू विधायक निर्मल महतो के प्रयास से 25 केबीए क्षमता का नया ट्रांसफॉर्मर लगाया गया है. मंगलवार को इसका उद्घाटन भाजपा पश्चिम मंडल अध्यक्ष किशोर मंडल, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र बरणवाल और आजसू प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार मंडल ने फीता काटकर किया. इस दौरान अशोक मंडल, सुनील मिश्रा, गुलाम मुस्तफा, सुरेश हांसदा, झरी मांझी, महावीर सोरेन समेत ग्रामीणों की बड़ी संख्या मौजूद रही. ग्रामीणों ने विधायक निर्मल महतो का धन्यवाद करते हुए कहा कि नया ट्रांसफॉर्मर लगाने से बिजली की समस्या दूर होगी. इससे किसानों और छात्रों को विशेष लाभ मिलेगा, और क्षेत्र में बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी. इस उपलब्धि से क्षेत्रवासियों में खुशी और उम्मीद की नई किरण जगी है.

दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ में मां काली की पूजा विधि-विदान से की गई

हजारीबाग। शहर के शिवपुरी वार्ड 22 स्थित दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ में मां काली की पूजा बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई. मंदिर परिसर और आसपास की मुख्य सड़कों को रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा से सजाया गया था. हर वर्ष की तरह इस बार भी वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की गई. पूजा अनुष्ठान में मुख्य यजमान प्रशांत कुमार प्रधान, डॉ. प्रभात कुमार प्रधान, शिवम प्रधान, गोलू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे. पूजा में आचार्य जगदीश दास और शिवम पांडे ने पुजारी की भूमिका निभाई. पूजा के बाद महाप्रसाद वितरण किया गया, जिसमें हवन के बाद खिचड़ी और भोग प्रसाद शामिल था. हजारों श्रद्धालु, शिवपुरी और आसपास के क्षेत्रों से आए, जिन्होंने मां काली के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया.

ब्रीफ न्यूज

दुकान में लगी आग तीन लाख का नुकसान

गुमला। दीपावली की रात दुकान में आगजनी की घटना से घर सहित दुकान में रखे लगभग तीन लाख रुपये के सामानों का नुकसान हुआ है. घटना सोमवार की रात की है. गुमला थाना क्षेत्र के मुरकुंडा गांव में संजय ओहदार के मकान में शुभम प्रसाद साहु का हार्डवेयर और किराना का दुकान था। दुकान में देर रात आग लग गई. आस-पास के लोग कुछ समझ पाते कि आग लपटें धधकने लगा. आग की लपट से चारों ओर उजाला हो गया और आकाश में धुआं भर गया.

वाहन की चपेट में आकर महिला की मौत

रातू। थाना क्षेत्र के दलादिली रिंग रोड के समीप सरना होटल के पास एक वृद्ध महिला की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई. घटना उस समय हुई जब वृद्ध महिला सड़क पार कर रही थी. अचानक तेज गति से आ रहा वाहन उसे टक्कर मारते हुए वहां से फरार हो गया. वृद्ध महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. राहगीर महिला को घायल अवस्था में देखकर तुरंत मदद के लिए जुटे.

राहे में श्रद्धा के साथ मनाई गई काली पूजा

राहे। प्रखंड में बंगाली समुदाय द्वारा माता काली की पूजा भक्ति और श्रद्धा के साथ बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई. सोमवार की रात बंगाली समुदाय के दो प्रमुख काली मंदिरों में भव्य काली प्रतिमा स्थापित की गई. काली मंदिरों में भक्तों ने माता काली की पूजा अर्चना की और पुष्प अर्पित करते हुए देवी की महिमा का गुणगान किया.

इटकी के गांवों में धूमधाम से मनाई गई दीपावली पर्व

इटकी। इटकी समेत आस-पास के गांवों में दीपों का त्योहार दीपावली बड़ी धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया. महिलाएं मंदिरों में जाकर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना में लगी रहीं. इस अवसर पर घरों और प्रतिष्ठानों को आकर्षक तरीके से सजाया गया. खासतौर पर करंज तेल और मिट्टी के दीयों से जगह-जगह रोशनी की गई, जिससे पूरे क्षेत्र में प्रकाश की चमक फैल गई. घरों में लक्ष्मी और गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा की गई.

ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर तीन रंगों से सजाया पूजा पंडाल

शुभम संदेश। सिमडेगा

कोलेबिरा में इस वर्ष लक्ष्मी पूजा के मौके पर बजरंगबली मंदिर परिसर को भव्य और देशभक्ति के रंगों से सजाने की तैयारी पूरी हो गई है. रण बहादुर सिंह चौक स्थित मंदिर परिसर में इस बार का पंडाल खास आकर्षण का केंद्र बनने वाला है, क्योंकि पूजा समिति ने "ऑपरेशन सिंदूर" से प्रेरणा लेकर इसे तिरंगे के रंगों में सजाने का निर्णय लिया है. केसरिया, सफेद और हरे रंग की थीम के साथ तैयार यह पंडाल देश की एकता, शांति और समर्पण का संदेश देता नजर आएगा. पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि इस बार का पंडाल देश सेवा के प्रति समर्पित रहेगा और खास तौर पर "ऑपरेशन सिंदूर" के अंतर्गत शहीद जवानों के साहस, जज़्बे और बलिदान को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से यह थीम अपनाई गई है. पूरे मंदिर परिसर और आसपास के चौक-चौराहों को रंगीन लाइटों, झालरों और आकर्षक सजावटों से जगमगाया गया है. शाम होते ही रोशनी की चमक से पूरा क्षेत्र दिवाली जैसी रौनक लिए हुए प्रतीत होता है, जिससे कोलेबिरा का हर कोना उत्सव की भावना से भर उठता है. इस बार पूजा के धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ श्रद्धालुओं और आगंतुकों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है. स्थानीय और आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभाशाली कलाकार नागपुरी और पारंपरिक नृत्य, गीतों के माध्यम से उत्सव को और भी जीवंत बनाएंगे. इससे पूजा स्थल पर आने वाले लोगों को न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक अनुभव भी मिलेगा. सुरक्षा, सफाई और यातायात प्रबंधन की विशेष तैयारियां कर श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया है. समिति के एक सदस्य ने बताया, "हमारा पंडाल सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव भी दर्शाता है.

गुमला व आसपास के क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी दीपावली

घर-घर में बनाई गई रंगोली मिट्टी के दीए से पूरा शहर हुआ रौशन

शुभम संदेश। गुमला

गुमला और आसपास के क्षेत्रों में दीपों का पर्व दीपावली अत्यंत धूमधाम और पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. सोमवार को दिनभर की तैयारियों के बाद शाम होते-होते पूरा शहर और गांवों का माहौल दीपों, रंगोली और आतिशबाजियों से रौशन हो उठा. महिलाओं और कन्याओं ने अपने घरों के द्वारों और आंगनों को रंग-बिरंगी रंगोलियों से सजाया, वहीं दीप जलाकर घर-आंगन को प्रकाशमय कर दिया.

हर घर में रौनक थी और बच्चों की किलकारियां इस पर्व की खुशी को और बढ़ा रही थीं. इस शुभ अवसर पर लोगों ने पहले से ही दीपावली की तैयारियां कर रखी थीं. तेल के दीए, पूजा सामग्री, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, श्रीयंत्र जैसी पूजन वस्तुएं लोगों ने पहले ही खरीद ली थीं. सोमवार की सुबह से ही गुमला के बाजारों में कमल और गेंदे के फूलों, धान की बालियों और आम के पल्लव से सजी दुकानें नज़र आने लगीं. घरों की सजावट के लिए लोगों ने अपने पसंदीदा फूलों की खरीदारी की, साथ ही कृत्रिम फूलों की झालरों की भी खूब बिक्री हुई. दोपहर तक घरों की साफ-सफाई और सजावट का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया. इसके बाद महिलाएं रंगोली बनाने में जुट गईं. बच्चों ने मोमबत्तियां और रंग-बिरंगे दीयों से घरों को सजाया. चाइनीज रंगीन लाइटों से घरों की दीवारें और छतें जगमगा उठीं, जिससे हर गली-मोहल्ला किसी मेले की तरह दमकता दिखा. शाम होते ही घर-घर में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ गणेश-लक्ष्मी और कुबेर की पूजा की गई.

लोगों ने माता लक्ष्मी से घर में सुख-समृद्धि और धन-धान्य की कामना की, वहीं भगवान गणेश से विघ्नों की समाप्ति व शांति की प्रार्थना की. बड़े प्रतिष्ठानों और दुकानों में पंडितों द्वारा विधिपूर्वक पूजा संपन्न कराई गई, जबकि अधिकतर घरों में लोगों ने स्वयं पूजा अर्चना की. पूजन के पश्चात आतिशबाजी का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा. रंग-बिरंगी फुलझड़ियों और आसमान में छूटते रॉकेटों ने बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह भर दिया.

बिहार में बनेगी महागठबंधन की सरकार: शकील अख्तर

लोहरदगा। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. इसी क्रम में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व जिला अध्यक्ष शकील अख्तर एवं पूर्व जिला महासचिव खुर्शीद आलम के नेतृत्व में एक टीम ने बिहार रवाना होने की जानकारी दी. उन्होंने दावा किया कि इस बार 14 नवंबर को बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी और जनता परिवर्तन की सरकार चुनेगी. शकील अख्तर ने बताया कि वे राजद के राष्ट्रीय महासचिव अभय सिंह एवं झारखंड सरकार में श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव के निर्देश पर बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए रवाना हो रहे हैं.

सेन्हा में स्वामी कृष्ण चैतन्य का आगमन

सेन्हा। लोहरदगा के सेन्हा में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मार्गदर्शक मंडल के संयोजक स्वामी कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी जी का आज सेन्हा प्रखंड स्थित विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल कार्यालय में आगमन हुआ. इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद सेन्हा के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार साहू एवं बजरंग दल संयोजक सुरेंद्र साहू ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया. स्वामी जी ने 30 अक्टूबर को मनाए जाने वाले ₹बलिदान दिवस₹ की महत्ता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला. ज्ञात हो कि 30 अक्टूबर 1990 को अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवा करते हुए कई रामभक्त शहीद हुए थे.

पूजा पंडालों में श्रद्धा व भक्ति से हो रही है मां काली की पूजा

गुमला। शहर के लगभग आधा दर्जन से अधिक पूजा पंडालों में सोमवार की मध्य रात्रि मां काली एवं मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और माता सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर श्रद्धा भक्ति आस्था और विश्वास के साथ पूजा अर्चना किया. गुमला के डीएसपी रोड में महामया पूजा समिति द्वारा भव्य पंडाल बनाया गया है. पंडाल के अंदर मां काली की पूजा विधि पूर्वक की जा रही है. इसी तरह गुमला के लक्ष्मी मंदिर और देवी मंदिर में मां लक्ष्मी, सरस्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जा रही है. सिसई रोड कुम्हारटोली में मां काली की, मुरली बगीचा में मां काली की पूजा हो रही है. इन सभी पूजा पंडाल दूधिया प्रकाश से गुलजार है वहीं तोरण द्वार से लेकर पूजा पंडाल तक रंगीन रोशनी की सजावट आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. महावीर चौक पुराना नगर परिषद कार्यालय के समीप मां काली पूजा की भव्य पंडाल बनाया गया है. पालकोट रोड के शक्ति मंदिर में भी काली पूजा सह सेवा समिति की ओर से पूजा अर्चना मां काली की पूजा अर्चना की गई है. संध्या आरती में सभी पूजा पंडालों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही थी। माता के दरबार में माथा टेक कर लोग अपने सुख शांति और समृद्धि की कामना की. सभी पूजा पंडालों में बज रहे धार्मिक गीत से भक्ति की गंगा प्रवाहित हो रही है. रंगीन रोशनी से पूजा पंडाल जगमगा रहा है.

दीपावली में भक्तों ने मां काली का लिया आशीर्वाद

बुंडू। रांची के बुंडू में काली पूजा और दीपावली का पर्व इस वर्ष बेहद धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया. भक्तों ने मां काली की पूजा हेतु पूरे दिन उपवास रखा और रात्रि में विधिवत पूजा-अर्चना की. नगर के प्रमुख काली मंदिरों – चौक बाजार काली मंदिर, ऋषि काली मंदिर, बुढ़ी काली मंदिर और मांझीटोली स्थित सात्विक काली मंदिर को फूलों और रंग-बिरंगी विद्युत लाइटों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया. पूजा के पश्चात भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया. चौक बाजार काली मंदिर परिसर में सुबह खीर और पुलाव, तथा दोपहर में खिचड़ी भोग का वितरण किया गया, जबकि ऋषि काली मंदिर में खीर और मिठाई प्रसाद के रूप में बांटी गई. पूजा स्थल पर महिला श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे माहौल और भी श्रद्धाभाव से परिपूर्ण हो गया. पूरे नगर में दिवाली की जगमगाहट देखने लायक रही. घर-घर दीप जलाए गए और पटाखों की गूंज से वातावरण उत्सवमय हो गया. वहीं उरांव टोली क्षेत्र में मेले जैसा नजारा देखने को मिला, जहां लोग पारंपरिक रूप से जुआ खेलते नजर आए. काली पूजा और दीपावली का यह पर्व नगरवासियों के लिए आस्था, उल्लास व सामाजिक मेलजोल का प्रतीक बनकर सामने आया.

सुहागिनों ने की गोवर्धन पर्वत और भगवान श्री कृष्ण की पूजा-अर्चना

गुमला। मारवाड़ी परिवार के सुहागिनों ने मंगलवार की सुबह गुमला के एसएस हाई स्कूल रोड स्थित अपने घर के बरामदा में गोवर्धन पर्वत और भगवान श्री कृष्ण की पूजा की और घर परिवार के सुख शांति समृद्धि की कामना की. सुहागिनों ने बताया कि आंधी पानी के आपदा काल में भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपने उंगली में उठाकर सृष्टि के समस्त प्राणियों की रक्षा की थी. भगवान श्री कृष्ण के प्रति आस्था और विश्वास के साथ गोवर्धन पर्वत के प्रति आभार प्रकट करने के लिए दीपावली के दूसरे दिन भगवान श्री कृष्ण की गोवर्धन रूप में पूजा की परंपरा है. मारवाड़ी सुहागिनों ने गौ माता के गोबर को पर्वत रूप मानकर उसकी श्रद्धा भक्ति आस्था और विश्वास के साथ पूजा की. पूजा में सरला गोयल, प्रेम गोयल, रेनू गोयल, लता गोयल, मंजू गोयल, अंकिता गोयल, श्वेता गोयल, स्वाति गोयल, नेहा गोयल, पारुल गोयल, स्नेहा गोयल आदि शामिल थे. पूजा के बाद सुहागिनों ने अपने से बड़ों का आशीर्वाद लिया.

राजनीति

पिड़ियापोंष पंचायत में वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी बोले

सरकार देश के संस्थानों का निजीकरण कर रही है

शुभम संदेश। कोलेबिरा

कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के बोलवा प्रखंड के पिड़ियापोंष पंचायत में बेलकुबा और सेमरबेरा में वोट चोर गद्दी छोड़ने एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी, जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, प्रखंड पर्यवेक्षक बिपिन पंकज मिंज सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि देश के दबे-कुचले, शोषित आदिवासी, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग केंद्र सरकार के रवैए से गहराई से मर्माहत हैं. उन्होंने कहा कि इन वर्गों की स्वतंत्रता और अधिकारों को हर संभव तरीके से कुचलने का प्रयास लगातार जारी है. कभी आरक्षण के अधिकारों को खत्म करने का प्रयास, कभी धार्मिक उन्माद फैलाकर समाज में भय पैदा करने की कोशिशें की जा रही हैं. संविधान में दिए गए अधिकारों को कमजोर करने का काम भी सरकार की मानसिकता से स्पष्ट होता है.

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार देश के संस्थानों का निजीकरण कर रही है और आरक्षण जैसे संवैधानिक अधिकारों को समाप्त करने पर तुली है. मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यक समुदायों के धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाकर उनकी धार्मिक स्वतंत्रता को भी बाधित किया जा रहा है. इसके साथ ही वोटिंग के अधिकार से भी इन्हें वंचित रखने के षड्यंत्र रचे जा रहे हैं. विधायक ने कहा कि बाबा भीमराव अम्बेडकर द्वारा बनाए गए संविधान ने सभी वर्गों और समुदायों को समान अधिकार और स्वतंत्रता दी है. लेकिन आज सत्ता में बैठे लोग उन अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे शोषित वर्गों का जीवन कठिन होता जा रहा है. उन्होंने सभी से अपील की कि वे इस साजिश को विफल करने के लिए एकजुट होकर संकल्प लें और अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ें. कार्यक्रम में संजय कुजुर, ज्वलंत बेक, अमृत, सुनील एक्का, रोशन सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे.

सिगीद के एक घर में लगी आग, सामान खाक

सोनाहातू। तेलवाडीह पंचायत अंतर्गत सिगीद गांव में सोमवार की रात लगभग 3 बजे गहनू राम महतो के मकान में अचानक आग लग गई. आग की चपेट में आने से पूरा मकान जलकर खाक हो गया. आग लगने से घर के सभी घरेलू सामान, कपड़े और अनाज जलकर राख हो गए. घटना की सूचना गांव वालों ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो को दी. सूचना मिलते ही उन्होंने तत्परता दिखाते हुए अग्निशमन विभाग को सूचित किया, जिसके कारण दमकल की गाड़ी शीघ्र ही गांव पहुंची. दमकलकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया. पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि फणी भूषण सिंह मुंडा और वार्ड सदस्य अक्षय कुमार सिंह मुंडा भी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में मदद की. ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से बड़ी तबाही टलने में भूमिका निभाई.

एक नजर

निगनी गांव में काली पूजा में अमन-शांति की कामना के साथ उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

लोहरदगा। निगनी गांव में परंपरागत काली पूजा इस वर्ष भी भव्य और श्रद्धामय वातावरण में आयोजित की गई. पूजा समारोह में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. पूरा गांव "जय मां काली" के उद्घोष से गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया. इस विशेष अवसर पर लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि डॉ. टी. साहू समारोह के आजीवन संरक्षक के रूप में सम्मिलित हुए. दोनों अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर जिले में शांति, सौहार्द और समृद्धि की कामना की. "मां काली से यही प्रार्थना है कि जिले में भाईचारा बना रहे और लोग प्रेमपूर्वक त्योहारों को मनाएं. पुलिस प्रशासन सदैव शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए तत्पर है." पूरे दिन और देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पंडाल में उमड़ती रही.

भरनो में कुएं में डूबने से युवक की दर्दनाक मौत

गुमला। भरनो थाना क्षेत्र के मारासिली गांव में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें जीतवाहन उरांव (35 वर्ष) की मौत कुएं में डूबने से हो गई. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक शाम के समय अपने घर से कुछ दूर स्थित कुएं में पानी भरने गया था. संभावना जताई जा रही है कि पानी भरते समय उसका पैर फिसल गया, जिससे वह सीधे कुएं में जा गिरा. आसपास मौजूद लोगों ने शोर सुनकर तत्काल मौके पर पहुंचकर उसे बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. जब तक ग्रामीणों ने उसे कुएं से बाहर निकाला, उसकी मौत हो चुकी थी. घटना की जानकारी मिलने पर भरनो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा. पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया.

बाइक की आमने-सामने टक्कर में चार घायल

गुमला। कार्तिक उरांव कॉलेज रोड स्थित नवाटोली के पास मंगलवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में चार लोग घायल हो गए. हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और सभी सवार सड़क पर गिर पड़े. घायलों में सबसे ज्यादा गंभीर उर्मी टीराटोली निवासी इंद्रनाथ नायक और उनका पुत्र अरविंद नायक हैं. दोनों को सिर में गंभीर चोटें आई हैं. स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तुरंत सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने अरविंद की हालत चिंताजनक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया. इंद्रनाथ नायक का इलाज फिलहाल गुमला सदर अस्पताल में चल रहा है. हादसे में दूसरी बाइक पर सवार दो युवक भी घायल हुए हैं.

कोहीपाट में फांसी लगाकर महिला ने दी जान

गुमला। घाघरा थाना क्षेत्र के कोहीपाट डीपाटोली निवासी 48 वर्षीय फुलमनी मिंज ने सोमवार के दोपहर में अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिजनों ने तत्काल फांसी के फंदे से उतार कर महिला को सदर अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. जानकारी के अनुसार महिला घर में अकेली थी. घर लौटने पर बेटे की नजर फांसी के फंदे में झूलते अपनी मां पर पड़ी. आस-पास के लोगों को बुलाकर तत्काल महिला को फंदे से उतारा. अस्पताल लाने के क्रम में उसकी मौत हो चुकी थी. घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है.

दुर्गम क्षेत्र के गांवों को 11 नई सड़क का सौगात

गुमला। जिले के अत्यंत दुर्गम दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) को आवागमन की सुलभ सुविधा के रूप में दीपावली का तोहफा मिला है. मई 2025 में स्वीकृत ग्यारह सड़कों की टेंडर प्रक्रिया आरंभ हो गई है. उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने बताया कि गुमला के दुर्गम क्षेत्र में आदिम जन जाति एवं विशेष रूप से कमजोर वर्ग के जनजातीय समूह का निवास हैं जहां आवागमन की सुविधा नहीं है. जिला प्रशासन की ओर से सड़क निर्माण के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने स्वीकृत कर दिया है. उपायुक्त के अनुसार 11 सड़कों की कुल लंबाई 47.699 किलोमीटर है जिसका अनुमानित लागत 45.8295 करोड़ है.

सिमडेगा में मोगदा ढाबा पर लूटपाट और मारपीट

सिमडेगा। बांसजोर ओपी अंतर्गत जलडेगा क्षेत्र के तरगा गांव में मोगदा ढाबा पर बड़ी हिंसक घटना सामने आई है. सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बांसजोर ओपी सशस्त्र बलों के साथ मौके पर पहुंचे, जहां देखा गया कि पताराटोली गांव के लगभग 30-35 महिला-पुरुष ढाबा संचालक सुखजींदर सिंह और उनके स्टाफ परगट सिंह पर बुरी तरह से हमला कर रहे थे. मारपीट के दौरान दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे और होटल में तोड़फोड़ भी की जा रही थी. भीड़ अत्यंत उग्र थी और घायलों को अस्पताल ले जाने नहीं दे रही थी. थाना प्रभारी एवं पुलिस बलों ने मामले को काबू में करने का प्रयास किया, लेकिन अपराधी पुलिस पर भी हमला करने लगे और घेराव कर धक्का-मुक्की की.

लोहरदगा में हथियार के साथ घूम रहा अपराधी गिरफ्तार

लोहरदगा। जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत चेटर-जिंगी मुख्य पथ पर किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में हथियार लेकर घूम रहे एक अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.एसपी सादिक अनवर रिजवी को गुप्त सूचना मिली थी कि चेटर गांव में एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार के साथ घूम रहा है. सूचना के आधार पर थाना प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया. पुलिस टीम ने चेटर गांव में दबिश दी और एक युवक को हिरासत में लिया. पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम जसीम पवरियां बताया. उसके घर की तलाशी लेने पर पुलिस ने एक देसी कट्टा, दो जिंदा गोली, एक मिट्टी लगी गोली और 12 बोर की तीन गोली बरामद की.

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

सिमडेगा। पूरे देश में 21 अक्टूबर को पुलिस संस्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है. इस विशेष दिन पर उन वीर पुलिसकर्मियों को याद किया जाता है, जिन्होंने अपने कर्तव्य पालन के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया है. सिमडेगा पुलिस केंद्र में भी इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवानों ने हिस्सा लिया और शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी.

राहे में सोना इंटीरियर हब का उद्घाटन

राहे। दिवाली के शुभ अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने सोना इंटीरियर हब का विधिवत उद्घाटन किया. उन्होंने बताया कि यह केंद्र ग्रामीण क्षेत्र में न केवल आधुनिक इंटीरियर सुविधा उपलब्ध कराएगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन का भी बड़ा माध्यम बनेगा. सोना इंटीरियर हब आधुनिक व्यावसायिक सोच का एक प्रेरणादायक उदाहरण है. हब के संचालक विनोद बनर्जी ने कहा कि यहां ग्राहकों को डब्ल्यूपीसी, पीवीसी, चारकोल, पीयू, स्टोन मार्बल रॉल समेत कई नवीनतम और टिकाऊ गृह सज्जा उत्पाद थोक और खुदरा दोनों रूपों में किफायती दरों पर उपलब्ध होंगे. इससे ग्रामीण ग्राहक भी आधुनिक और बेहतर क्वालिटी के सामान का लाभ उठा सकेंगे. उद्घाटन समारोह में सोना इंटीरियर हब के संचालक परिवार के सदस्य, आजसू प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो, हलधर पांडे, विमल बैठा, दीपक महतो, अशोक बैठा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

मंथन

पटाखों के धुएं से शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ा

हर वर्ष दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जाता है. यह रौशनी और खुशियों का पर्व है, परंतु पिछले कुछ वर्षों से यह त्योहार पर्यावरण के लिए एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है. दीपावली पर भारी मात्रा में पटाखों का जलाया जाना वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण बन गया है. इससे शहरों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो जाती है और लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है.पटाखों से निकलने वाला धुआं न केवल कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें छोड़ता है, बल्कि इससे ध्वनि प्रदूषण भी होता है. इन गैसों से श्वसन संबंधी रोग जैसे अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, खांसी, और आंखों में जलन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं. विशेषकर बच्चों, वृद्धों और रोगियों को इससे अधिक परेशानी होती है. इसके अलावा, पटाखों के कारण शहरों में अस्थायी धुंध छा जाती है, जिससे दृश्यता कम हो जाती है और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है. जानवरों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि तेज आवाज़ और रोशनी से वे भयभीत हो जाते हैं.हमें समझना होगा कि त्योहार मनाने का अर्थ दूसरों को कष्ट देना नहीं है. यदि हम ईको-फ्रेंडली दीपावली मनाएं, बिना पटाखों के, तो यह हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए लाभकारी होगा. सरकार द्वारा लगाए गए पटाखा प्रतिबंधों का पालन करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना हम सबकी जिम्मेदारी है. इस प्रकार, एक स्वच्छ और शांतिपूर्ण दीपावली ही सच्चे अर्थों में हमारी संस्कृति और भविष्य की रक्षा कर सकती है.

नजरिया

बिहार में महागठबंधन टूटने से भाजपा को फायदा होगा!

बिहार की राजनीति में महागठबंधन का टूटना एक बड़ा घटनाक्रम है, जिसका प्रभाव राज्य की राजनीति के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ेगा. महागठबंधन में राजद, जदयू, कांग्रेस और कुछ छोटे दल शामिल थे. इसका उद्देश्य भाजपा को सत्ता से दूर रखना था, लेकिन आपसी मतभेद, नेतृत्व संघर्ष और वैचारिक असहमति के कारण यह गठबंधन लंबे समय तक टिक नहीं सका.महागठबंधन के टूटने से भाजपा को निश्चित रूप से राजनीतिक लाभ मिलने की संभावना है. पहला कारण यह है कि विपक्ष का बिखराव भाजपा को एकजुट और संगठित विकल्प बनने का अवसर देता है. जब विपक्ष आपसी कलह में उलझा रहता है, तब भाजपा अपने एजेंडे को मजबूती से आगे बढ़ा सकती है.दूसरा कारण है कि नीतीश कुमार की जदयू यदि भाजपा के साथ पुनः गठबंधन करती है, तो दोनों दलों का संयुक्त जनाधार काफी मजबूत हो सकता है. इससे बिहार में भाजपा को सत्ता में आने का बेहतर अवसर मिल सकता है, विशेषकर तब जब विपक्ष बिखरा और असमंजस में हो.हालांकि यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि बिहार की जनता क्षेत्रीय दलों की भूमिका को भी महत्व देती है. यदि विपक्षी दल महागठबंधन के टूटने के बाद भी नई रणनीति बनाकर एकजुट होकर सामने आते हैं, तो मुकाबला कड़ा हो सकता है.फिर भी, वर्तमान परिस्थिति में देखा जाए तो महागठबंधन के विघटन ने भाजपा के लिए राह थोड़ी आसान कर दी है. यदि भाजपा इस अवसर का सही राजनीतिक प्रबंधन करती है, तो उसे आगामी चुनावों में निश्चित रूप से लाभ मिल सकता है.

गोवर्धन पूजा भारतीय लोक जीवन में गाय की महत्ता को दर्शाता है

विजय केसरी

(22 अक्टूबर, कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा,गोवर्धन पूजा पर विशेष)

कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा अर्थात दीपावली के दूसरे दिन मनाया जाने वाला यह पर्व गोवर्धन पूजा के नाम से जाना जाता है. आदिकाल से गाय भारतीय लोक जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है.चूंकि भारत एक कृषि प्रधान देश के रूप में संपूर्ण विश्व में विख्यात है. कृषि कार्य में गौ वंश की उपयोगिता जग जाहिर है. गौ वंश लोक जीवन के लिए स्वास्थ्य का आधार भी माना जाता है. इतने वैज्ञानिक आविष्कारों के बावजूद भारत वर्ष में गौ वंश की उपयोगिता उसी तरह बनी हुई है. इसका सबसे प्रमुख कारण यह है कि हमारे ऋषि मुनियों ने हिंदू धर्मग्रंथों में ऐसी ऐसी लोक कथाओं का सृजन किया था, जो हमारी संस्कृति का हिस्सा बन चुका है. मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और भगवान कृष्ण दो ऐसे देव हुए जिन्होंने अपने मुखारविंद से भारतीय समाज को एक नया सूत्र दिया. ये सूत्र भी हमारी संस्कृति के प्रमुख आधार बन चुके हैं. भगवान राम के पूर्वज गौ वंश के रक्षक रहे थे. यह परंपरा भगवान राम के कालखंड में भी देखने को मिलता है. भगवान कृष्ण ने भी गौ वंश की महता और रक्षा का विधान भी हम सबों को दिया. द्वापर में भगवान कृष्ण के प्रमुख बाल सखाओं में गोप जाति के ही बालक शामिल थे.

हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार भगवान श्री कृष्ण ने अपने गोप बाल सखाओं को देवराज इंद्र के वर्षा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी एक उंगली में उठाकर रक्षा की थी. वहीं दूसरी ओर उन्होंने देवराज इंद्र के अहंकार को भी ध्वस्त किया था. इसलिए दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है. लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं. इस दिन देश भर के कृष्ण मंदिरों में भगवान के लिए विशेष रूप से प्रसाद का भोग लगाया जाता है. इस प्रसाद को कृष्ण भक्तों में बांटा जाता है. इस त्यौहार का भारतीय लोक जीवन में बहुत महत्व है. इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है. इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है. गोवर्धन पूजा में गोधन अर्थात गायों की पूजा की जाती है. हमारे शास्त्रों में वर्णित है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती है, जैसे नदियों में गंगा पवित्र है. गाय को माता देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है. देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख, समृद्धि प्रदान करती हैं, उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं. इनका बछड़ा खेतों में अनाज उगाता है. ऐसे गौ सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय और आदरणीय है. गोवर्धन पूजा गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है.

आगे कथा को विस्तार देते हुए पाठकों को यह बताना चाहता हूं कि जब भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उंगली पर उठाकर रखा और गोप-गोपिकाएं उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे थे . सातवें दिन भगवान ने गोवर्धन को नीचे रखा और प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी. तभी से यह उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा. गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र को अभिमान हो गया था. इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण जो स्वयं लीलाधारी श्री हरि विष्णु के अवतार हैं . उन्होंने एक लीला रची थी. प्रभु की इस लीला में यूं हुआ कि एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे थे, और किसी पूजा की तैयारी में जुटे. श्री कृष्ण ने बड़े भोलेपन से मईया यशोदा से प्रश्न किया मईया ये आप लोग किनकी पूजा की तैयारी कर रहे है ? कृष्ण की बातें सुनकर मैया बोली, लल्ला ! हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं. मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं ? मैईया ने कहा वह वर्षा करते हैं, जिससे अन्न की उपज होती है . उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है. भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये वहीं चरती हैं, इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है . इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं . अतः ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए.

आगे कथा में वर्णन है कि लीलाधारी की लीला और माया से सभी ने इन्द्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा की. देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा आरम्भ कर दी. प्रलय के समान वर्षा देखकर सभी बृजवासी भगवान कृष्ण को कोसने लगे कि, सब इनका कहा मानने से हुआ . तब मुरलीधर ने मुरली कमर में डाली और अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया. इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलतः वर्षा और तेज हो गयी. इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियंत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें. किन्तु इन्द्र निरन्तर सात दिनों तक मूसलाधार वर्षा करते रहे थे, तब उन्हे लगा कि उनका सामना करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता अतः वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतांत कह सुनाया. तब ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं, वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं. वे पूर्ण पुरूषोत्तम नारायण हैं. ब्रह्मा जी के मुख से यह सुनकर इन्द्र अत्यन्त लज्जित हुए. देवराज इंद्र ने श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका इसलिए अहंकार वश भूल कर बैठा. आप दयालु हैं और कृपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें. इसके पश्चात देवराज इन्द्र ने मुरलीधर की पूजा कर उन्हें भोग लगाया.

उक्त पौराणिक घटना के बाद से ही गोवर्धन पूजा की जाने लगी. बृजवासी इस दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं. गाय बैल को इस दिन स्नान कराकर उन्हें रंग लगाया जाता है. उनके गले में नई रस्सी डाली जाती है. गाय और बैलों को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है. इस दिन प्रातः काल शरीर पर तेल मलकर स्नान करने का प्राचीन परम्परा है. लोग सवेरे समय पर उठकर पूजन सामग्री के साथ में आप पूजा स्थल पर बैठ जाते हैं. वे अपने अपने कुल देव का, कुल देवी का ध्यान कर पूजा करते हैं. लोग पूरी श्रद्धा से गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर उसकी पूजा करते हैं. गोवर्धन की आकृति बनाकर उनके मध्य में भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति रखी जाती है. नाभि के स्थान पर एक कटोरी जितना गड्ढा बना लिया जाता है. और वहां एक कटोरी व मिट्टी का दीपक रखा जाता है. फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, मधु और बतासे इत्यादि डालकर पूजा की जाती है और फिर इसे प्रसाद के रूप में बांटा जाता है. गाय की पूजा के बाद में एक मंत्र का उच्चारण किया जाता है, जिससे लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं. जातक के घर में कभी धन की कमी नहीं रहती है.

आज का इतिहास

1796 : पेशवा माधव राव द्वितीय ने आत्महत्या.
1867 : नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबिया की आधारशिला रखी गयी.
1875 : अर्जेंटिना में पहले टेलीग्राफिक कनेक्शन की शुरुवात.
1879 : ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला राजद्रोह का मुकदमा बसुदेव बलवानी फड़के के खिलाफ.
1883 : न्यूयार्क में ओपेरा हाउस का उद्घाटन हुआ.
1962 : भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना 'भाखड़ा नांगल' राष्ट्र को समर्पित की गई.
1964 : फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखक ज्यां पाल सार्त्र ने नोबेल पुरस्कार ठुकराया.
1975 : 'वीनस-9' अंतरिक्षयान का शुक्र ग्रह पर अवतरण.
2004 : अंकटाड रिपोर्ट के अनुसार विदेशों में निवेश में भारत 14वें स्थान पर.

प्यासा कौआ : जहां चाह वहां राह

चिंतन

एक गर्मी के दिन, जब महीनों से बारिश नहीं हुई थी और सभी तालाब और नदियाँ सूख गई थीं, एक प्यासा कौआ पानी की तलाश में था. आखिरकार, उसे एक बगीचे में ठंडे पानी से भरा एक घड़ा दिखाई दिया और वह पानी पीने के लिए नीचे उड़ गया, लेकिन जब उसने अपना सिर चित्र के गले में डाला, तो वह आधा ही भरा था, और कौआ पानी तक नहीं पहुँच सका.
बेचारा कौआ जानता था कि अगर उसे पानी नहीं मिला तो वह जल्द ही प्यास से मर जाएगा. उसे चित्र में पानी तक पहुंचने का कोई रास्ता ढूंढना था क्योंकि वह चारों ओर देख रहा था, सोच रहा था कि क्या करे. उसने रास्ते में कुछ कंकड़ देखे और उसे एक विचार आया, उसने अपनी चोंच में एक कंकड़ उठाया और घड़े में डाल दिया. पानी का स्तर थोड़ा बढ़ गया. पक्षी ने एक और कंकड़ लिया और इसे पानी में डाल दिया. थोड़ा और. कौवे ने बहुत मेहनत की, और अधिक से अधिक बुलबुले चित्र में गिराए जब तक कि पानी लगभग शीर्ष पर नहीं पहुंच गया, आखिरकार, पक्षी पानी तक पहुंचने में सक्षम हो गया, और उसने तब तक पिया और पीया जब तक वह और नहीं पी सका. उसके चतुर विचार ने उसकी जान बचाई थी.
नैतिकः जहाँ चाह है, वहाँ राह भी है. बच्चों के लिए यह छोटी सी कहानी बच्चों को लचीलेपन और चतुराई से काम करने की अवधारणा को समझने में मदद करती है. हालाँकि घड़े में पानी बहुत कम था, फिर भी कौवे ने परिस्थिति की कठिनाई को देखते हुए हार नहीं मानी. उसने अपनी तेज सोच का इस्तेमाल किया और एक ऐसी योजना बनाई जिससे उसकी प्यास बुझ गई. घड़े में एक-एक करके कंकड़ डालने से भी वह थक गया, लेकिन जब तक पानी का स्तर ऊपर नहीं आ गया, वह रुका नहीं.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #PoliceCommemorationDay
2. #एमपीसीबी_पर्यावरणपूरक_दिवाळी पुलिस स्मृति
3. #MahuratWithPLCapital
4. #Thamma
5. भारतीय जनसंघ
6. #MuhuratTrading
7. Sanae Takaichi 37K
8. गोवर्धन पूजा
9. आजाद हिंद

बहुरंग

दिवाली के बाद बॉक्स ऑफिस पर 'थामा' और 'एक दीवाने की दीवानियत' में बड़ी टक्कर

दिवाली के जश्न के ठीक बाद मंगलवार, 21 अक्टूबर को बॉलीवुड बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्मों की टक्कर देखने को मिली है. एक तरफ है आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की 'थामा', जो 'मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स' की पांचवीं फिल्म है. दूसरी ओर है हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की रोमांटिक ड्रामा 'एक दीवाने की दीवानियत', जो त्योहार के बाद के सीजन में एक 'डार्क हॉर्स' बनकर उभर सकती है. आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी 'थामा' को जबरदस्त ओपनिंग मिलती नजर आ रही है. सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार, रिलीज से पहले फिल्म की एडवांस बुकिंग में 2.25 लाख से ज्यादा टिकट बिके हैं, जिससे 6.37 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई हुई है. ब्लॉक सीट्स को मिलाकर एडवांस बुकिंग की कुल वैल्यू 10.88 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है. इस फिल्म को 'स्त्री', 'भेड़िया' और 'मुंज्या' जैसी सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फिल्मों की लोकप्रियता का फायदा मिला है. साथ ही, आयुष्मान और रश्मिका की फ्रेश जोड़ी भी दर्शकों को थिएटर तक खींच रही है. लगभग 145 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म देशभर में करीब 5000 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है, जो इसकी बड़ी ओपनिंग का साफ संकेत है. दूसरी ओर, मिलाप जावेरी निर्देशित 'एक दीवाने की दीवानियत' ने भले ही मेट्रो शहरों में धीमी शुरुआत की हो, लेकिन सिंगल स्क्रीन्स और छोटे शहरों में इसने मजबूत पकड़ बनाई है. एडवांस बुकिंग के जरिए यह फिल्म 93,830 टिकट बेच चुकी है, जिससे 2.52 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई हुई है. ब्लॉक सीट्स मिलाकर यह आंकड़ा 4.09 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. करीब 50 करोड़ के बजट में बनी इस रोमांटिक फिल्म को 2500 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है. 'सनम तेरी कसम' की री-रिलीज और हालिया 'सैयारा' जैसी रोमांटिक हिट्स के बाद यह फिल्म जनरेशन जेड के बीच अपनी जगह बना सकती है. बॉक्स ऑफिस की शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'थामा' पहले दिन 15 से 20 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर सकती है. त्योहार के अगले दिन रिलीज होने का फायदा और हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइज़ी की ब्रैंड वैल्यू इसे मजबूत ओपनिंग दिला सकती है. वहीं, 'एक दीवाने की दीवानियत' से पहले दिन 6 से 8 करोड़ रुपये की कमाई की उम्मीद है. हालांकि, अगर शाम और रात के शोज में दर्शकों की भीड़ बढ़ी, तो यह फिल्म 10 करोड़ रुपये तक भी जा सकती है.

अभिनेता असरानी के जाने से गमगीन हुए अनुपम खेर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोवर्धन असरानी का 20 अक्टूबर को निधन हो गया. दिवाली के अवसर पर आई इस दुखद खबर ने फिल्म इंडस्ट्री और उनके चाहने वालों को गहरे सदमे में डाल दिया है. असरानी जी, जिन्होंने दशकों तक अपने अद्भुत अभिनय और हास्य प्रतिभा से लोगों का दिल जीता, अब इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं. अभिनेता अनुपम खेर ने अपने करीबी मित्र और वरिष्ठ कलाकार असरानी को भावुक श्रद्धांजलि दी. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, प्रिय असरानीजी! अपने व्यक्तित्व से दुनिया को बेहतर जगह बनाने के लिए धन्यवाद, ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन दोनों रूपों में! हम आपको बहुत याद करेंगे, लेकिन सिनेमा और लोगों को हंसाने की आपकी क्षमता आपको आने वाले सालों तक अमर रखेगी. ओम शांति. अनुपम ने वीडियो संदेश में कहा, थोड़ी देर पहले असरानी जी के बारे में पता चला और मन बहुत दुखी हो गया. पिछले हफ्ते ही उनसे बात हुई थी, वो शूटिंग कर रहे थे. उन्होंने कहा था कि वो मेरे एक्टिंग स्कूल में एक मास्टरक्लास लेने आना चाहते हैं. अनुपम ने यह भी याद किया कि असरानी न केवल एक शानदार कॉमेडियन थे बल्कि एक बेहतरीन शिक्षक भी रहे. उन्होंने (फिल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) में कई मशहूर कलाकारों को अभिनय सिखाया था. 84 वर्ष की आयु में असरानी का निधन हुआ, हालांकि अभी तक उनकी मृत्यु का कारण सामने नहीं आया है. उनका अंतिम संस्कार मुंबई के सांताक्रूज स्थित शास्त्री नगर श्मशान घाट में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में किया गया.

सामंथा ने दिवाली मनाई निदिमोरु के परिवार संग

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर सुर्खियों में हैं. इस बार वजह है उनकी दिवाली सेलिब्रेशन की तस्वीरें, जो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं. इन 20 खूबसूरत तस्वीरों में सामंथा के चेहरे पर रौनक और दिल में खुशी साफ झलक रही है. खास बात यह है कि उन्होंने यह त्योहार फिल्ममेकर और कथित बॉयफ्रेंड राज निदिमोरु की फैमिली के साथ मनाया. इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर चर्चा और तेज हो गई है. इन तस्वीरों में सामंथा पारंपरिक हरे रंग के आउटफिट में नजर आ रही हैं. उन्होंने रंग-बिरंगी लाइट्स, फुलझड़ियों और पटाखों के साथ दिवाली को बेहद खास अंदाज में मनाया. तस्वीरों में उनके साथ राज निदिमोरु, उनका परिवार और पेट डॉग्स भी दिखाई दे रहे हैं. सामंथा के चेहरे की मुस्कान और फैमिली के साथ उनकी केमिस्ट्री फैंस का दिल जीत रही है.

एक फैन ने कमेंट किया, "अब तो रिश्ता पक्का समझें", वहीं दूसरे ने लिखा, "हर किसी को खुश रहने का हक है." सामंथा और राज निदिमोरु के रिश्ते को लेकर पिछले कुछ महीनों से अफवाहों का बाजार गर्म है. हालांकि दोनों ने कभी खुलकर अपने रिश्ते पर बात नहीं की है, लेकिन साथ में जिम से निकलते और दुबई ट्रिप की तस्वीरों से उनके करीब होने के संकेत मिलते रहे हैं. दिवाली की इन तस्वीरों ने इन अटकलों को और हवा दी है. गौरतलब है कि राज निदिमोरु पहले से शादीशुदा हैं, लेकिन अब वह पत्नी श्यामली डे से अलग रह रहे हैं. श्यामली ने भी हाल के दिनों में कई क्रिप्टिक सोशल मीडिया पोस्ट किए हैं, जिससे अफवाहों को और बल मिला है. सामंथा पहले अभिनेता नागा चैतन्य की पत्नी थीं, लेकिन 2021 में दोनों का तलाक हो गया. तलाक के बाद यह पहली बार है जब सामंथा को किसी के साथ इतनी खुशी से त्योहार मनाते देखा गया है. वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा 'मां इंति बंगाराम' और 'रक्त ब्रह्मांडः द ब्लडी किंगडम' की शूटिंग में व्यस्त हैं. इन तस्वीरों के जरिए सामंथा ने अपने जीवन में एक नई शुरुआत का संकेत दिया है, जिसे उन्होंने दशहरे के मौके पर भी अपने नए घर की घोषणा के साथ साझा किया था.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी. लाभमार्ग प्रशस्त होगा. नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी. आनन्ददायक वातावरण बनेगा. शुभांक-3-6-8

वृष : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी. आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. शुभांक-1-3-5

मिथुन : व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. खान-पान में सावधानी रखें. नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. शुभांक-2-4-7

कर्क : अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. शुभांक-1-5-8

सिंह : नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम को प्राथमिकता से करें. कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी. शुभांक-3-6-8

कन्या : आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. अच्छे समय इन्तजार करें. कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें. शुभांक-6-7-9

तुला : लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. कामकाज की अधिकता रहेगी. लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा. दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी. शुभांक-5-7-8

वृश्चिक :शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा. बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा. शुभांक-2-5-7

धनु : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम पर पैनी नजर रखिए. विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा. शुभांक-3-6-8

मकर : मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. शुभांक-4-6-8

कुंभ : आलसी न बनें. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. शुभांक-3-5-6

मीन : बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-5-6-8

कला को संरक्षित करने का काम है आर्ट रेस्टोरर

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे।

दिन बदलते हैं, सदियां गुजरती हैं, लोग चले जाते हैं, पर तब भी कई चीजें ऐसी होती हैं, जो पुरानी यादों और पुराने लोगों की याद ताजा कराती रहती हैं। ऐसे में आर्ट कंजरवेशन बहुत जरूरी भूमिका निभाता है। इसके तहत एक आर्ट रेस्टोरर पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स आदि को दोबारा उसी रूप में संरक्षित कर देता है, जैसी वे सदियों पूर्व हुआ करती थी। उदाहरण के लिए आपके घर में कोई पेंटिंग है, जो 100 साल या फिर 50 साल या इससे भी अधिक पुरानी है। उस पर धूल जम गई है, उसकी चमक फीकी पड़ गई है। उसे देख कर ऐसा लगता है कि अब उसका कोई उपयोग नहीं रह गया। पर वह पेंटिंग आपके दिल के करीब है तो ऐसे में आप किसी आर्ट रेस्टोरर के पास जाकर उसे पुन- उसी रूप में ला सकते हैं, जैसे कि वह वर्षों पहले हुआ करती थी। लाल किला, कुतुब मीनार, ताजमहल जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए आर्ट रेस्टोरर अहम भूमिका निभाते हैं।

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे। कुछ प्राइवेट संस्थानों ने भी यह कोर्स शुरू किया है, पर नेशनल म्युजियम के आगे वे कहीं भी नहीं टिकते। इस कोर्स के दौरान आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यू स्क्रिप्ट आदि के बारे में ऐसी जानकारी दी जाएगी कि आप इन विषयों के डॉक्टर बन जाएंगे। यह कला से जुड़ा काम है, इसलिए मेहनत इसकी पूंजी है। लकड़ी के फ्रेम तैयार करना या फिर किसी मॉन्यूमेंट की दीवारों पर बांस की बल्ली के सहारे जाकर काम करना, ये सब इसमें शामिल है। इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्युजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाएगा। शुरू में आपको अनुभव के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ेगा। अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट स्टूडियो शुरू करने के साथ-साथ विदेशों में भी काम कर सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों की लाइब्रेरी भी आपको मौका दे सकती है। हां अब कई बड़ी कंपनियां आर्ट रेस्टोरर को बतौर कर्मचारी भी नियुक्त कर रही हैं। आर्ट रेस्टोरर बन कर आप लाखों रुपये महीने तक कमा सकते है। कला के शौकीनों के लिए अहम भूमिका निभाने वाले आर्ट कंजरवेटरों की कमी होने के कारण बहुत से लोग इनसे समय लेकर इंतजार करते हैं।

मिल सकती है सरकारी नौकरी

इस कोर्स को करने के बाद आपको सरकारी नौकरी भी मिल सकती है। देश के सभी म्युजियम्स में इस कोर्स को करने वालों के लिए नौकरी है। इसके साथ ही आप पार्टटाइम काम भी कर सकते हैं। यदि आपको सरकारी नौकरी न मिले, तब भी आप अच्छी आमदनी हासिल कर सकते हैं। लेकिन उसके लिए जरूरी है कि आप उन शहरों में रहें, जहां पर कला के पारखी रहते हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में आर्ट कंजरवेटरों की खूब मांग है। नौकरी मिलने पर आपको 8-9 घंटे की शिफ्ट में काम करना पड़ता है। इसमें आसानी से हर माह 25 हजार से दो लाख रुपये कमाया जा सकते है। परिपक्वता हासिल करने के बाद इसमें असीमित कमाई का मौका भी है। इसके साथ ही प्राइवेट गैलरी और म्युजियम में भी नौकरी की अपार संभावनाएं हैं। विदेशों में भी आर्ट कंजरवेटरों की खूब मांग है। आर्ट कंजरवेटर बनने के जहां कई फायदे हैं तो कुछ नुकसान भी हैं। कई बार किसी प्रोजेक्ट के लिए महीनों बाहर रहना पड़ता है। ऐसे में अगर नौकरी नहीं कर रहे हैं तो एक शहर से दूसरे शहर के चक्कर लगाने के लिए मानसिक रूप से अपने आप को तैयार करना पड़ेगा। वहीं इसे सकारात्मक रूप में देखें तो इसके जरिए अलग-अलग शहर देखने का मौका मिलता है। इस काम में विदेश में भी जाकर काम करने का मौका मिलता है।

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग से तय करें अपना कद

कम्प्यूटर की किसी भी भाषा को सीखने के लिए उसके बुनियादी निर्देश से अवगत होना अति आवश्यक है। सबसे पहले आपको कम्प्यूटर के बेसिक एप्लीकेशन का भरपूर ज्ञान होना आवश्यक है, जैसे एमएस ऑफिस, इंटरनेट, ई-मेल, कम्प्यूटर से जुड़े सिद्धांत इत्यादि। इसके बाद इनपुट-आउटपुट यूनिट, डिवाइस, उनका प्रयोग करना प्रदर्शन डेटा का ज्ञान, अंकगणतीय ज्ञान व प्रदर्शन, सशर्त निष्पादन, पुनरावृत्ति इत्यादि से अवगत होना भी आवश्यक है। कम्प्यूटर की ये भाषाएं प्रोग्राम बनाते वक्त उनके कोड, संकलन, दस्तावेजीकरण, एकीकरण, रखरखाव, आवश्यकताओं के विश्लेषण, सॉफ्टवेयर, वास्तुकला, सॉफ्टवेयर परीक्षण, विनिर्देश, डिबगिंग इत्यादि में काम आती हैं। प्रोग्रामिंग में इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न भाषाओं की जानकारी वैसे तो इंजीनियरिंग करने वाले हर छात्र को प्रदान की जाती है, परंतु यदि छात्र चाहे तो इसमें अलग से डिप्लोमा कोर्स करके विशिष्टता प्राप्त कर सकता है।

कम्प्यूटर के क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग अर्थात् कम्प्यूटर की भाषा का ज्ञान होना अत्यावश्यक है। सी, सी++, जावा स्क्रिप्ट, विजुअल बेसिक (वीबी), डॉट नेट, एक्टीएमएल, डीएचटीएमएल, सीआईसी, ओरेकल, लाइनेक्स, यूनिक्स, असेम्बली इत्यादि ऐसी अनेक भाषाएं हैं, जो कम्प्यूटर में प्रोग्राम बनाते हुए प्रयोग में लाई जाती हैं। चूंकि कम्प्यूटर एक मशीन है, अत इससे बातचीत व विचार-विमर्श का माध्यम भी मशीनी ही है। पुराने समय में अंकेक्स तथा कोड के माध्यम से कोडन किया जाता था, परंतु बदलते समय के साथ भाषाओं में भी परिवर्तन आ गया है। मूल रूप से कम्प्यूटर की भाषाओं को तीन प्रकारों में बांटा जा सकता है-

1. प्रक्रियात्मक या वस्तु उन्मुख भाषाएं- ये भाषाएं मूल रूप से डिजाइनिंग करते वक्त काम आती हैं, जो OOAD द्वारा स्वचालित हैं।
2. कार्यात्मक भाषाएं- ये मॉडल चलित भाषाएं हैं, जिनका उपयोग मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर, वास्तुकला इत्यादि में किया जाता है। ये MDA चालित है।
3. तर्क भाषाएं- ये विशिष्ट प्रकार के प्रोजेक्ट बनाते वक्त उपयोग में लाई जाती हैं, जहां तार्किक क्षमता तथा विश्लेषण की खास आवश्यकता होती है। ये रूल्सचालित हैं। इनके अलावा कम्प्यूटर की भाषाओं को विभिन्न प्रकार से मापा जाता है, जैसे कोबोल, मेनफ्रेम, फोरट्रोन, स्क्रिप्ट भाषा बेब सी में हुए अनुप्रयोग इत्यादि हैं।

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के बिना कम्प्यूटर शिक्षा अधूरी है। वह रेगुलर व पत्राचार दोनों माध्यमों से की जा सकती है। इनके अलावा यदि छात्र कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में डिप्लोमा करना चाहते हैं तो उन्हें विभिन्न भाषाओं का चयन करना होगा। कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के कोर्स 6 महीने की अवधि से लेकर 2 साल तक किये जा सकते हैं। छात्र चाहें तो डिप्लस अथवा डीएक नामक सरकारी संस्थानों से O.A.B. लेवल परीक्षा पास करके भी सर्टिफाइड कम्प्यूटर इंजीनियर बन सकते हैं। इन सभी की मूलभूत योग्यता 10+2 तथा graduation है। ओ लेवल की परीक्षा एमसीए के समकक्ष मानी जाती है और सरकारी नौकरी में भी प्राथमिकता दी जाती है। ये सभी कोर्स फुल-टाइम तथा पार्टटाइम दोनों ही समयावधि के अनुसार किए जा सकते हैं। इस प्रकार कम्प्यूटर के आविष्कार ने जहां इंफोर्मेशन टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, वहीं इसके उपयोगकर्ताओं के सामने देश-विदेश में कार्य करने हेतु रोजगार के अनेक स्वर्णिम अवसर खोल दिए हैं। यहां पर कुछ कंप्यूटर कोर्स व उनकी अवधि की टेबल दी जा रही है, जिनको करके छात्र कंप्यूटर फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं। आज ऐसा कोई भी क्षेत्र बाकी नहीं रह गया है, जहां कंप्यूटर शिक्षा की आवश्यकता नहीं पड़ती। प्रगतिशील देश होने के नाते भारत में इसकी विशेष उपयोगिता है। अत- कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के क्षेत्र में करियर बनाने वाले दो प्रकार के अध्ययनों द्वारा इस क्षेत्र में आ सकते हैं- पहला कम्प्यूटर में तकनीकी डिग्री प्राप्त करके, दूसरा कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में डिप्लोमा करके। दोनों ही माध्यमों द्वारा छात्रों को कम्प्यूटर पर प्रोग्रामिंग बनाना तथा उसे प्रयोग में लाना सिखाया जाता है, ताकि कम्पनी बहुत ही कम समय में ज्यादा से ज्यादा काम कर पाए। इनमें फंक्शनिंग, फाइलें बनाना व संभालना, विश्लेषण करना, प्रस्तुतिकरण इत्यादि प्रमुख हैं।

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के शुरुआती दौर में छात्रों को एसेम्बली, सी, सी++, जावा स्क्रिप्ट, ओरेकल डॉस इत्यादि भाषाओं की जानकारी दी जाती है। किसी भी प्रोग्राम को बनाने में इन भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके बाद छात्रों को विजुअल बेसिक (वीबी), एसक्यूएल, डॉटनेट, डाटा स्ट्रक्चर, डाटा बेस मैनेजमेंट इत्यादि की जानकारी दी जाती है, ताकि छात्र उनका उपयोग करना सीख सकें। ईआरपी कुछ इसी प्रकार के एडवांस सॉफ्टवेयर हैं, जो स्पेशलाइजेशन द्वारा पेपर-वर्क काफी हद तक कम कर देते हैं। भारत में इस प्रकार के सॉफ्टवेयर बनाने में सैप कम्पनी का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इसके अलावा छात्रों को फ्रंट-एंड तथा बैक एंड यानी स्टोरेज के तरीकों से भी अवगत कराया जाता है। फ्रंड-एंड प्रोग्राम मॉनिटर स्क्रीन पर विंडोज की तरह चलाए जाते हैं, जबकि बैक-एंड डोस कैरक्टर की-बोर्ड द्वारा ही संचालित किए जा सकते हैं। इनमें माउस का इस्तेमाल ना के बराबर होता है। कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के अंतर्गत एडवांस टेक्नॉलोजी एम्बेडिड है। इसके द्वारा बड़े-बड़े प्रोग्राम कम्पनियों द्वारा बनाए जाते हैं। इसके अंतर्गत विंप प्रोग्रामिंग, जिसका इस्तेमाल विशेष तौर पर मोबाइल तथा अन्य तकनीकी उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान दिखाया जाता है। इसका इस्तेमाल करने पर पेपर-वर्क ना के बराबर हो जाता है। कुछ अन्य विशिष्ट प्रकार के सॉफ्टवेयर विभिन्न क्षेत्रों के अनुसार भी बनाए जाते हैं, जैसे लाइब्रेरी के लिए लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर, एकाउन्टिंग ट्रांजेक्शन के लिए मर्लिन इत्यादि। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी इसका जीवंत उदाहरण है। यहां इसकी हर शाखा में कोहा कम्पनी द्वारा संचालित कोहा सॉफ्टवेयर चलाया जाता है, जो पाठक की हर सूचना को बहुत ही सहज ढंग से एक ही क्लिक द्वारा प्रस्तुत कर देता है। दिल्ली में यह पहली लाइब्रेरी है, जिसने यह सेवा सभी के लिए फ्री में उपलब्ध करवाई है। अब इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी तथा अन्य यूनिवर्सिटी भी कर रही हैं। यह सॉफ्टवेयर पर्ल भाषा पर आधारित है तथा लाइनेक्स इत्यादि भाषाओं का भी प्रयोग किया हुआ है। इस प्रकार कम्प्यूटर के क्षेत्र में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का विशेष महत्व है। यह संचार का अभिन्न अंग है, जिसकी वजह से तकनीकी विज्ञान जीवन्त है। इसे अपनी सूझ-बूझ व क्षमता के अनुसार बहुत ही उपयोगी तथा विशिष्ट रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। यह सब उपयोगकर्ता पर निर्भर करता है।

एजुकेशन लोन

अत्यंत रोजगारपरक होने के कारण इस कोर्स को करने वाले छात्रों को आसानी से एजुकेशन लोन मिल जाता है। ये लोन सभी राष्ट्रीयकृत एवं प्राइवेट बैंक, जो प्रोफेशनल कोर्स के लिए लोन देते हैं, वहां से मिल सकता है। छात्र उनसे संपर्क कर सकते हैं। ये बैंक देश-विदेश दोनों जगह अध्ययन के लिए लोन प्रदान करते हैं। इस प्रकार के लोन की अधिकतम राशि 10-20 लाख तक हो सकती है, जिसके लिए छात्रों को अपने एडमिशन से संबंधित लेटर, पेरेंट्स का आय प्रमाणपत्र, कोर्स फीस, हॉस्टल खर्च का ब्यौरा इत्यादि बैंक को देना पड़ता है।

वेतन- इस प्रोफेशन में मिलने वाले वेतन अत्यंत आकर्षक एवं आश्चर्यजनक है। जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होने के बावजूद छात्र अपनी योग्यता व कठोर परिश्रम द्वारा देश-विदेश में लाखों कमा सकते हैं। छात्र अपनी ट्रेनिंग के दौरान ही 8000-15000 प्रति माह का वेतन आसानी से मिल जाता है। कोर्स करने के पश्चात् 15000-20,000 प्रति माह वेतन की अपेक्षा की जा सकती है। जैसे-जैसे प्रोफेशनल्स के कार्य में दक्षता आती जाती है, वेतन में भी बढ़ोतरी होती चली जाती है। 5-6 वर्षों के अनुभव के आधार पर प्रोफेशनल्स अपनी योग्यतानुसार काफी अच्छा कमा सकते हैं। अत- इस प्रोफेशन में वेतन की कोई कमी नहीं है। साइबर कैफे चलाने वाले, फ्रीलांसर, उद्यमी, इंजीनियरों इत्यादि के लिए इसमें पैसों की कोई सीमा नहीं है।

नौकरी के अवसर

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग करने वाले छात्रों के लिए नौकरी के अवसर असीम हैं। अत- इस कोर्स को करने वाले छात्रों के बारे में यहां तक कहा जाता है कि ये कभी बेरोजगार नहीं रह सकते। कोर्स के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें स्टाइपेंड मिलना शुरू हो जाता है। तत्पश्चात् वे अपनी रुचि के अनुसार कम्प्यूटर प्रोग्रामर, कम्प्यूटर टीचर, फैकल्टी, लेक्चरर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, हार्डवेयर/नेटवर्किंग इंजीनियर, प्रोजेक्ट हेड, विशिष्ट सलाहकार, कस्टमर केयर एग्जक्यूटिव, फ्रीलांसर, व्यवसायी इत्यादि बन सकते हैं। वे स्वयं अपना साइबर कैफे अथवा कोचिंग सेंटर खोल कर अपनी प्रतिभा जन-जन तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा विभिन्न कंपनियों से संपर्क स्थापित कर उन्हें सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग तथा कम्प्यूटर भाषा संबंधी सेवा प्रदान कर फ्रीलांस प्रोजेक्ट भी शुरू कर सकते हैं। वे कम्प्यूटर पार्ट्स असेम्बल कर नए कम्प्यूटर भी बना कर सकते हैं। बड़े पैमाने पर वे अपनी निजी कंपनी खोल कर अनेक को रोजगार देकर देश की तरक्की में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इतना ही नहीं, वे आउटसोर्सिंग करके विदेशों में भी अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

एचपीसीए के पूर्व अध्यक्ष आरपी सिंह का निधन

धर्मशाला । हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) के पूर्व अध्यक्ष एवं निदेशक आर.पी. सिंह का हाल ही में कुल्लू के मोहल में निधन हो गया. उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में शनिवार को किया गया. उनकी अंतिम यात्रा में कई गणमान्य व्यक्तियों और एचपीसीए के वरिष्ठ अधिकारियों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल, एचपीसीए सचिव अवनीश परमार, निदेशक विजय भंडारी, और कार्यकारिणी सदस्य शिव कपूर व तेज प्रकाश चोपड़ा उपस्थित रहे. आर.पी. सिंह ने पिछले तीन दशकों में हिमाचल प्रदेश में क्रिकेट के विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया. उनके प्रयासों से राज्य में क्रिकेट की बुनियाद मजबूत हुई और कई प्रतिभावान खिलाड़ियों को उभरने का मौका मिला. आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल ने सिंह के निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा.

चार देशों की ऐतिहासिक साझेदारी, टूर्नामेंट में पहली बार 48 टीमें लेंगी भाग

2031 महिला विश्व कप: संयुक्त मेजबानी के लिए दावेदारी पेश

एजेंसियां । मेक्सिको सिटी

2031 महिला फुटबॉल विश्व कप के आयोजन के लिए अमेरिका, मेक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका ने संयुक्त रूप से मेजबानी की दावेदारी पेश की है. सोमवार को इन चारों देशों के फुटबॉल संघों ने मिलकर इस ऐतिहासिक पहल की घोषणा की. यह पहला मौका होगा जब महिला विश्व कप चार देशों में आयोजित किया जाएगा, और पहली बार जमैका व कोस्टा रिका विश्व कप मैचों की मेजबानी करेंगे. फीफा ने मई में घोषणा की थी कि 2031 महिला विश्व कप को 32 टीमों से बढ़ाकर 48 टीमों का किया जाएगा. इस नए प्रारूप के तहत 12 समूह बनाए जाएंगे और कुल 104 मुकाबले खेले जाएंगे, जो 2026 में होने वाले पुरुष विश्व कप के मैचों की संख्या के बराबर होंगे. संयुक्त बयान में चारों संघों ने कहा कि उनका उद्देश्य न केवल एक सफल टूर्नामेंट आयोजित करना है, बल्कि यह प्रतियोगिता उत्तरी अमेरिका, मध्य अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र में महिला फुटबॉल के लिए स्थायी विरासत छोड़ने वाला आयोजन साबित हो.

अमेरिकी फुटबॉल संघ की अध्यक्ष सिंडी पार्लो कोन ने कहा, "हम अपने कॉनकाकाफ साझेदारों — मेक्सिको, कोस्टा रिका और जमैका — के साथ इस ऐतिहासिक बोली का नेतृत्व करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं. हमारा लक्ष्य है कि यह टूर्नामेंट महिला फुटबॉल के लिए एक नई वैश्विक पहचान बनाए." वहीं, मेक्सिकन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मिकेल एरियोला ने कहा, "यह संयुक्त प्रस्ताव फीफा और कॉनकाकाफ के हमारे ऊपर भरोसे को दर्शाता है. यह

अवसर मेक्सिको और पूरे क्षेत्र में खेल के विकास को गति देगा." संघों ने बताया कि इस दावेदारी के लिए आधिकारिक बोली दस्तावेज (बिड बुक) नवंबर में फीफा को सौंपा जाएगा. फीफा इस पर अंतिम निर्णय 30 अप्रैल 2026 को वैंकूवर में होने वाली अपनी कांग्रेस में लेगा.

अमेरिका इससे पहले 1999 और 2003 में महिला विश्व कप की मेजबानी कर चुका है, जबकि मेक्सिको पहली बार इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा. जमैका और कोस्टा रिका के लिए भी यह पहली बार होगा जब वे विश्व कप मैचों की मेजबानी करेंगे. अमेरिका पहले ही 2026 में पुरुष विश्व कप की संयुक्त मेजबानी मेक्सिको और कनाडा के साथ कर रहा है.

यह प्रस्ताव महिला फुटबॉल को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. यदि चयनित होता है, तो यह टूर्नामेंट खेल, समावेशन और क्षेत्रीय सहयोग की नई मिसाल पेश करेगा.

बीसीसीआई महिला अंडर-19 टी-20 हिमाचल की टीम घोषित

एजेंसियां । धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई महिला अंडर-19 (टी-20) एलीट टूर्नामेंट के लिए हिमाचल टीम की घोषणा कर दी गई है. महिला अंडर-19 टीम की कमान कांगड़ा की धान्य लक्ष्मी को सौंपी गई है. टीम के खिलाड़ियों में वंशिका शर्मा हमीरपुर, अहाना शर्मा कांगड़ा, धान्य लक्ष्मी (कप्तान) कांगड़ा, पल्लवी ठाकुर कांगड़ा, वैष्णवी कांगड़ा, वंशिका कांगड़ा, अंशिका सिंह किन्नौर, अर्चना ठाकुर कुल्लू, कुंजम गिरी कुल्लू, भूमिका नलवा शिमला, उर्वी शर्मा शिमला, कनु प्रिया सोलन, अंशिता ऊना, आर्य अग्निहोत्री ऊना तथा वैभवी अग्निहोत्री ऊना से शामिल हैं. इसके अलावा टीम स्टाफ में तिलक राज मुख्य कोच, सुनील कुमार सहायक कोच, रिभा शर्मा गुप्ता फिजियो, प्रीति रानी प्रशिक्षक, संदीप भास्कर वीडियो विश्लेषक, विजय कुमार शर्मा प्रबंधक के तौर पर शामिल हैं. बीसीसीआई अंडर-19 महिला टी 20 प्रतियोगिता में हिमाचल अपने पहले मैच में 26 अक्टूबर को त्रिपुरा के साथ भिड़ेगा. वही 27 अक्टूबर को बंगाल के साथ, प्रदेश 29 अक्टूबर को असम के साथ, 31 अक्टूबर को मुंबई और 2 नवम्बर को कर्नाटक के साथ हिमाचल का मैच होगा. यह सभी मैच महाराष्ट्र के नागपुर में खेले जाएंगे.

ऋषभ पंत की मैदान पर वापसी

दक्षिण अफ्रीका सीरीज में करेंगे भारत 'ए' की कप्तानी

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है—चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रहने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं. उन्हें दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए भारत 'ए' टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है. यह मुकाबले 30 अक्टूबर से 9 नवंबर तक बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे. पंत को जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान पैर की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ था, जिसके बाद वे क्रिकेट से दूर थे. अब पूरी तरह फिट होकर वह इस सीरीज में मैदान पर उतरेंगे. माना जा रहा है कि अच्छा प्रदर्शन उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज (14 नवंबर से) में सीनियर टीम में वापसी दिला सकता है. बीसीसीआई ने दोनों मैचों के लिए अलग-अलग टीमें घोषित की हैं. पहले मैच की टीम में घरेलू क्रिकेट के कई सितारे शामिल हैं. 18 वर्षीय आयुष म्हात्रे को पहली बार भारत 'ए' टीम में जगह मिली है. साई सुदर्शन को उपकप्तान नियुक्त किया गया है. टीम में देवदत्त पडिक्कल, एन. जगदीशन, राजत पाटीदार, आयुष बडोनी जैसे युवा बल्लेबाज शामिल हैं. गेंदबाजी की कमान यश ठाकुर, अंशुल कम्बोज और सरांश जैन के हाथों में रहेगी. दूसरे मैच में टीम को और मजबूत किया गया है. केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रुतुराज गायकवाड़, अभिमन्यु ईश्वरन और ध्रुव जुरेल को शामिल किया गया है. इनके जुड़ने से टीम को अनुभव का बड़ा सहारा मिलेगा. पहले मैच की टीम से कुछ खिलाड़ियों को बाहर किया गया है, जिससे संतुलन बना रहे. दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ यह सीरीज न केवल पंत की वापसी का प्रतीक है, बल्कि भारत की सीनियर टेस्ट टीम के लिए भी एक तरह की पूर्वाभ्यास है. खासकर उन खिलाड़ियों के लिए जो मुख्य टीम में चयन की दहलीज पर हैं. फैंस की निगाहें अब ऋषभ पंत की लय और फिटनेस पर होंगी, जो भारत की टेस्ट टीम में उनकी वापसी का रास्ता तय करेगी.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अचानक किया बड़ा बदलाव

शाहीन अफरीदी बने पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान, रिजवान को हटाया

एजेंसियां । नई दिल्ली

- शाहीन अफरीदी बने नए वनडे कप्तान
- रिज़वान को बिना स्पष्ट कारण हटाया गया
- अफरीदी पहले भी कप्तानी कर चुके हैं,
- रिज़वान का बल्लेबाज़ी में प्रदर्शन अच्छा
- अफरीदी की अग्निपरीक्षा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक बड़ा और चौंकाने वाला फैसला करते हुए मोहम्मद रिज़वान को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया है और तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफरीदी को नया कप्तान नियुक्त किया है. यह निर्णय रावलपिंडी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच के पहले दिन के बाद लिया गया, जिसमें रिज़वान और अफरीदी दोनों खेल रहे हैं.

कप्तानी से हटाए जाने पर बोर्ड रहा खामोश: पीसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में रिज़वान का नाम तक नहीं लिया और उन्हें कप्तानी से हटाने की कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई. बोर्ड ने केवल यह कहा कि यह निर्णय इस्लामाबाद में चयन समिति और व्हाइट-बॉल कोच माइक हेसन के बीच हुई बैठक में लिया गया. बीते सप्ताह पीसीबी के एक बयान में यह संकेत तक नहीं दिया गया था कि रिज़वान आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे की वनडे सीरीज़ में कप्तान बने रहेंगे. इसके बजाय कोच हेसन ने पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी से मिलकर नया कप्तान चुनने का अनुरोध किया था. सूत्रों की मानें तो यह फैसला सिर्फ कोच की सिफारिश नहीं, बल्कि बोर्ड के उच्च अधिकारियों के समर्थन से भी हुआ है.

शाहीन अफरीदी को फिर से कप्तानी का मौका: शाहीन अफरीदी इससे पहले जनवरी 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज़ में कप्तान बने थे, लेकिन उस सीरीज़ में पाकिस्तान को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था और बाद में बाबर आज़म को फिर से टी20 टीम की कमान सौंप दी गई थी. इसके बावजूद, अफरीदी को वनडे टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है. वह इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं और 2023 के बाद से किसी भी फुल मेंबर देश का तेज़ गेंदबाज़ उनके 45 विकेटों के रिकॉर्ड के करीब नहीं पहुंचा है. उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में सीरीज़ जीत में अहम भूमिका निभाई है.

रिज़वान का प्रदर्शन अच्छा, लेकिन नेतृत्व पर सवाल: मोहम्मद रिज़वान को पिछले साल वनडे कप्तानी सौंपी गई थी. उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज़ जीत हासिल की थी, लेकिन इस साल प्रदर्शन में गिरावट आई, खासकर घरेलू चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही राउंड में बाहर होने के बाद उनकी कप्तानी पर सवाल उठे. हालांकि, रिज़वान का व्यक्तिगत प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है. वह टीम के शीर्ष स्कोररों में शामिल हैं और उनका औसत लगभग 42 रन है.

अगली वनडे सीरीज़ होगी शाहीन की अग्नि परीक्षा: शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान की अगली वनडे सीरीज़ अगले महीने फैसलाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की होगी. यह सीरीज़ अफरीदी के नए नेतृत्व कौशल और टीम की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

पंजाब एफसी ने बोस्नियाई डिफेंडर समीर से किया करार

एजेंसियां । मोहाली

पंजाब एफसी ने सीजन 2025-26 के लिए अपने पहले विदेशी खिलाड़ी के रूप में बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर समीर ज़ेल्ज़कोविक से करार किया है. 28 वर्षीय यह अनुभवी खिलाड़ी टीम से फ्री ट्रांसफर के तहत एक साल के अनुबंध पर जुड़े हैं और वे 25 अक्टूबर से गोवा में शुरू होने वाले एआईएफएफ सुपर कप 2025 में पंजाब एफसी की ओर से मैदान में उतरेंगे.

समीर ज़ेल्ज़कोविक सेंटर बैक और डिफेंसिव मिडफील्ड दोनों पोज़िशनों पर खेलने में सक्षम हैं. वे पिछले सीजन सर्बिया के क्लब रादनिकी 1923 के लिए खेले थे और यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग क्वालिफायर 2025-26 में भाग ले चुके हैं. उन्हें 2020-21 यूईएफए नेशंस लीग में इटली और नीदरलैंड्स के खिलाफ संभावित राष्ट्रीय टीम में भी शामिल किया गया था, जबकि ईरान के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं.

ज़ेल्ज़कोविक ने अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत एफके साराजेवो की युवा अकादमी से की, जहां उन्होंने छह साल बिताए. इसके बाद वे 2017-18 सीज़न में इगमैन कोंजिक क्लब से बोस्निया की सेकंड डिवीजन में सीनियर स्तर पर उतरे. उन्होंने वेलज़ मोस्टार के लिए पांच सीज़नों में 149 मुकाबले खेले और 2023 में एफके साराजेवो लौटे, जहां से वे उज़्बेकिस्तान सुपर लीग क्लब बुन्योदकोर को लोन पर भेजे गए. पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, "हमारी भर्ती रणनीति हमेशा सोच-समझकर बनाई जाती है. समीर यूरोप और एशिया में खेलने का अनुभव रखते हैं. हमें विश्वास है कि वे टीम के प्रदर्शन के साथ-साथ हमारे युवा खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में भी योगदान देंगे."

नए अध्याय की शुरुआत को लेकर उत्साहित समीर ज़ेल्ज़कोविक ने कहा, "मैं पंजाब एफसी के साथ जुड़कर बेहद खुश हूं. मैंने क्लब की भारत में फुटबॉल के विकास को लेकर दृष्टि के बारे में काफी सुना है. मैं इस यात्रा का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं और टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं." उनकी यह साझेदारी पंजाब एफसी के लिए रक्षात्मक मजबूती और अनुभव का नया अध्याय साबित हो सकती है.

एशियन यूथ गेम्स : 23 सदस्यीय भारतीय मुक्केबाजी दल बहरीन रवाना

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने एशियन यूथ गेम्स 2025 के लिए 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम को बहरीन के लिए रवाना कर दिया है. यह प्रतियोगिता 22 से 31 अक्टूबर तक मनामा में आयोजित होगी, जबकि कुछ मुकाबले 19 अक्टूबर से शुरू हो चुके हैं. भारतीय दल अंडर-17 आयु वर्ग के लड़के और लड़कियों के लिए सात-7 भार वर्गों में देश का प्रतिनिधित्व करेगा. मुक्केबाजी के मुकाबले मनामा के एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन हॉल 9 में सिंगल-एलिमिनेशन फॉर्मेट में तीन राउंड के होंगे. पदक समारोह 30 अक्टूबर को और समापन समारोह 31 अक्टूबर को होगा. इस टीम ने 23 सितंबर से 20 अक्टूबर तक एनएस एनआईएस पटियाला में एक हाई-इंटेंसिटी ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया. इस कैंप में हेड कोच विनोद कुमार (ब्वॉयज अंडर-17) और जितेंद्र राज सिंह (गर्ल्स अंडर-17) के नेतृत्व में खिलाड़ियों की तकनीक, तेजी और फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया गया.

कैंप में छह ट्रेनर, दो फिजियोथेरेपिस्ट और एक डॉक्टर की टीम ने खिलाड़ियों को सपोर्ट किया. टीम का चयन छठी अंडर-17 जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 के प्रदर्शन के आधार पर हुआ. गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ियों को सीधे टीम में जगह मिली, जबकि सिल्वर मेडलिस्ट रिजर्व के रूप में चुने गए. यह टीम जुलाई 2025 में आयोजित एशियन अंडर-17 चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों से भी मजबूत हुई है. भारत ने उस चैंपियनशिप में 43 पदक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया था, जो युवा मुक्केबाजी की बढ़ती ताकत का संकेत है.

गोड्डा बना ताइक्वांडो का चैंपियन, 16 गोल्ड के साथ पहला स्थान हासिल

शुभम संदेश । गोड्डा

झारखंड राज्य ताइक्वांडो संघ द्वारा आयोजित चौथे झारखंड स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप का समापन शनिवार को गोड्डा जिले के उर्जानगर स्थित स्टाफ क्लब में हुआ. तीन दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में गोड्डा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 गोल्ड, 19 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर समग्र चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया. गोड्डा के बाद देवघर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और 8 गोल्ड, 7 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल के साथ दूसरे स्थान पर रहा. वहीं, हजारीबाग ने 10 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया. अन्य जिलों में धनबाद ने 7 गोल्ड, 1 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज, पूर्वी सिंहभूम ने 4 गोल्ड, 4 सिल्वर, 2 ब्रॉन्ज, चतरा ने 4 गोल्ड, 3 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज, रांची ने 4 गोल्ड और 2 सिल्वर, जबकि बोकारो ने 5 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल अपने नाम किए. इस प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से करीब 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. समापन समारोह में झारखंड ताइक्वांडो संघ के सचिव नीरज कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए. उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल खेल भावना को बढ़ावा देती हैं, बल्कि युवाओं के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और समर्पण भी विकसित करती हैं.

नीरज कुमार ने कहा, "खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है. झारखंड के युवा प्रतिभाशाली हैं और उन्हें ऐसे मंचों की आवश्यकता है." प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अपने दमदार प्रहारों और उत्कृष्ट तकनीक से दर्शकों को रोमांचित किया. इस अवसर पर संघ के उप सचिव रविउल हुसैन, मोहम्मद नदीम, गौतम कुमार, अजीजुल्लाह, गोड्डा जिला सचिव भूपेश कुमार, नेशनल प्लेयर हर्षित राज, सिकंदर यादव, शेखर कुमार, रेफरी मोहम्मद जाहिद, हेमंती पातर, रोहित कुमार समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और दर्शक उपस्थित थे.

- 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.
- देवघर 8 देवघर के साथ दुसरे स्थान पर
- हजारीबाग 10 गोल्ड के साथ तीसरा स्थान पाया

चैंपियंस लीग मुकाबले से पहले पीएसजी को मिली राहत

एजेंसियां । लेवरकुसेन

पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के लिए एक बड़ी राहत की खबर आई है, क्योंकि फ्रांसीसी फॉरवर्ड और बैलन डी'ऑर विजेता उस्मान डेम्बेले छह हफ्ते की चोट से उबरकर टीम में वापस लौट आए हैं. वे मंगलवार को बायर लेवरकुसेन के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग मुकाबले में मैदान पर उतर सकते हैं. डेम्बेले को सितंबर में फ्रांस के लिए खेलते समय हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी. उन्होंने कतर के एक विशेष क्लिनिक में इलाज कराया और पिछले सप्ताह टीम के साथ प्रशिक्षण में लौटे. हालांकि उन्होंने शुक्रवार को स्ट्रासबर्ग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ रहे मैच में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन अब उम्मीद की जा रही है कि वे लेवरकुसेन के खिलाफ कुछ मिनट खेलेंगे. डेम्बेले की वापसी कोच लुइस एनरिके के लिए अहम है, क्योंकि इस सीजन पीएसजी को कई खिलाड़ियों की चोट से जूझना पड़ा है. लेवरकुसेन के डिफेंडर और डेम्बेले के फ्रेंच साथी लोइक बाडे ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, "डेम्बेले को रोकने का कोई गुप्त तरीका नहीं है. वह दोनों पैरों से खेल सकते हैं और उनमें कोई कमजोरी नहीं है. उन्हें रोकने के लिए टीमवर्क जरूरी है." पीएसजी को स्ट्रासबर्ग मैच में डेसाइरे दूए और ख्विचा क्वारात्स्खेलिया की वापसी मिली थी, जबकि मिडफील्डर फेबियन रुइज़ और जोआओ नेव्स अब भी चोटिल हैं. कप्तान मारक्विनहोस भी चोट से उबरकर टीम के साथ जर्मनी रवाना हुए हैं. लेवरकुसेन के कोच कैस्पर ह्युलमांड ने पीएसजी की हाई-प्रेसिंग रणनीति को "एक हथियार, लेकिन एक जोखिम" बताया. बुंडेसलीगा चैंपियन लेवरकुसेन ने चैंपियंस लीग के पहले दो मुकाबलों में एफसी कोपेनहेगन और पीएसवी आइंधोवेन के साथ ड्रॉ खेला है.

एथलेटिक्स

वर्ल्ड एथलेटिक्स अवॉर्ड्स 2025: प्रत्येक श्रेणी में पांच-पांच खिलाड़ी नामित

फील्ड एथलीट ऑफ द ईयर के लिए वोटिंग शुरू

एजेंसियां । नई दिल्ली

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने 2025 के फील्ड एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए पुरुषों और महिलाओं की श्रेणियों में नामांकित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है. प्रत्येक श्रेणी में पांच-पांच खिलाड़ियों को नामित किया गया है. इन नामांकनों में उन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जिन्होंने 2025 के सीजन में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, विशेष रूप से टोक्यो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में. वोटिंग प्रक्रिया वर्ल्ड एथलेटिक्स के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व ट्विटर) पर शुरू हो चुकी है और 26 अक्टूबर तक चलेगी. हर श्रेणी से दो-दो फाइनलिस्ट चुने जाएंगे, और विजेताओं की घोषणा 30 नवंबर को वर्ल्ड एथलेटिक्स अवॉर्ड्स समारोह में की जाएगी.

महिला फील्ड एथलीट ऑफ द ईयर 2025 के नामांकित खिलाड़ी: वलेरी ऑलमैन (यूएसए) वर्ल्ड और डायमंड लीग डिस्कस चैंपियन; सीजन में अजेय रहीं और शीर्ष 11 में से 9 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन उनके नाम. तारा डेविस-वुडल (यूएसए) लॉन्ग जंप की वर्ल्ड चैंपियन; शीर्ष 3 प्रदर्शन किए और पूरे सीजन अजेय रहीं. अन्ना हॉल (यूएसए) हेप्टाथलॉन में वर्ल्ड चैंपियन; विश्व ऑल-टाइम सूची में संयुक्त दूसरे स्थान पर और इस वर्ष शीर्ष 3 प्रदर्शन किए. निकोला ऑलिसलेगर्स (ऑस्ट्रेलिया) हाई जंप की वर्ल्ड चैंपियन (इनडोर और आउटडोर दोनों), डायमंड लीग विजेता और क्षेत्रीय रिकॉर्डधारी. कैमिन रॉजर्स

(कनाडा) हैमर थ्रो की वर्ल्ड चैंपियन; ऑल-टाइम सूची में दूसरे स्थान पर और क्षेत्रीय रिकॉर्ड के साथ शीर्ष प्रदर्शनकर्ता.

पुरुष फील्ड एथलीट ऑफ द ईयर 2025 के नामांकित खिलाड़ी: मोंडो डुप्लांटिस (स्वीडन) पोल वॉल्ट के वर्ल्ड चैंपियन (इनडोर और आउटडोर), चार विश्व रिकॉर्ड बनाए और पूरे सीजन अजेय रहे. मत्तिया फुरलानी (इटली) लॉन्ग जंप के वर्ल्ड चैंपियन (इनडोर और आउटडोर), शीर्ष 3 में दो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किए. ईथन कैट्ज़बर्ग (कनाडा) हैमर थ्रो में विश्व चैंपियन; ऑल-टाइम सूची में पांचवें स्थान पर और क्षेत्रीय रिकॉर्डधारी. हेमिश केर (न्यूज़ीलैंड) हाई जंप वर्ल्ड चैंपियन और इनडोर सिल्वर मेडलिस्ट; क्षेत्रीय रिकॉर्ड के साथ शीर्ष प्रदर्शन.

डेविस कप 2025 : सिनर ने डेविस कप से नाम वापस लिया

एजेंसियां । नई दिल्ली

विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर ने डेविस कप 2025 फाइनल्स से नाम वापस ले लिया है. इटली की ओर से यह पुष्टि करते हुए सोमवार को फाइनल-8 के लिए टीम की घोषणा की गई. वहीं, विश्व नंबर 1 कार्लोस अल्कराज इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में स्पेन की अगुवाई करेंगे. पिछले वर्ष स्पेन में खेले गए डेविस कप में इटली को चैंपियन बनाने में सिनर की अहम भूमिका रही थी. हालांकि, इस बार वे 18 से 23 नवंबर तक इटली के बोलोनिया में होने वाले फाइनल चरण का हिस्सा नहीं होंगे. इटली के कप्तान फिलिपो वोलांट्री ने कहा,

"सिनर ने 2025 के लिए अपनी उपलब्धता नहीं दी है, लेकिन डेविस कप हमेशा उनका घर रहेगा. हमें विश्वास है कि वे जल्द ही टीम में लौटेंगे." सिनर इस वर्ष शानदार फॉर्म में रहे हैं. उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और विम्बलडन खिताब जीते हैं और चारों ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे हैं. वे डेविस कप से ठीक पहले एटीपी फाइनल्स में खिताब बचाने उतरेंगे, जिसमें अल्कराज भी खेलेंगे. इटली की टीम में माटेओ बेरेटिनी, सिमोने बोलेली, फ्लावियो कोबोली, लोरेंजो मुसेत्ती और आंद्रेया वावासोरी को शामिल किया गया है. स्पेन की टीम की अगुवाई अल्कराज करेंगे, जिनके साथ हायूमे मुनार, पेद्रो मार्टिनेज और मार्सेल ग्रानोयर्स होंगे. उनका लक्ष्य 2019 के बाद स्पेन को एक और डेविस कप खिताब दिलाना है.

न्यूज अपडेट

अपराधियों ने स्वर्ण व्यवसायी और उसके पुत्र को गोली मार किया घायल

डेहरी आन सोन। रोहतास जिले के सासाराम नगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत जलगंज स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान पर मंगलवार को अहले सुबह बेखौफ अपराधियों ने स्वर्ण व्यवसायी शहर के मुबारक गंज निवासी 40 वर्षीय अशोक सोनी और उसके 12 वर्षीय पुत्र राजवीर को गोली मार घायल कर दिया. पुलिस के अनुसार स्वर्ण व्यवसायी को तीन गोली लगी है. गोली लगने से घायल व्यवसायी को सदर अस्पताल सासाराम से बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया है. घटना सुबह तीन से चार बजे की है. व्यवसायी अपने दुकान पर दीपावली की पूजा करा रहे थे. उसी वक्त दो बुलेट बाइक पर सवार छह की संख्या में आए हथियारबंद अपराधियों ने घटना को अंजाम देने के बाद आसानी से भाग निकले. अपराधियों ने लूटपाट या किसी पुरानी रंजिश को ले घटना को अंजाम दिया है, फिलहाल इसका पता नहीं लग पाया है. घटना की सूचना मिलने के बाद सासाराम एसडीपीओ दिलीप कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की है.

राजद प्रत्याशी के आवास पर छापेमारी हत्याकांड का एक आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। पुलिस ने मोतिहारी विधानसभा से राजद प्रत्याशी देवा गुप्ता के आवास पर छापेमारी की है. बताया जा रहा है कि उक्त छापेमारी शहर के ज्ञान बाबू चौक पर 29 जुलाई को हुई भाजपा नेता राजन कुमार हत्याकांड में मामल में की है. इस दौरान पुलिस ने राजन हत्याकांड मामले के आरोपित सुबोध यादव को गिरफ्तार किया है. उल्लेखनीय है कि बीते 29 जुलाई को मोतिहारी शहर के ज्ञान बाबू चौक पर भाजपा नेता राजन की हत्या कर दी गई थी. इस हत्याकांड में राजन के भाई ने प्राथमिकी दर्ज कराया था. जिसकी जांच के दौरान पुलिस के समक्ष छह अन्य नाम भी सामने आए थे. उनमें चिरैया थानाक्षेत्र के महद्दीपुर गांव निवासी सुबोध यादव का भी नाम शामिल है. सुबोध पर पहले से भी चिरैया थाने में दो मामले दर्ज हैं. पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि सुबोध राजद प्रत्याशी देवा गुप्ता के आवास पर है, जिसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी करते हुए उसे गिरफ्तार किया है. फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है.

पटना जिले के 14 विधानसभा सीटों पर 149 उम्मीदवार मैदान में

पटना। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी त्यागराजन एस एम और वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा ने संयुक्त रूप से पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा आम निर्वाचन, 2025 के प्रथम चरण में नामांकन एवं अभ्यर्थिता वापसी की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है. पटना जिले में कुल 9 अभ्यर्थियों ने अपने नाम वापस ले लिए हैं, जिसके बाद अब जिले की 14 विधानसभा सीटों पर 149 उमच्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. अधिकारी द्वय ने बताया कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त, पारदर्शी एवं सहभागिता पूर्ण चुनाव कराना है. इसके लिए संपूर्ण प्रशासनिक और पुलिस तंत्र सजग, तत्पर और प्रतिबद्ध है. उन्होंने बताया कि अभ्यर्थिता वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मोकामा में 8, बाढ़ में 12, बख्तियापुर में 9, दीघा में 11, बांकीपुर में 9, कुम्हरार में 13, पटना साहिब में 10, फतूहा में 12, दानापुर में 7, मनेर में 13, फुलवारी (अनुसूचित जाति) में 12, मसौढी (अनुसूचित जाति) में 9, पालीगंज में 14 तथा बिक्रम में 10 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं.

एनडीए में मुख्यमंत्री पद को लेकर रोलोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने दी स्पष्टता, कहा

एनडीए में सीएम का चेहरा नीतीश कुमार ही हैं

शुभम संदेश। पटना

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक चैनल को दिए गए इंटरव्यू के बाद से यह चर्चा शुरू हो गई थी कि क्या नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे. शाह के बयान के बाद सियासी गलियारों में हलचल मच गई, लेकिन अब एनडीए के प्रमुख घटक दलों ने इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट कर दी है. राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर एनडीए में कोई भ्रम नहीं है. उन्होंने साफ किया कि ₹एनडीए में मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार ही हैं. गठबंधन उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है. हमलोग बहुमत से सरकार बनाएंगे और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही शपथ ग्रहण होगा.₹ उपेंद्र कुशवाहा ने यह भी कहा कि एनडीए में सभी घटक दलों के बीच समन्वय बना हुआ है और नेतृत्व को लेकर कोई मतभेद नहीं है. ₹सबकुछ ठीक है.

गृह मंत्री अमित शाह ने भी साफ कर दिया है कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं,₹ उन्होंने कहा. कुशवाहा ने नीतीश कुमार के अनुभव और प्रशासनिक क्षमता की भी सराहना करते हुए कहा कि गठबंधन के सभी दल उन पर पूरा भरोसा करते हैं. उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक टीवी इंटरव्यू में कहा था कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला चुनाव के बाद एनडीए विधायक दल की बैठक में किया जाएगा. जब उनसे पूछा गया कि अगर एनडीए जीतता है तो क्या नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे, तो उन्होंने कहा, ₹मैं कौन होता हूं किसी को मुख्यमंत्री बनाने वाला. ये कई दलों का गठबंधन है, चुनाव के बाद विधायक दल तय करेगा कि नेता कौन होगा.₹

हालांकि, शाह ने यह भी जोड़ा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है और भाजपा के साथ-साथ बिहार की जनता को भी उन पर पूरा भरोसा है. इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में यह चर्चा शुरू हो गई कि कहीं भाजपा नीतीश कुमार को दरकिनार तो नहीं करना चाहती. लेकिन इसके तुरंत बाद एनडीए के अन्य घटक दलों ने शाह के बयान को सामान्य प्रक्रिया बताया और नीतीश कुमार के नेतृत्व पर एक बार फिर मुहर लगाई. लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने भी कहा, ₹गृह मंत्री ने सामान्य संवैधानिक प्रक्रिया की बात कही है. हर चुनाव के बाद मुख्यमंत्री का चयन विधायक दल करता है. हम सब नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं और यही एनडीए की घोषित नीति है.₹ बिहार एनडीए में बीजेपी, जेडीयू, हम (से.) रालोसपा और लोजपा (रामविलास) शामिल हैं. सभी दलों ने स्पष्ट किया है कि नीतीश कुमार ही चुनावी चेहरा हैं और चुनाव जीतने पर वही मुख्यमंत्री बनेंगे. इस प्रकार अमित शाह के बयान के बाद उपजे भ्रम को एनडीए नेताओं ने स्पष्टता के साथ दूर कर दिया है. साफ है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर एनडीए में फिलहाल कोई विवाद नहीं है और नीतीश कुमार ही गठबंधन का चेहरा बने रहेंगे.

गौड़ाबौराम में वीआईपी और राजद आमने-सामने

महागठबंधन में मची घमासान

दरभंगा। जिले के गौड़ाबौराम विधानसभा सीट पर महागठबंधन के घटक दलों के बीच घमासान मच गया है. वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के उम्मीदवार आमने-सामने खड़े हो गए हैं, जिससे इस सीट पर सियासी मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है. गौरतलब है कि राजद ने पहले अफजल अली खान को गौड़ाबौराम सीट से टिकट दिया था. अफजल ने टिकट मिलने के बाद तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव के साथ अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं. इसी बीच चर्चा थी कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी खुद इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. लेकिन 17 अक्टूबर को मुकेश सहनी ने अपने भाई संतोष सहनी को टिकट सौंपते हुए नामांकन करवा दिया. राजद की ओर से शाम को पार्टी महासचिव मुकुंद सिंह ने निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र भेज कर अफजल अली खान का नामांकन रद्द करने की मांग की, लेकिन 20 अक्टूबर को नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी अफजल का नामांकन रद्द नहीं हुआ. इसके बाद स्थिति और पेचीदा हो गई. राजद उम्मीदवार अफजल अली खान का कहना है कि उन्हें तेजस्वी और लालू यादव का समर्थन प्राप्त है, ऐसे में वह निर्दलीय कैसे माने जा सकते हैं.

उन्होंने दावा किया कि खुद तेजस्वी यादव उनके चुनाव प्रचार में आने वाले हैं. दूसरी ओर, वीआईपी प्रत्याशी संतोष सहनी भी दावा कर रहे हैं कि महागठबंधन के बड़े नेता उनके समर्थन में प्रचार करेंगे. संतोष सहनी ने निर्वाचन पदाधिकारी पर जातिगत भेदभाव और पक्षपात का आरोप लगाते हुए मामला हाईकोर्ट ले जाने की चेतावनी दी है. उनका कहना है कि एक ही सीट पर महागठबंधन के दो प्रत्याशी मैदान में हैं, जो गठबंधन की एकता पर सवाल खड़ा करता है. इस सीट से भाजपा के सुजीत सिंह भी एनडीए के उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में हैं, जिससे त्रिकोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है. अब सभी की नजर इस पर टिकी है कि महागठबंधन के स्टार प्रचारक किसके समर्थन में प्रचार करते हैं और गौड़ाबौराम की सियासी तस्वीर किस ओर जाती है.

महागठबंधन में दरार: सीट बंटवारे पर नहीं बनी बात, 12 सीटों पर फ्रेंडली फाइट

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान 6 नवंबर और दूसरे चरण का 11 नवंबर को होना है, लेकिन महागठबंधन अब तक सीट बंटवारे पर एकराय नहीं बन पाया है. चुनावी बिगुल बज चुका है, प्रत्याशी मैदान में उतर चुके हैं, फिर भी महागठबंधन की सीटों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है. राजद ने 143, कांग्रेस ने 60, भाकपा माले ने 20, वीआईपी ने 15, सीपीआई ने 9, सीपीएम ने 4 और आईआईपी ने 3 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं. कुल मिलाकर महागठबंधन ने 254 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं, जबकि विधानसभा की कुल सीटें 243 हैं. इससे साफ हो गया है कि 12 सीटों पर महागठबंधन के भीतर ही फ्रेंडली फाइट की स्थिति बन गई है, यानी एक ही गठबंधन के दो-दो उम्मीदवार आमने-सामने हैं. हालांकि कुछ मामलों में आपसी समझ के प्रयास भी दिखे हैं. लालगंज सीट से कांग्रेस प्रत्याशी आदित्य राजा ने राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला के पक्ष में अपना नामांकन वापस ले लिया. वहीं गौड़ाबौराम सीट पर वीआईपी उम्मीदवार के उतरने के बाद राजद ने अपना प्रत्याशी हटा लिया. बावजूद इसके, सीट बंटवारे में हुई गड़बड़ी और तालमेल की कमी ने महागठबंधन की एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने इस स्थिति को लेकर नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने आरजेडी सुप्रीमो से अपील की है कि गठबंधन धर्म निभाएं और ऐसे निर्णयों पर पुनर्विचार करें. पप्पू यादव का कहना है कि 12 सीटों पर दोहरे उम्मीदवार उतारना गठबंधन की भावना के खिलाफ है और इससे केवल जनता में भ्रम फैलेगा. उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से भी ठोस निर्णय लेने की मांग की है. वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि जब यह गठबंधन सीटों का सही बंटवारा तक नहीं कर पाया, तो राज्य कैसे संभालेगा? उन्होंने आरोप लगाया कि टिकट वितरण में खरीद-फरोख्त हो रही है और मतदाता सबकुछ देख रहे हैं.

करगहर में दिलचस्प मुकाबला: महागठबंधन के दो उम्मीदवारों से बढ़ी उलझन

रोहतास। जिले की करगहर विधानसभा सीट पर इस बार का चुनाव काफी रोचक होता दिख रहा है. दूसरे चरण के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है और जिले की सभी सातों सीटों पर उम्मीदवार मैदान में हैं. करगहर सीट पर मुकाबला इस बार खासतौर पर चर्चा में है, क्योंकि यहां महागठबंधन के दो घटक दलों – कांग्रेस और सीपीआई – ने अपने-अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं, जिससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति बन गई है और महागठबंधन की रणनीति पर सवाल खड़े हो रहे हैं. कांग्रेस ने अपने वर्तमान विधायक संतोष मिश्रा को दोबारा उम्मीदवार बनाया है, जबकि सीपीआई ने चर्चित समाजसेवी महेंद्र प्रसाद गुप्ता को टिकट दिया है. गुप्ता पहले भी इसी सीट से चुनाव लड़ चुके हैं और क्षेत्र में उनकी पकड़ मानी जाती है. दोनों ही नेता महागठबंधन का हिस्सा होते हुए आमने-सामने हैं, जिससे एनडीए को हमला बोलने का बड़ा मौका मिल गया है. वहीं एनडीए की ओर से जदयू के पूर्व विधायक वशिष्ठ सिंह मैदान में हैं. जन सुराज से भोजपुरी फिल्म जगत के लोकप्रिय गायक रितेश पांडे ने भी इस सीट से ताल ठोकी है. बीएसपी ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री स्वर्गीय रामधनी सिंह के बेटे उदय प्रताप सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है. करगहर सीट पर जातीय समीकरण भी बेहद अहम भूमिका निभाने वाले हैं. यहां लगभग 60 हजार पटेल मतदाता हैं, इसके बाद ब्राह्मण और हरिजन वोटरों की बड़ी संख्या है. दिलचस्प यह है कि जदयू और बीएसपी ने पटेल उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि कांग्रेस और जन सुराज ने ब्राह्मण प्रत्याशी खड़े किए हैं. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि महागठबंधन के दो प्रत्याशियों की मौजूदगी उसके लिए आत्मघाती साबित हो सकती है.

जोकीहाट के तारण में बकरा नदी में डूबने से तीन बच्चियों की मौत

अररिया। जोकीहाट में तीन बच्चियों के बकरा नदी में डूबने से मौत हो गई. जबकि कामत घाट पर बकरा नदी में एक बालक डूब गया है, जिसकी खोजबीन के लिए एसडीआरएफ की टीम लगी हुई है. एक बच्ची का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है, जिसकी हालत नाजुक बताई जाती है. दो अलग अलग घटना है. बच्चियों की डूबने की घटना जहां सोमवार शाम की है, वहीं बालक के डूबने की घटना मंगलवार सुबह की है. ग्रामीणों के अनुसार, जोकीहाट थाना क्षेत्र के तारण गांव में सोमवार की संध्या चार बच्ची बकरा नदी के तट पर मिट्टी लाने के लिए गई हुई थी. इसी क्रम में एक बच्ची डूबने लगी. जिसे देखकर अन्य बच्चियों ने उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी. जिसमें चार बच्चियां डूब गई. स्थानीय ग्रामीणों को जब जानकारी मिली तो ग्रामीणों ने देर रात बच्चियों को स्थानीय गोताखोर के मदद से चारों बच्चियों को नदी बाहर निकाला और सदर अस्पताल लेकर पहुंचे.

कारोबार

जयंत चौधरी ने फिलीपींस में ज्ञान विनिमय मिशन का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी 20-22 अक्टूबर तक फिलीपींस में एक उच्चस्तरीय ज्ञान आदान-प्रदान मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं. यह कार्यक्रम विश्व बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है. कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि इस मिशन में प्रवासी श्रमिक विभाग (डीएमडब्ल्यू), तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास प्राधिकरण (टेस्डा), फिलीपींस सांख्यिकी प्राधिकरण (पीएसए) और प्रवासी श्रमिक कल्याण प्रशासन (ओडब्ल्यूडब्ल्यूए) जैसे प्रमुख फिलीपींस संस्थानों के साथ रणनीतिक सहयोग शामिल है.

रिलायंस इंडस्ट्रीज का जामनगर में तैयार हो रहा है गीगा प्लांट्स

नयी दिल्ली। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नया ग्रीन एनर्जी बिजनेस अगले साल से कंपनी की कमाई और मुनाफे (एबिटा) में योगदान देना शुरू कर देगा. कंपनी इस सेगमेंट में 1.5 लाख करोड़ का बड़ा निवेश कर चुकी है और इसका फोकस हाइड्रोजन, सोलर, विंड एनर्जी, फ्यूल सेल और बैटरियों पर है. यह जानकारी रिलायंस के बैटरी और एनर्जी सिस्टम के प्रेसिडेंट श्रीराम रामकृष्णन ने एक विश्लेषकों की कॉल में दी. उन्होंने बताया कि कंपनी अगले साल से आरईआरटीसी प्रोजेक्ट का पहला उत्पादन शुरू कर देगी. इसके जरिए कंपनी की रेवेन्यू और एबिटा में सीधा योगदान होगा. रिलायंस ने चार फोटोवोल्टिक मॉड्यूल लाइनें पहले ही शुरू कर दी हैं और पहली सोलर सेल लाइन अगले महीने तक शुरू हो जाएगी.

साल 2024 में भारतीय स्नैक्स मार्केट का आकार 46,571 करोड़ पहुंचा

2033 तक 1,01,811 करोड़ होने का अनुमान

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत में स्नैक्स यानी नमकीन-भुजिया केवल खाने की चीज नहीं, बल्कि हर सफर, हर त्यौहार और हर पल का हिस्सा बन चुके हैं. चाहे ट्रेन की खिड़की से बाहर झांकते हुए सफर का मज़ा लेना हो या दिवाली पर रिश्तेदारों को उपहार देना, सबसे पहले हाथ जाता है स्नैक्स के पैकेट की तरफ. मार्केट रिसर्च कंपनी आईमार्क की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024 में भारतीय स्नैक्स मार्केट का आकार 46,571 करोड़ पहुंच चुका है, और 2033 तक इसके 1,01,811 करोड़ होने का अनुमान है यानी 8.6% की सालाना ग्रोथ रेट. ईटी रिटेल की एक रिपोर्ट बताती है कि इस तेज़ ग्रोथ के पीछे एक बड़ा सांस्कृतिक बदलाव है. आज का उपभोक्ता साफ-सुथरे, हेल्दी और ब्रांडेड विकल्पों की तलाश में है. यही वजह है कि जहां एक ओर हल्दीराम और बीकाजी जैसे पुराने खिलाड़ी मजबूती से टिके हुए हैं, वहीं फार्मले, टैगजेड, बोनवी और टू युम जैसे नए स्टार्टअप्स भी तेजी से पैठ बना रहे हैं.

यूरोमॉनिटर के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के नमकीन बाजार में हल्दीराम की हिस्सेदारी लगभग 13% है. इस साल मार्च में टेमासेक द्वारा निवेश के बाद कंपनी की वैल्यूएशन लगभग 10 अरब डॉलर हो चुकी है. वहीं, बालाजी वेफर्स ने एफवाई24 में 578.8 करोड़ का मुनाफा कमाया, और इसकी सालाना आय 11% बढ़कर 5,453.7 करोड़ हो गई. बीकाजी भी अब 3.5 लाख खुदरा आउटलेट्स तक पहुंचने की योजना के साथ आक्रामक विस्तार कर रहा है. नई पीढ़ी के स्टार्टअप अब हेल्दी और क्लीन-लेबल स्नैक्स पर फोकस कर रहे हैं. फार्मले के सह-संस्थापक आकाश शर्मा के अनुसार, आज के उपभोक्ता पारंपरिक मिठाइयों की जगह बिना मिलावट वाले हेल्दी स्नैक्स और ड्राई फ्रूट गिफ्ट चुन रहे हैं. इनका टारगेट है वो युवा वर्ग जो स्वाद के साथ-साथ सेहत को भी महत्व देता है.

भले ही नए ब्रांड आ रहे हों, लेकिन पुराने और क्षेत्रीय ब्रांड आज भी खासे लोकप्रिय हैं. बालाजी और बीकाजी जैसे ब्रांडों ने अपनी क्षेत्रीय पहचान के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है. वहीं, ग्रामीण भारत में अब भी अनब्रांडेड और स्थानीय दुकानों से खरीदे गए स्नैक्स की पकड़ बनी हुई है. फार्मले की हेल्दी स्नैकिंग रिपोर्ट 2025 बताती है कि 55% भारतीय अब प्रिज़र्वेटिव-फ्री स्नैक्स चाहते हैं और 52% पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग को प्राथमिकता देते हैं. लेकिन कीमत एक बड़ी बाधा बनी हुई है. स्काईरुट्स के अजय कांगरलकर बताते हैं कि बेक्ड, बाजरा आधारित स्नैक्स को आम जनता के बजट में लाना अब भी एक बड़ी चुनौती है. त्योहारी सीज़न में यह प्रतिस्पर्धा और तेज हो जाती है. जहां पारंपरिक कंपनियां गिफ्ट पैक में नमकीन और मिठाइयों को पेश कर रही हैं, वहीं स्टार्टअप्स लिमिटेड एडिशन मखाना और ड्राई-फ्रूट मिक्स लेकर आ रहे हैं.

इलेक्ट्रॉनिक्स की दुनिया में भी तेजी से दस्तक दे रही क्विक कॉमर्स

नयी दिल्ली। ग्रोसरी के बाद अब क्विक कॉमर्स यानी तुरंत डिलीवरी सेवा का दायरा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भी तेज़ी से बढ़ रहा है. रिलायंस रिटेल और टाटा ग्रुप जैसी दिग्गज कंपनियों ने इस सेगमेंट में कदम रखकर इस दौड़ को और तेज़ कर दिया है. एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ये कंपनियां पूरे देश में अपनी क्विक कॉमर्स सेवा को विस्तार देने की योजना पर काम कर रही हैं. फिलहाल कंपनियों का फोकस 'ग्रैब-एंड-गो' यानी जल्दी खरीदे जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स जैसे स्मार्टफोन, लैपटॉप, हेडफोन, किचन अप्लायंसेज़, पंखे और गीजर जैसे उत्पादों पर है. विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक्स की क्विक डिलीवरी सेवा ग्रोसरी सेक्टर को भी पीछे छोड़ सकती है क्योंकि इस क्षेत्र में हर ऑर्डर की वैल्यू ज़्यादा होती है और उपभोक्ता अब तेजी से प्रोडक्ट्स की डिलीवरी की उम्मीद रखते हैं. देश की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी रिलायंस रिटेल ने अपने इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स को जियोमार्ट पर उपलब्ध कराते हुए 30 मिनट के अंदर डिलीवरी सेवा की शुरुआत की है.

टाटा ट्रस्ट्स: वेणु श्रीनिवासन की आजीवन ट्रस्टी के रूप में फिर से नियुक्ति

नयी दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है. सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) और सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) के ट्रस्टियों ने वेणु श्रीनिवासन को ट्रस्टी और वाइस चेयरमैन पद पर फिर से नियुक्त कर दिया है. यह नियुक्ति आजीवन होगी, यानी अब वे अपने पद पर स्थायी रूप से बने रहेंगे. इससे पहले, इसी साल जनवरी में नोएल टाटा को भी ट्रस्टी और चेयरमैन पद पर आजीवन कार्यकाल के साथ फिर से नियुक्त किया गया था. एसडीटीटी और एसआईटीटी की टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में संयुक्त रूप से 52% हिस्सेदारी है, जिससे यह फैसला और भी महत्वपूर्ण बन जाता है. ट्रस्ट के एक और ट्रस्टी मेहली मिस्त्री की पुनर्नियुक्ति पर विचार अगले कुछ दिनों में किया जाएगा. श्रीनिवासन की नियुक्ति को लेकर पहले से ही संकेत थे क्योंकि 17 अक्टूबर, 2024 को हुई ट्रस्टियों की बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था. इस प्रस्ताव के अनुसार, किसी भी ट्रस्टी का कार्यकाल समाप्त होने पर उसे फिर से नियुक्त किया जाएगा और कार्यकाल की कोई समय सीमा नहीं होगी. इस बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया था कि यदि कोई ट्रस्टी दूसरे ट्रस्टी की पुनर्नियुक्ति के खिलाफ वोट देता है, तो उसे अपनी प्रतिबद्धता के उल्लंघन का दोषी माना जाएगा और वह ट्रस्ट के बोर्ड में सेवा देने के लिए अयोग्य ठहराया जाएगा.

अमेज़न नदी के पास तेल ड्रिलिंग को मिली मंजूरी

नयी दिल्ली। ब्राज़ील की सरकारी तेल कंपनी पेट्रोब्रास को अमेज़न नदी के मुहाने के पास स्थित एफ़ज़ेडए-एम-059 ब्लॉक में तेल की खोज के लिए ड्रिलिंग की अनुमति मिल गई है. यह ब्लॉक अमापा राज्य के तट से 175 किलोमीटर दूर स्थित है. ड्रिलिंग कार्य लगभग पांच महीने तक चलेगा, हालांकि इसमें तेल उत्पादन शामिल नहीं होगा. यह अनुमति ब्राज़ीलियाई पर्यावरण संस्थान द्वारा दी गई है, जो देश के पर्यावरण मंत्रालय के अधीन काम करता है. यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब कुछ ही हफ्तों में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है, जिसमें जीवाश्म ईंधनों के उपयोग में कटौती पर चर्चा होगी. ब्राजील के ऊर्जा मंत्री अलेक्ज़ांद्रे सिल्वेरा ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि ड्रिलिंग कार्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के साथ किया जाएगा.

सोना सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची, अमेरिका में अब खरीदना हुआ मुश्किल

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,300 डॉलर प्रति औंस के पार

एजेंसी। नयी दिल्ली

दुनिया भर में जारी भू-राजनीतिक तनाव, डॉलर की कमजोरी और सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी ने सोने को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत पहली बार 4,300 डॉलर प्रति औंस के पार चली गई है. इस साल अब तक सोने की कीमत में करीब 60% की तेजी आ चुकी है, जिससे इसे खरीदना आम आदमी के लिए पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल हो गया है, खासकर अमेरिका जैसे विकसित देश में भी. गोल्डमैन सैश के अनुमान के अनुसार, अगर मौजूदा रुझान जारी रहे तो 2026 के अंत तक सोने की कीमत 4,900 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है. अमेरिका में अगस्त 2025 में औसत प्रति घंटे की मजदूरी 36.50 डॉलर रही. इस हिसाब से एक औंस सोना खरीदने के लिए किसी व्यक्ति को औसतन 116 घंटे काम करना पड़ेगा. यह पिछले 100 वर्षों में सबसे ऊंचा अनुपात है.

इससे पहले 1930 के दशक की महामंदी, 1980 और 2011 में यह आंकड़ा 80 घंटे के आसपास पहुंचा था. वहीं, 2000 के शुरुआती वर्षों में महज 20 घंटे की मेहनत से ही एक औंस सोना खरीदा जा सकता था. पिछले 18 महीनों में सोना खरीदने के लिए जरूरी काम के घंटे दोगुने हो चुके हैं. इससे स्पष्ट है कि लोगों की आय में उस गति से वृद्धि नहीं हुई है, जिस तेजी से सोने की कीमतों ने छलांग लगाई है. विशेषज्ञों के मुताबिक, सोने की कीमतों में तेजी के पीछे कई वजहें हैं. सबसे प्रमुख कारण दुनिया के कई हिस्सों में जारी राजनीतिक और सैन्य तनाव है. ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो जब भी वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बढ़ती है, निवेशक सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख करते हैं. इसके साथ ही, चीन, रूस और भारत जैसे देशों के सेंट्रल बैंकों द्वारा की जा रही भारी खरीदारी ने मांग को और बढ़ावा दिया है. वहीं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं और डॉलर की कमजोरी ने भी सोने की चमक को और तेज किया है.

मौजूदा हालात में जब शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव है और क्रिप्टोकरेंसी पर अस्थिरता का साया बना हुआ है, निवेशक फिर से पारंपरिक और सुरक्षित निवेश विकल्प यानी सोने की ओर लौट रहे हैं. यही वजह है कि आने वाले महीनों में भी इसकी कीमतों में मजबूती बनी रह सकती है.

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं. अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे. डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज सांकेतिक बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है. यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा. इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आज चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है. अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे. एस एंड पी 500 इंडेक्स 1.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,735.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह नैस्डेक ने 310.57 अंक यानी 1.37 प्रतिशत उछल कर 22,990.54 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया. डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 46,709.11 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है. यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही. एफटीएसई इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,403.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,206.07 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया. इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 427.81 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,258.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

भारत में होने वाले मुहूर्त ट्रेडिंग के मौके पर एशियाई बाजारों से भी आज शानदार रौनक के संकेत मिल रहे हैं. एशिया के सभी 9 बाजार आज मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं. गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,013 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह निक्केई इंडेक्स 409.50 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 49,595 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है. हैंग सेंग इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है. फिलहाल ये सूचकांक 461.17 अंक यानी 1.75 प्रतिशत उछल कर 26,320 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है. वहीं स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,389.05 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है, जबकि शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.20 प्रतिशत उछल कर 3,910.013 अंक के स्तर पर पहुंच गया है.

राज्यपाल ने बाबा केदार और बदरी विशाल की पूजा-अर्चना की

बाबा केदार से मांगा विश्व कल्याण और मानवता की समृद्धि का आशीर्वाद

एजेंसियां । देहरादून

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने मंगलवार को केदारनाथ और बदरीनाथ धाम पहुंचे. राज्यपाल ने पहले बाबा केदार के दर्शन कर रुद्राभिषेक किया. इसके बाद राज्यपाल ने बदरीनाथ धाम पहुंचकर बाबा बदरी विशाल के दर्शन किए और विशेष पूजा की. राज्यपाल ने विश्व कल्याण, मानवता की समृद्धि और उत्तराखंड के सतत विकास के लिए आशीर्वाद मांगा. पर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा और मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने हेलीपैड पर उनका स्वागत किया. राज्यपाल ने भगवान केदारनाथ का अभिषेक, पूजन-अर्चना किया और मानव कल्याण और राज्य की उन्नति की मनौती मांगी. यहां राज्यपाल ने कहा कि केदारघाटी का प्रत्येक कण शिवमय है. यहां के पर्वतों में भगवान शिव की उपस्थिति का अनुभव होता है. इस पवित्र भूमि पर कदम रखते ही मन ध्यानमग्न हो जाता है. पूजन के उपरांत राज्यपाल ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और बाबा के जयकारे लगाए. उन्होंने धाम में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए जानकारी प्राप्त की. इस मौके पर बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी मंदिर समिति विजय थपलियाल, उप जिलाधिकारी अनिल शुक्ला, केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, महामंत्री राजेंद्र तिवारी, मंत्री अंकित प्रसाद सेमवाल आदि थे. इसके बाद राज्यपाल बाबा बद्रीविशाल के धाम पहुंचे. यहां पर जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने उनका स्वागत किया. राज्यपाल ने बाबा बदरी विशाल के दर्शन कर पूजा अर्चना की. इस मौके पर राज्यपाल ने जिलाधिकारी से धाम में चल रहे मास्टर प्लान के कार्यों की जानकारी ली. जिलाधिकारी ने उन्हें मास्टर प्लान के कार्यों की जानकारी दी. राज्यपाल ने सिविक एमीनिटी सेंटर, सिविक कम्युनिटी सेंटर, अराइवल प्लाजा और हॉस्पिटल बिल्डिंग की प्रगति पर संतोष जताया, और मास्टर प्लान के कार्यों की सराहना की. इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि यहां जिस तरह का विकास हो रहा है वह हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर ले जा रहा है. इस दौरान राज्यपाल ने कार्यदायी संस्था को मास्टर प्लान के कार्यों की प्रगति की फोटो सहित डॉक्यूमेंटेशन तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए. साथ ही शेष नेत्र और बद्रीश झील दोनों लेक की सफाई व्यवस्था सुचारू रखने और आस्था पथ पर जितना लाइट इत्यादि का कार्य है उसे मेंटेन रखने के निर्देश दिए.

इसके अतिरिक्त राज्यपाल ने चार धाम व्यवस्थाओं पर जिला प्रशासन की प्रशंसा की और यह भी कहा कि यहां पर पुलिस प्रशासन और मंदिर समिति का एक अच्छा समन्वय देखने को मिला. साथ ही उन्होंने इस कार्य में लगे सभी मंदिर समिति के सदस्य, पंडा, पुरोहित, पुलिस फोर्स और प्रशासन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को बधाई दी. राज्यपाल ने सभी भारतीयों सहित विश्व के लोगों से बदरीनाथ धाम में दर्शन लाभ प्राप्त करने की बात कही. साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन से यह भी कहा कि आगे भी इसी तरह व्यवस्थाओं को सुचारू रखा जाए, जिससे आने वाले तीर्थयात्रियों को सुगमता से भगवान बदरी विशाल के दर्शन लाभ मिल सकें. इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ट, पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट, बीकेटीसी के प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, नगर पंचायत बदरीनाथ के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे.

न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र के धाराशिव में दो कारों की टक्कर में 4 की मौत, दो घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के उमरगा तहसील में सोलापुर-हैदराबाद हाइवे पर दलिंब गांव के पास मंगलवार को सुबह दो महंगी लग्जरी कारों की टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई . इस घटना में दो लोग घायल हो गए, दोनों घायलों का इलाज सोलापुर के सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है. इस घटना की छानबीन स्थानीय पुलिस कर रही है. इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में मारे गए चारों लोग आज सुबह धाराशिव जिले से खासमपुर बीदर की ओर जा रहे थे. तभी सामने से आ रही एक और कार ने उसे ज़ोरदार टक्कर मार दी. इस घटना में बीद की ओर जा रही कार में सवार चार लोगों की मौत हो गई. जबकि दूसरी कार में सवार दो लोग घायल हुए हैं.

हमले की साजिश नाकाम, रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड के साथ दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने अमृतसर में बड़ी अपराधिक वारदात की योजना को विफल बनाते हुए दो युवकों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे में एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) बरामद किया है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर खुफिया कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों महकदीप सिंह उर्फ महक और आदित्य उर्फ आधी को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है. डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि ये दोनों पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक ऑपरेटिव के संपर्क में थे, जिसने इन्हें यह खतरनाक हथियार मुहैया कराया था. इसके अलावा इनका संपर्क फिरोजपुर जेल में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ विक्की से भी था.

दीपावली पर पहली बार 12 हजार दीयों से जगमगाया बदरीनाथ धाम

देहरादून। भगवान बदरीनाथ व केदारनाथ में परंपरा और पूरे उत्साह के साथ दीपावली मनाई गई. पहली बार बदरीनाथ धाम 12 हजार दीपकों से रोशन किया गया. इस मौके पर 56 भोग भी माता लक्ष्मकी को अर्पित किए गये. श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया श्री बदरीनाथ धाम व श्री केदारनाथ में दीपावली के अवसर पर भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया. मंदिरों को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया. श्री बदरीनाथ एवं केदारनाथ धाम में बीकेटीसी तीर्थ पुरोहितों व हक-हकूकधारियों के सहयोग से दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया. बदरीनाथ होटल एसोसिएशन के सहयोग से दीपोत्सव 23 अक्टूबर तक आयोजित होगा.

शोपियां जिले में मिली आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट किया गया

शोपियां। सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के हेफ इलाके में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाकर उसे सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया. अधिकारियों ने बताया कि इलाके में नियमित सुरक्षा अभियान के दौरान गश्त कर रहे सुरक्षाकर्मियों ने आईईडी का पता लगाया. इस खोज के बाद एहतियात के तौर पर पास की सड़क पर यातायात तुरंत रोक दिया गया और बम निरोधक दस्ते को घटनास्थल पर बुलाया गया. मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, दस्ते ने नियंत्रित विस्फोट में विस्फोटक उपकरण को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया, जिससे कोई नुकसान या किसी को भी चोट नहीं पहुंची.

24 हजार किमी की साइकिल यात्रा पूरी कर घर लौटे अमृत किस्कू

पश्चिम मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले से पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से साइकिल यात्रा पर निकले अमृत किस्कु 24 हजार किलोमीटर की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर घर लौट आए हैं. उनकी यह यात्रा दो साल एक महीने और नौ दिन चली. इस दौरान उन्होंने देश के 28 राज्य और 5 केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा किया. अमृत ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से की थी. इस दौरान उन्हें विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक और भौगोलिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनका उत्साह और संकल्प अडिग रहा. मंगलवार सुबह में वह आखिरकार अपने किशियाड़ी ब्लॉक स्थित घर लौटे, जहां परिवार और स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. अपनी यात्रा के दौरान अमृत अनेक लोगों से मिले और उन्हें पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया.

रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर अर्धसैनिक बलों को दी श्रद्धांजलि, कहा

पुलिस भारत की सामाजिक अखंडता की रक्षा करती है

एजेंसी। नई दिल्ली

लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में आज ही के दिन चीनी सैनिकों के हमले में 10 बहादुर पुलिसकर्मियों की शहादत की याद में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जा रहा है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके बलिदानियों को याद किया. उन्होंने कहा कि सेना भारत की भौगोलिक अखंडता की रक्षा करती है, तो पुलिस भारत की सामाजिक अखंडता की रक्षा करती है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश से नक्सलवाद की समस्या अगले साल मार्च तक समाप्त हो जाएगी. राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि आज पुलिस को न केवल अपराध से, बल्कि धारणा से भी लड़ना है. यह अच्छी बात है कि हमारी पुलिस अपने आधिकारिक कर्तव्य के साथ-साथ अपने नैतिक कर्तव्य का भी बखूबी निर्वहन कर रही है. आज देश के नागरिकों को विश्वास है कि अगर कुछ गलत होता है, तो पुलिस उनके साथ खड़ी रहेगी. रक्षा मंत्री ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस देश की सुरक्षा में अपने आप को समर्पित कर देने वाले हमारे पुलिस और सभी अर्धसैनिक बलों के जवानों के त्याग को याद करने का दिन है.

राजनाथ सिंह ने कहा कि पुलिस व्यवस्था तभी प्रभावी रूप से काम कर सकती है, जब समाज के नागरिक पुलिस के सहयोगी के रूप में काम करते हैं और कानून का सम्मान करते हैं. जब समाज और पुलिस के बीच संबंध आपसी समझ और ज़िम्मेदारी पर आधारित होते हैं, तब समाज और पुलिस बल दोनों समृद्ध होते हैं. वर्तमान चुनौतियों पर राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमाओं पर अस्थिरता के साथ ही समाज में नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद और वैचारिक युद्ध उभर रहे हैं. अपराध अधिक संगठित, अदृश्य और जटिल हो गया है और इसका उद्देश्य समाज में अराजकता पैदा करना, विश्वास को कम करना और राष्ट्र की स्थिरता को चुनौती देना है. रक्षा मंत्री ने अपराध रोकने की अपनी आधिकारिक जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ समाज में विश्वास बनाए रखने के अपने नैतिक कर्तव्य को पूरा करने के लिए पुलिस की सराहना की.

उन्होंने कहा कि अगर आज लोग चैन की नींद सो रहे हैं, तो इसका कारण हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और सतर्क पुलिस पर उनका भरोसा है. यही विश्वास हमारे देश की स्थिरता की नींव है. लंबे समय से आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती रहे नक्सलवाद की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और स्थानीय प्रशासन के संगठित और समन्वित प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लोगों ने राहत की सांस ली है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश से नक्सलवाद की समस्या अगले साल मार्च तक समाप्त हो जाएगी. उन्होंने कहा कि इस वर्ष कई शीर्ष नक्सलियों का सफाया किया गया है. राज्य के खिलाफ हथियार उठाने वाले अब आत्मसमर्पण करके विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में भारी कमी आई है. कभी नक्सलियों के गढ़ रहे क्षेत्र अब शिक्षा के गढ़ बन रहे हैं. कभी लाल गलियारे के रूप में पहचान रखने वाले इलाके अब विकास के गलियारों में तब्दील हो गए हैं. इस सफलता में हमारी पुलिस और सुरक्षा बलों का महत्वपूर्ण योगदान है. इस कार्यक्रम के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और दिल्ली पुलिस की संयुक्त परेड आयोजित की गई. केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बंदी संजय कुमार, गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी, सीएपीएफ के अन्य प्रमुख, सेवानिवृत्त महानिदेशक और पुलिस बिरादरी के अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए

बोलिविया में दक्षिणपंथ की वापसी : रॉड्रिगो पाज की ऐतिहासिक जीत

लापाज। बोलिविया में बीते दो दशकों के वामपंथी शासन का अंत हो गया है. रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी नेता रॉड्रिगो पाज ने 54.5% वोट हासिल कर चौंकाने वाली जीत दर्ज की. यह चुनावी नतीजा देश की राजनीतिक दिशा में बड़े बदलाव का संकेत है. पाज ने पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज ₹तूतो₹ किरोगा को हराया, जो आर्थिक संकट से निपटने के लिए आईएमएफ से कर्ज लेने की वकालत कर रहे थे. हालांकि पाज ने आईएमएफ से मदद लेने से इनकार किया है क्योंकि बोलिवियाई जनता में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को लेकर गहरा अविश्वास है. पाज ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिका के साथ रिश्तों में सुधार और विदेशी निवेश लाने पर जोर देंगे. उन्होंने बताया कि वॉशिंगटन के साथ बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है ताकि 8 नवंबर को पदभार संभालने के बाद देश की ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके.

विपिन जोशी का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

काठमांडू। इजराइल पर हमले के दौरान हमास के हाथों बंधक बनाए जाने के बाद मारे गए 23 वर्षीय विपिन जोशी के पार्थिव शरीर का मंगलवार को महाकाली नदी के तट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. इस दौरान सैकड़ों स्थानीय लोग अंतिम सम्मान देने के लिए इकट्ठा हुए. अंतिम संस्कार से पहले सशस्त्र पुलिस बल के एक दल ने औपचारिक सलामी दी और कंचनपुर के मुख्य जिला अधिकारी लक्ष्मण धाकल ने सम्मान के प्रतीक के रूप में ताबूत पर राष्ट्रीय ध्वज लपेटा. जोशी के पिता महानंद जोशी और उनके चचेरे भाई किशोर जोशी ने अंतिम संस्कार में मुखाग्नि दी. नेपाल में इजराइल के राजदूत शमुलिक एरी बास, दो अन्य इजराइली प्रतिनिधियों के साथ नदी के किनारे अंतिम संस्कार में शामिल हुए.

चीन ने भारत की पीएलआई योजनाओं को लेकर डब्ल्यूटीओ में दर्ज कराई शिकायत

जिनेवा/बीजिंग। चीन ने भारत की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है. बीजिंग का आरोप है कि भारत की एडवांस केमिस्ट्री सेल बैटरी, ऑटोमोबाइल सेक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण से जुड़ी पीएलआई योजनाएं अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन करती हैं. चीन का कहना है कि भारत की ये योजनाएं घरेलू उत्पादों को आयातित वस्तुओं की तुलना में अनुचित प्राथमिकता देती हैं, जिससे चीनी उत्पादों के साथ भेदभाव होता है. बीजिंग ने दावा किया है कि ये नीतियां डब्ल्यूटीओ के तीन प्रमुख समझौतों — सब्सिडीज एंड काउंटरवेलिंग मेजर्स एग्रीमेंट, जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एंड ट्रेड 1994, और ट्रेड-रिलेटेड इंवेस्टमेंट मेजर्स — के प्रावधानों के अनुरूप नहीं हैं. डब्ल्यूटीओ के अनुसार, चीन ने भारत से इन नीतियों को लेकर औपचारिक परामर्श की मांग की है. चीन का तर्क है कि भारत की नीतियों के कारण उसे उन व्यापारिक लाभों से वंचित होना पड़ रहा है, जो डब्ल्यूटीओ समझौतों के तहत मिलने चाहिए थे.

हूती विद्रोहियों ने पांच कर्मचारियों को रिहा किया

अदन। यमन में हूती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र संघ के पांच कर्मचारियों को रिहा कर दिया है. इन्हें पिछले सप्ताह सना में बंदी बना लिया गया था. संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफ़न दुजारिक ने सोमवार को यह जानकारी दी. स्टीफ़न दुजारिक ने बताया कि रिहा किए गए संयुक्त राष्ट्र के पांचों कर्मचारी यमन के ही नागरिक हैं. बताया कि हूतियों ने संगठन के 15 अन् यअंतरराष्ट्रीय कर्मचारियों को संयुक्त राष्ट्र परिसर में स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति भी प्रदान कर दी है. बता दें कि हूती विद्रोही राजधानी सना, तटीय शहर होदेदा और उत्तरी प्रांत सदा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ लंबे समय से कार्रवाई करते रहे हैं. वे दावा करते हैं कि हिरासत में लिए गए संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी और अन्य संगठनों एवं दूतावासों के कर्मचारी जासूस थे. हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने इस दावे का खंडन किया है.

पाक प्रधानमंत्री तीन दिनी यात्रा पर सऊदी जाएंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ सऊदी अरब की तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब जाने वाले हैं. उनकी यह यात्रा 26 अक्टूबर से प्रारंभ होगी. उनकी इस यात्रा में उनके साथ कैबिनेट सहयोगी और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल होंगे. सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के रिश्तों को मजबूत करने की कड़ी में इस यात्रा को पाकिस्तान में काफी अहम माना जा रहा है. पाकिस्तान सरकार की विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान प्रधानमंत्री रियाद में मशहूर 'फ़्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव' (एफआईआई) को संबोधित करेंगे. यह एक ऐसा वैश्विक मंच है जिसमें दुनिया भर के उद्योग जगत से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व , निवेशक और नीति निर्धारक शामिल होते हैं. शरीफ़ सऊदी अरब के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक में भी शामिल होंगें, जिसमें आपसी संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक साझेदारी बढ़ाने के मसलों पर चर्चा होने की संभावना है.

व्हाइट हाउस में बनेगा भव्य प्रेसिडेंशियल बॉलरूम

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़े और भव्य निर्माण की घोषणा की है. उन्होंने कहा है कि व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग को तोड़कर वहां एक नया ₹प्रेसिडेंशियल बॉलरूम₹ बनाया जाएगा. ट्रंप ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर साझा की और बताया कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह निजी तौर पर फंड किया जाएगा, जिससे अमेरिकी करदाताओं पर कोई भार नहीं पड़ेगा. इस बॉलरूम का आकार लगभग 90,000 वर्गफुट होगा और इसकी अनुमानित लागत करीब 200 मिलियन डॉलर (लगभग 1,660 करोड़ रुपये) बताई गई है. ट्रंप के अनुसार, यह बॉलरूम राजकीय यात्राओं, उच्च स्तरीय आयोजनों और आधिकारिक कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा. उन्होंने कहा कि पिछले 150 वर्षों से हर राष्ट्रपति चाहता रहा है कि व्हाइट हाउस में एक बॉलरूम हो, और उन्हें गर्व है कि वे इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट की शुरुआत कर रहे हैं. यह ट्रंप की पुरानी इच्छा का हिस्सा है कि व्हाइट हाउस में एक भव्य, आधुनिक इवेंट स्पेस हो, जो उनके निजी क्लबों जैसा दिखे.

पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान के बीच समझौतों पर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा

दोनों देश इस खतरे को खत्म करने की दिशा में सहमत हो रहे हैं

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने घोषणा की है कि पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान अपनी साझा सीमा पर बढ़ते उग्रवाद के ख़तरे से निपटने के लिए 'महत्वपूर्ण' समझौते पर पहुंच गए हैं हालांकि इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अफ़ग़ानिस्तान अपनी साझा सीमा पर हमला करने वाले सशस्त्र समूहों पर प्रभावी ढंग से लगाम लगा पाता है या नहीं.

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा, उग्रवाद ने पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान दोनों के सीमावर्ती क्षेत्रों को गहरे तक प्रभावित किया है. दोनों देश अब शांति और बेहतर संबंधों की आशा के साथ इस ख़तरे को ख़त्म करने की दिशा में काम करने पर सहमत हुए हैं.₹ मंत्री के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच समझौते की मध्यस्थता दो देशों- कतर और तुर्किए ने की. ख्वाजा आसिफ ने इस समझौते की मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन और तुर्कीये के दूत इब्राहिम कालिन का आभार व्यक्त किया.

उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुआ जिसमें पिछले हफ़्ते सीमा पार के कारण उग्रवाद से जुड़ी सीधी झड़पें भी शामिल हैं. दोनों देशों ने स्वीकार किया है कि उग्रवाद द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा करने वाला मुख्य मुद्दा है.

आसिफ ने कहा, अफ़ग़ान रक्षा मंत्री ने भी स्वीकार किया है कि उग्रवाद हमारे संबंधों में तनाव का मुख्य कारण है. अब हमारा लक्ष्य इस और अन्य लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करना है.₹ उन्होंने कहा की कि समझौते के 'तकनीकी' विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए अगले सप्ताह इस्तांबुल में एक और बैठक होगी, जिसमें क़तर और तुर्किए के प्रतिनिधि 'गारंटर' के रूप में मौजूद रहेंगे. क्षेत्रीय व्यापार और शरणार्थी चिंताओं के भविष्य पर टिप्पणी करते हुए, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा, ₹एक बार संबंध सामान्य हो जाने पर, अफ़ग़ानिस्तान पाकिस्तानी बंदरगाहों का उपयोग फिर से शुरू कर सकेगा और व्यापार एवं पारगमन संबंध बहाल हो सकेंगे.

वैध दस्तावेज़ों वाले अफ़ग़ान शरणार्थियों को पाकिस्तान में रहने की अनुमति होगी, लेकिन बिना दस्तावेज़ वाले व्यक्तियों को वापस भेजे जाने की प्रक्रिया बंद नहीं होगी. आसिफ ने हालांकि यह स्वीकार किया कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि समझौते में सभी तरह के गंभीर मसलों का समाधान हो गया है. उन्होंने कहा, ₹समय बताएगा कि दोनों पक्ष समझौते को कितनी ईमानदारी से लागू करते हैं. लेकिन भौगोलिक वास्तविकता बनी हुई है. हम पड़ोसी हैं, और हमें शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व का रास्ता खोजना होगा. पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने एक सवाल पर माना है कि उनके देश के अफ़ग़ानिस्तान के साथ इस समझौते की सफलता इस बात पर निर्भर है कि अफ़ग़ानिस्तान अपनी साझा सीमा पर हमला करने वाले सशस्त्र समूहों पर प्रभावी ढंग से लगाम लगा पाता है या नहीं. उन्होंने कहा, ₹सब कुछ इसी एक शर्त पर टिका है.

पुलिसकर्मियों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य पूंजी : योगी

एजेंसी। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिज़र्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस समारोह में प्रदेश पुलिस के वीर शहीदों को नमन किया. उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य पूंजी है, जिसे हम कभी भूल नहीं सकते. उनकी स्मृतियां हमें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा का अमर संदेश देती हैं. उन्होंने कहा कि प्रदेश पुलिस ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4,061.87 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश के तीन बहादुर पुलिसकर्मियों एसटीएफ निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्ध नगर) ने अपने प्राणों की आहुति दी. उन्होंने शहीदों के परिजनों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके कल्याण के लिए हर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.